खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 22 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-21

शपथ ग्रहण के साथ ही एक्शन में आए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

चीन पर साधा निशाना भारत को दिया सम्मान

वॉशिंगटन, 21 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ लेने से पूर्व ही भारत और चीन को लेकर अपनी सोच और नीति की ओर संकेत कर दिया था। शपथ ग्रहण के साथ ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लिए गए निर्णयों ने बता दिया कि ट्रंप सरकार की विदेश नीति की दिशा क्या रहने वाली है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण के साथ ही अपने प्रथम भाषण में यह घोषणा कर दी कि वो पनामा नहर को अमेरिकी नियंत्रण में लेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा निर्मित पनामा नहर प्रोजेक्ट दुनिया के इतिहास का सबसे महंगा प्रोजेक्ट है, जिसका फायदा चीन उठा रहा है। ट्रंप ने साफ-साफ कहा, चीन पनामा नहर का संचालन कर रहा है। और हमने इसे चीन को नहीं दिया, हमने इसे पनामा को दिया था, और हम इसे वापस ले रहे हैं। अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप ने कुर्सी संभालते ही जिस तत्परता से कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं, आदेश पारित किए हैं, उसे देखते हुए लगता है गत कुछ वर्ष से रणनीति के मामले में पिछड़ता रहा अमेरिका अब इस मोर्चे पर काफी चौकस रहेगा। चार महत्वपूर्ण घटनाक्रम इस दृष्टि से खास संकेत देने वाले हैं। एक, गाजा युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई। दो, चीन के राष्ट्रपति से फोन पर चर्चा और ट्रंप के बीजिंग जाने की तेज अटकलें। तीन, रूस के राष्ट्रपति पुतिन का ट्रंप को फोन कर के बधाई देना। चार, ट्रंप का भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपनी नजदीकी के बारे सार्वजनिक तौर पर बयान देना और मोदी द्वारा केंद्रीय मंत्रियों एस जयशंकर और

▶10 पर

चीन का पिट्ठू बताकर डब्लूएचओ से हटा अमेरिका

पनामा नहर को अपने नियंत्रण में लेगा अमेरिका

अमेरिका के लिए पनामा कैनाल क्यों है बेहद जरूरी!

वाशिंगटन, 21 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के लिए पनामा कैनाल रणनीतिक और व्यापारिक दोनों दृष्टिकोणों से बेहद जरूरी है। इस संवेदनशील मसले पर जो बाइडेन ने ध्यान नहीं दिया और स्थिति यह हो गई कि पनामा कैनाल का संचालन चीन के हाथ में चला गया। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करते ही इस बेहद महत्वपूर्ण मसले पर ध्यान दिया और बेबाकी से कहा कि अमेरिका द्वारा बनाया गया पनामा नहर

▶10 पर

भारत को दिया गया महत्व: पहली कतार में बिठाए गए जयशंकर

वाशिंगटन, 21 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सोमवार को हुए शपथ ग्रहण समारोह में दुनियाभर से आए मेहमानों के बीच भारत की विशेष उपस्थिति दर्ज की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से विदेश मंत्री एस. जयशंकर को इस महत्वपूर्ण अवसर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए भेजा गया था। जयशंकर की पहली पंक्ति में मौजूदगी ने यह साफ संदेश दिया कि अमेरिका और भारत के रिश्ते एक नई ऊंचाई पर पहुंचने के लिए तैयार हैं। एस. जयशंकर न केवल समारोह में शामिल हुए, बल्कि उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी उपस्थिति को साझा करते हुए गर्व व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, डोनाल्ड ट्रंप और

▶10 पर

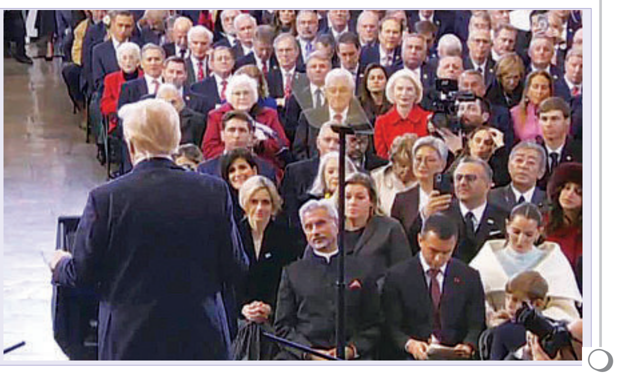

दिल्ली चुनाव के लिए भाजपाई संकल्प-पत्र का दूसरा अंश जारी

गरीबों को केजी से पीजी तक मिलेगी मुफ्त शिक्षा

तीन हिस्सों में जारी होगा भाजपा का संकल्प-पत्र

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बीच भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को संकल्प पत्र का दूसरा भाग जारी कर दिया है। इस संकल्प पत्र में छात्रों, ऑटो टैक्सी चालकों और कामगारों के लिए कई घोषणाएं की गई हैं। भाजपा तीन चरणों में संकल्प पत्र जारी कर रही है। आज दूसरा भाग जारी किया गया है। जिसमें दिल्ली की जनता से कई वादे किए गए हैं। संकल्प पत्र के दूसरे भाग को पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने जारी किया है।

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि दिल्ली के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 15,000 रुपए की एकमुश्त वित्तीय सहायता दी जाएगी। दो बार की यात्रा और आवेदन शुल्क की प्रतिपूर्ति भी होगी। यह मोदी की गारंटी है। जब हम विकसित भारत की कल्पना करते हैं, तो विकसित दिल्ली की एक अहम भूमिका है। विकसित दिल्ली संकल्प पत्र 2025 के संबंध में राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने आपके सामने पहले अपनी बात रखी थी, आज उसके दूसरे भाग को लेकर मैं आप सबके सामने आया हूं।

अनुराग ने कहा कि हमारी सरकार बनने पर हम स्वास्थ्य, यातायात, बिजली, पानी और परिवहन आदि से जुड़ी समस्याओं का हल करेंगे। दिल्ली वालों को बेहतर आज और बेहतर कल देने का प्रयास करेंगे। भाजपा की जहां भी सरकारें रही, जन-कल्याण उनकी प्राथमिकता और केंद्र बिंदु रहा। केंद्र सरकार में भी हमने राज्यों के सहयोग से नागरिकों की समस्याओं का जहां समाधान किया, वहीं पर उनको सुविधाएं भी दी।

▶10 पर

रोहिंग्या को उठा कर डिटेंशन सेंटर में डालेंगे: रमेश बिधूड़ी

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा नेता और पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी ने आरोप लगाया है कि इंडी गठबंधन और अरविंद केजरीवाल रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के वोट बनवाते हैं। उन्होंने इस मामले में केजरीवाल से अपना रुख साफ करने को कहा है।

कालका जी विधानसभा सीट से प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी ने कहा, हमने हमेशा कहा है कि अरविंद केजरीवाल समेत इंडी गठबंधन के नेता रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को वोटर बनाते हैं। केजरीवाल को इस मामले पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। हम विश्वास दिलाते हैं कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने पर 30 दिनों के भीतर में डिटेंशन सेंटर तैयार

▶10 पर

महाकुंभ आएंगे राष्ट्रपति प्रधानमंत्री, उप राष्ट्रपति और गृहमंत्री

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी संगम में पवित्र डुबकी लगाने आएंगे। नेताओं की सुचारू और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक और सुरक्षा तैयारियों को मजबूत किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच फरवरी को महाकुंभ आएंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 27 जनवरी को महाकुंभ में शामिल होने वाले हैं। एक फरवरी को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ महाकुंभ आएंगे। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भी 10 फरवरी को प्रयागराज जाने की उम्मीद है। अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति के प्रमुख कार्यक्रमों में भाग लेने की उम्मीद है।

सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण वक्तव्य

दंगारोपी के चुनाव लड़ने पर रोक लगनी चाहिए

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के उम्मीदवार ताहिर हुसैन ने चुनाव प्रचार के लिए दाखिल अंतरिम जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। ताहिर वर्ष 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों का आरोपी है। सोमवार को ताहिर हुसैन की अंतरिम जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट में मेंशन के लिए आई।

सोमवार को इस याचिका पर मेंशनिंग के दौरान जस्टिस पंकज मित्तल ने कहा कि जेल में बैठकर चुनाव जीतना आसान है। ऐसे लोगों के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध होना चाहिए। ताहिर हुसैन ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें हाई कोर्ट ने अंतरिम जमानत की मांग ठुकराते हुए कहा था कि इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि ताहिर हुसैन पर दिल्ली दंगों की साजिश रचने का आरोप है, जिसमें 59 लोगों की जान गई थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि सिर्फ पूर्व पार्षद होने के चलते वो अंतरिम जमानत का हकदार नहीं हो जाता।

ताहिर हुसैन आम आदमी पार्टी का पार्षद भी रहा है। दिल्ली हाई कोर्ट ने 14 जनवरी को ताहिर हुसैन की अंतरिम जमानत याचिका खारिज करते हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में नामांकन दाखिल करने के लिए कस्टडी पेरोल पर रिहा करने का आदेश दिया था। हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने ताहिर हुसैन की अंतरिम जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि ताहिर हुसैन समाज के लिए खतरा है। उन्होंने कहा था कि हुसैन का यह कहना की चुनाव लड़ना उनका मौलिक अधिकार है तो चुनाव लड़ना कोई मौलिक अधिकार नहीं है। इसके अलावा वह चाहे तो जेल से भी अपना नामांकन दाखिल कर सकता है। दिल्ली पुलिस ने अपनी इस दलील के समर्थन में अमृतपाल सिंह का उदाहरण दिया था। ताहिर हुसैन को एआईएमआईएम की ओर से उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद से उम्मीदवार बनाया है।

दिल्ली दंगों का आरोपित ताहिर हुसैन ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन की ओर से टिकट पाने के बाद जेल से बाहर आने को बेताब है। इसी कारण से पहले उसने नामांकन के लिए बेल मांगी और अब चुनाव प्रचार के लिए जमानत मांग रहा है। उसकी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ सुनवाई करेगी। पहले ये सुनवाई आज ही होनी थी लेकिन फिर इसे कल के लिए सूचीबद्ध किया गया। इस बीच जजों को मामले का विवरण दिया गया, जिसे सुन कर जस्टिस मित्तल ने कहा, आजकल तो लोग चुनाव जेल में बैठकर चुनाव लड़ लेते हैं। जेल में बैठकर चुनाव जीतना आसान हो गया है। जस्टिस मित्तल ने कहा कि हुसैन जैसे लोगों के तो चुनाव लड़ने पर ही रोक लगा दिया जाना चाहिए।

▶10 पर

एमएफ हुसैन की हिंदू देवी-देवताओं की विवादित पेंटिंग जब्त होगी

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए विवादित चित्रकार एमएफ हुसैन की उन विवादित पेंटिंग को जब्त करने का आदेश दिया है, जिनमें हिंदू देवी-देवताओं का अपमानजनक चित्रण किया गया था।

ये पेंटिंग दिल्ली आर्ट गैलरी में प्रदर्शित की जा रही थीं। कोर्ट ने जांच अधिकारी को 22 जनवरी 2025 को कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

आदेश में कहा गया है कि दिल्ली आर्ट गैलरी ने जांच अधिकारी को पेंटिंग्स की सूची सौंपी है, जिसमें विवादित पेंटिंग क्रमांक 6 और 10 पर दर्ज हैं। जांच रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि ये प्रदर्शनी एक निजी स्थान पर आयोजित की गई थी और इन पेंटिंग्स का उद्देश्य केवल कलाकारों के मूल कार्यों को प्रदर्शित करना था।

कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शिकायतकर्ता की अर्जी को मंजूरी दी और पेंटिंग जब्त करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई और कार्रवाई की रिपोर्ट 22 जनवरी 2025 को पेश की जाएगी।

द्वारका के 7 द्वीप अतिक्रमण मुक्त, 36 अवैध ढांचे तोड़े गए

द्वारका, 21 जनवरी (एजेंसियां)। देवभूमि द्वारका में विधर्मियों की तरफ से किए गए अवैध निर्माण कार्यों को हटाकर सरकार ने द्वारका के सभी सात द्वीप को अवैध निर्माण से मुक्त कर दिया है। देवभूमि द्वारका में द्वारका शहर और उसके सात छोटे द्वीप पर मस्जिद समेत अन्य अवैध निर्माण कर सरकारी जमीन पर कब्जा कर लिया गया था। यह सब अवैध निर्माण देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा समान बन गए थे। जिसके चलते पुलिस और स्थानीय तंत्र ने साथ मिलकर द्वारका में मेगा डिमॉलिशन ड्राइव शुरू किया था। एक सप्ताह से अधिक समय तक चले इस मेगा डिमॉलिशन ड्राइव के तहत द्वारका, बेट द्वारका और उसके आसपास के सात छोटे द्वीप पर किये गए मस्जिद समेत अन्य अवैध धार्मिक निर्माण को हटा दिया गया है।

द्वारका के आसपास के सात द्वीप पर विधर्मियों ने मस्जिद का निर्माण कर सरकारी जमीन पर कब्जा कर लिया था। इन सभी द्वीप जिसमें खारा चूषणा, मीठा चूषणा, आशाबा, धोरियो, धबढ़बो, सामयानी और भैदर समेत तमाम सात द्वीप पर से अवैध निर्माण को हटा दिया गया है। सात द्वीप समूह पर हुई बुलडोजर कार्रवाई के बारे में गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने जानकारी दी और बताया कि सात द्वीप समूह से 36 अवैध निर्माण कार्य हटा दिए गए हैं। यात्राधाम द्वारका द्वीप समूह से पहले डिमोलिशन किया गया।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

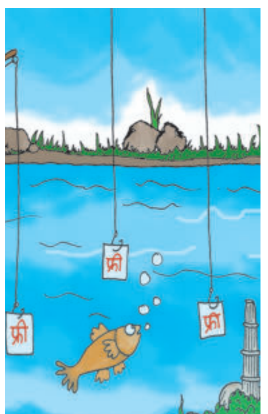

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^0

न्यूनतम : 16^0

सुप्रीम कोर्ट में खोली गई हलाल प्रमाणीकरण के धंधे की परतें

कमाल... सीमेंट, सरिया और बेसन, आटा तक हलाल!

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि हलाल सर्टिफिकेट का दायरा मांस से आगे बढ़ कर सरिया और सीमेंट जैसे घर बनाने के सामान तक पहुंच गया है। केंद्र सरकार ने बताया है कि हलाल सर्टिफिकेट देने के नाम पर कई एजेंसियों ने लाखों करोड़ों रुपए बनाए हैं। हलाल का धंधा पैसे कमाने के साथ-साथ मुसलमानों को इस्लामिक कट्टरता में धकेलने का जरिया भी बन रहा है।

केंद्र सरकार ने यह दलील सुप्रीम कोर्ट में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के खिलाफ दाखिल याचिकाओं के मामले में पेश की है। योगी सरकार ने 2023 में उत्तर प्रदेश में हलाल सर्टिफिकेट वाले उत्पादों की बिक्री पर रोक लगा दी थी। इसके खिलाफ कुछ संगठन सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में यूपी सरकार के फैसले के खिलाफ दाखिल याचिकाओं की सोमवार को सुनवाई की। इस दौरान केंद्र की तरफ से हलाल मामले में जवाब दाखिल करने के लिए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए। उन्होंने बताया कि सरिया और सीमेंट, यहां तक कि बेसन पर भी हलाल का प्रमाण पत्र लगा हुआ था। तुषार मेहता ने कहा, जहां तक हलाल मीट का सवाल है, किसी को इसमें कोई आपत्ति नहीं हो सकती। लेकिन अदालत को यह आश्चर्य होगा, जैसा कि कल मुझे हुआ, सीमेंट तक का भी हलाल-सर्टिफाइड होना जरूरी है। सरिया का भी हलाल-सर्टिफाइड होना जरूरी है। यहां तक कि पानी की भी हलाल-सर्टिफाइड होना जरूरी है।

मेहता ने कहा कि बेसन और आटा तक का हलाल सर्टिफाइड होना जरूरी किया गया था। उन्होंने प्रश्न उठाया कि इसकी क्या जरूरत है। इस हलाल सर्टिफिकेट के धंधे में कई एजेंसियों ने लाखों करोड़ रुपए बना लिए हैं। मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि हलाल के चलते कई उत्पाद महंगे दामों पर बिक रहे हैं क्योंकि हलाल का ठप्पा लगाने के लिए फीस देनी पड़ती है। उन्होंने प्रश्न उठाया कि जो गैर मुस्लिम लोग हलाल नहीं खाना चाहते, उनके लिए महंगे उत्पाद लेने की मजबूरी क्यों हो? सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई अब मार्च तक के लिए टाल दी है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र द्वारा इस मामले में दाखिल जवाब की कॉपी भी हलाल को बचाने के लिए पहुंचे संगठनों को देने को कहा है। इस मामले में कोर्ट ने इन एजेंसियों पर एक्शन को लेकर पहले ही रोक लगा दी थी।

▶10 पर

कट्टरता में धकेलने का जरिया भी बन रहा हलाल का धंधा

महाकुंभ के मशहूर आईआईटी बाबा ने कहा

नूपुर शर्मा को बनाओ दिल्ली का मुख्यमंत्री

प्रयागराज, 21 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज महाकुंभ से देशभर में चर्चित हुए आईआईटी बाबा बाबा अभय सिंह ने कहा कि भाजपा को दिल्ली विधानसभा चुनाव में नूपुर शर्मा को मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट करना चाहिए। बाबा ने नूपुर शर्मा की तारीफ की और कहा कि यह समय की मांग है कि नूपुर शर्मा जैसी नेता को दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में सामने प्रोजेक्ट किया जाए। बाबा अभय सिंह कहते हैं, मुझे दिल्ली में यही लग रहा है कि नूपुर शर्मा को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। यह दिल्ली के लिए बहुत अच्छी बात होगी। एक तो दिल्ली की मुख्यमंत्री नारी बनेगी और दूसरे वह भी शक्ति

▶10 पर

न्यूज ब्रीफ

कराची विश्वविद्यालय ने स्टूडेंट्स के लिए ड्रेस कोड लागू किया

कराची। कराची विश्वविद्यालय ने स्टूडेंट्स के लिए नया ड्रेस कोड लागू किया है। विश्वविद्यालयों के दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि कैंपस में सम्मानजनक और विनम्र उपस्थिति के महत्व का ध्यान रखा जाए। कराची विश्वविद्यालय पाकिस्तान के सबसे बड़े विश्वविद्यालयों में से एक है। यहां 45,000 से अधिक विद्यार्थी नामांकित हैं। जियो न्यूज के अनुसार, स्टूडेंट्स ड्रेस कोड की अधिसूचना विश्वविद्यालय के अधिकारी डॉ. नोशीन रजा ने 14 जनवरी को जारी की। इसमें विद्यार्थियों को शालीन लिबास पहनने के लिए आगाह किया गया है। ऐसे परिधानों को पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, जिन पर नजर पड़ने से जिनसे ध्यान भटके। मसलन स्टूडेंड्स के पारदर्शी, शॉर्ट्स, स्लीवलेस या टाइट-फिटिंग कपड़े पहनने पर रोक लगा दी गई। डॉ. नोशीन रजा ने कहा कि विश्वविद्यालय में नया शैक्षणिक वर्ष शुरू हो गया है। नए छात्रों को विश्वविद्यालय के ड्रेस कोड के बारे में जागरूक करने के लिए यह अधिसूचना जारी की गई है।

ताइवान में भूकंप का कहरः 6.4 तीव्रता से धरती कांपी, 27 घायल, अलर्ट

ताइपे। ताइवान में मंगलवार देर रात आए 6.4 तीव्रता के भूकंप ने बड़े पैमाने पर दहशत फैला दी। भूकंप के कारण 27 लोग घायल हो गए हैं, और एक इमारत के जमींदोज होने से कई लोग मलबे में फंस गए। भूकंप आने के बाद कहा गया है कि ताइवान की 2.34 करोड़ की आबादी पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। दरअसल अधिकारियों ने सुनामी का अलर्ट जारी कर समुद्र किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। ताइवान में भूकंप मंगलवार रात 12ः17 बजे आया, जबकि अधिकांश लोग गहरी नींद में थे। भूकंप का केंद्र ताइवान के युजिंग से 12 किलोमीटर उत्तर में बताया गया है। ताइनान के नानक्सी जिले में एक इमारत पूरी तरह जमीदोज हो गई, जिसमें कई लोग फंस गए। ताइवान के स्टेट हाईवे पर बना झूवेई पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया। राजधानी ताइपे समेत देश के अन्य हिस्सों में भी झटके महसूस किए गए। ताइवान के फायर डिपार्टमेंट ने तेजी से राहत कार्य शुरू कर दिया है। भूकंप के कारण 27 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं जमीदोज इमारत में फंसे लोगों को बाहर निकालने के प्रयास जारी हैं। मलवा हटाने का काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। ताइवान में भूकंप के समय भारत के लेह क्षेत्र में भी 4.5 तीव्रता के झटके महसूस किए गए। हालांकि, यहां कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। वहीं तिब्बत में रात 12 बजे से सुबह 11 बजे तक पांच बार भूकंप के झटके आए, जिनकी तीव्रता 5 तक मापी गई है।

ट्रंप सरकार का बदलाव :अब विवेक रामास्वामी को मिलेगी नई जिम्मेदारी

वाशिंगटन। ट्रंप-वैन्स ट्रांजिशन की प्रवक्ता एना केली ने कहा, विवेक रामास्वामी ने डीओजीई की स्थापना में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि गवर्नर चुनाव में उतरने की इच्छा के चलते विवेक ने इस कमेटी से अलग होने का फैसला किया है। केली ने कहा, उनकी योजना जल्द ही चुनाव लड़ने की है, जिसके कारण उन्हें डीओजीई से बाहर रहना होगा। हम उनके योगदान के लिए दिल से धन्यवाद देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वे अमेरिका को महान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

ट्रंप ने 6 जनवरी के कैपिटल दंगों में शामिल 1500 लोगों माफी दी

वाशिंगटन, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोमवार को शपथ लेने के बाद सबसे पहले अपने ओवल ऑफिस पहुंचे। उन्होंने कठोर रुख अपनाते हुए पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन के 78 फैसलों को रद कर दिया। कई कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ऐतिहासिक पेरिस जलवायु समझौते से बाहर होगा। डोनाल्ड ट्रंप ने इस दौरान 6 जनवरी के कैपिटल दंगों में शामिल सभी लोगों को माफी दी।

ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकॉस्टिंग कारपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने 6 जनवरी के कैपिटल दंगों में शामिल सभी लोगों को माफ कर दिया है। उन्होंने जेल अधिकारियों को दंगों से संबंधित सभी कैदियों को तुरंत रिहा करने का आदेश दिया। राष्ट्रपति के रूप में ओवल कार्यालय दोबारा लौटते ही ट्रंप ने सबसे पहला कार्य विद्रोह में शामिल लगभग 1,500 लोगों को क्षमा करने के आदेश पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने 14 अन्य लोगों की सजा की अवधि भी कम कर दी। साथ ही इन लोगों को भी तत्काल रिहा करने का आदेश दिया। रिहा होने वालों में धुर दक्षिणपंथी प्राउड बॉयज और ओथ कीपर्स समूहों के नेता और सदस्य शामिल हैं।

सीबीएस न्यूज की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड टंप ने ऐतिहासिक पेरिस जलवायु समझौते से संयुक्त राज्य अमेरिका को निकालने की घोषणा की। खबर में कहा गया है कि इससे ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के दुनिया भर के प्रयासों को झटका लगना तय है। ट्रंप ने देश की बागडोर संभालने के बाद घोषणा की कि अमेरिका पेरिस समझौते को छोड़ देगा। उन्होंने कहा कि पेरिस जलवायु समझौते पर अमेरिका को शामिल करने का फैसला अनुचित था। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को अपने फैसले से अवगत कराते हुए एक पत्र पर भी हस्ताक्षर किए।

हमारी प्राथमिकता देश को गौरवान्वित समृद्ध और स्वतंत्र बनाना

अपने भाषण के शुरुआत में ट्रंप ने कहा, अमेरिका का स्वर्ण युग अब शुरू हुआ है। अमेरिका फर्स्ट की नीति के साथ वो फिर से देश को आगे लेकर जाएंगे। हम अपनी संप्रभुता बनाए रखेंगे। दुनिया हमारा इस्तेमाल नहीं कर सकेगी। अमेरिका में अब घुसपैठ नहीं होगा। उन्होंने कहा, हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता एक ऐसा राष्ट्र बनाना होगा जो गौरवान्वित, समृद्ध और स्वतंत्र हो।

ट्रंप ने 11 देशों में मचाई खलबली

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति पद की कुर्सी पर बैठते ही डोनाल्ड ट्रंप का एक्शन शुरू हो गया है। ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को खुलेआम धमकी दे दी है। उन्होंने कहा कि स्पेन समेत ब्रिक्स देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है। ब्रिक्स में दस देश शामिल हैं। ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात। स्पेन ब्रिक्स का हिस्सा नहीं है। बावजूद वह भी ट्रंप के रडार में है। हालांकि, दिसंबर में ही डोनाल्ड ट्रंप ने इसका इशारा कर दिया था कि वह ब्रिक्स देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाएंगे। हालांकि, उन्होंने इसके लिए एक शर्त रखी थी। सोमवार को जब डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ ली, तब उन्होंने अपनी पुरानी धमकी को दोहरा दिया। उन्होंने साफ-साफ शब्दों में ब्रिक्स देशों को धमकी दे दी। भारत और अमेरिका के बीच कारोबार काफी अधिक होता है। आंकड़ों की मानें तो अभी भारत और अमेरिका के बीच सबसे अधिक व्यापार हो रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय कारोबार 2023-24 में 118 l3 अरब डॉलर रहा। वहीं साल 2021-22 और 2022-23 के दौरान भारत का शीर्ष व्यापारिक भागीदार अमेरिका ही था। मगर वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साथी बदल गया। अमेरिका की जगह चीन ने ले ली। चीन 118.4 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनकर उभरा है। हालांकि, अब भी भारत का चीन के बाद अमेरिका ही सबसे बड़ा कारोबारी साथी है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर ब्रिक्स देश अमेरिका विरोधी नीतियां लाते हैं तो उन्हें अंजाम भुगतने को तैयार रहना होगा। वे फिर कभी खुश नहीं रह पाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने दिसंबर महीने में भी कहा था कि अगर ब्रिक्स देशों ने अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने की कोशिश में नई करेंसी लाई तो अमेरिका उन पर 100 फीसदी का टैरिफ लगाएगा। ट्रंप ने कहा था, अगर ब्रिक्स देश ब्रिक्स करेंसी बनाते हैं या डॉलर के मुकाबले दूसरी करेंसी का समर्थन करते हैं तो 100 फीसदी टैरिफ देना होगा और अमेरिका में अपने सामान को बेचने से अलविदा कहना होगा। कोई चांस नहीं कि ब्रिक्स अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की जगह ले। डोनाल्ड ट्रंप की इस धमकी का मतलब है कि भारत भी इसके लपेटे में आएगा। भारत ब्रिक्स का अहम सदस्य है। ट्रंप का बयान इसलिए भी अहम है, क्योंकि कुछ समय पहले यह खबर आई थी कि ब्रिक्स देश अपनी नई करेंसी पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, उस पर अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं है। अगर ट्रंप की धमकी सही साबित होती है तो ब्रिक्स देशों के लिए बड़ी मुसीबत होगी। ऐसे में भारत के लिए भी अमेरिका से आयात-निर्यात करना बहुत कठिन हो जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने शपथ ग्रहण के बाद पहला बड़ा फैसला लेते हुए देश के दक्षिणी सीमा पर नेशनल इमरजेंसी की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि मेक्सिको बॉर्डर पर दीवार बनाई जाएगी। संगठित अपराध के खिलाफ आज से ही काम शुरू होगा। उन्होंने कहा कि घुसपैठ रोकने के लिए जरूरत पड़ी तो वहां सेना को भी भेजा जाएगा। ट्रंप ने कहा कि अवैध प्रवासियों को वहीं छोड़कर आएंगे जहां से वो आए हैं।

अपनी सरकार की प्राथमिकता को बताते हुए ट्रंप ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता घुसपैठ को रोकना है ताकि देश की जनता सुरक्षित महसूस करे। दूसरी प्राथमिकता महंगाई पर रोक लगाना है ताकि लोगों को जरूरी सामानों के लिए अतिरिक्त बोझ न पड़े।

फिलाडेल्फिया कॉरिडोर पर कब्जा चाहता है इजराइल, समझौते के तहत हटना होगा

तेल अवीव, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

इजराइल-हमास के बीच युद्ध विराम शुरू हो गया है। पिछले 15 महीनों से चल रही लड़ाई यह एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। कतर, मिस्र और अमेरिका के प्रयासों से यह समझौता सफल हुआ है। इसके तहत कई चरणों में हमास की ओर से बंधकों की रिहाई होगी। वहीं इजराइल भी जेलों में बंद फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। पहले चरण में हमास की ओर से 33 बंधकों को छोड़ा जाएगा। इसके अलावा राहत सामग्री वाले 600 ट्रक और 50 ईंधन टैंकर हर रोज गाजा जाएंगे, लेकिन युद्धविराम की शर्तों में फिलाडेल्फिया कॉरिडोर से वापसी भी शामिल है। यह ऐसी जगह है, जिसे नेतन्याहू नहीं छोड़ना चाहते।

फिलाडेल्फिया कॉरिडोर राफा क्रॉसिंग समेत मिस्र और गाजा की सीमा के बीच 14 किमी लंबी और 100 मीटर चौड़ी पट्टी है। 2005 में गाजा से इजराइली सैनिकों की वापसी के बाद एक विसैन्यीकृत सीमा के रूप में नामित किया था। यह भूमध्य सागर तक जाती है। मिस्र के साथ इजराइल की 1979 कैंप डेविड संधि ने गलियारे में सीमित संख्या में सैनिकों को तैनात करने की इजाजत दी थी। इजराइल के बाद यह फिलिस्तीनी प्राधिकरण की जिम्मेदारी थी 2007 में हमास की ओर से गाजा पर नियंत्रण करने तक मिस्र ने यहां 750 पुलिसकर्मी तैनात कर रखे थे ताकि तस्करी को रोका जा सके। मई में इजराइल ने पिछले साल इस कॉरिडोर पर कब्जा कर लिया था।

1979 कैंप डेविड संधि ने गलियारे में सीमित सैनिक तैनाती की इजाजत दी थी

पहले जब भी युद्धविराम की चर्चा में फिलाडेल्फिया कॉरिडोर से हटने की बात आती तो इजराइल नहीं मानता था, लेकिन अब के समझौते में इजराइली रक्षा बल चरणबद्ध तरीके से नेटजारिम कॉरिडोर और फिलाडेल्फिया कॉरिडोर से वापसी करेगी। इन क्षेत्रों में आईडीएफ की मौजूदगी धीरे-धीरे कम होगी। 50वें दिन फिलाडेल्फिया कॉरिडोर से इजराइली सेना पूरी हट जाएगी। इसके बाद मिस्र राफा क्रॉसिंग की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेगा। फिलाडेल्फिया कॉरिडोर कब्जाने का प्लान पहले से ही नेतन्याहू के दिमाग में था। पिछले साल जनवरी में ही उन्होंने गाजा-मिस्र सीमा को कंट्रोल करने का इरादा जताया था।

गाजा की सीमा दो तरफ से इजराइल से घिरी है। वहीं एक तरह भूमध्य सागर है। मिस्र के साथ गाजा की सीमा हमास के लिए किसी लाइफलाइन से कम नहीं है। गाजा में घातक हथियारों की तस्करी हमास इसी रास्ते करता रहा है। यहां पर इजराइल कब्जा करना चाहता है।

बांग्लादेश के सुंदरबन में एक साथ दिखे 3 बाघ

ढाका, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के सुंदरबन के कोटका वन्यजीव अभयारण्य में पर्यटकों ने एक साथ तीन बाघों को देखा। इस दौरान दो बाघों ने तीसरे पर हमला कर उसे नदी में धकेल दिया। पर्यटकों ने अभयारण्य के बेटमोर क्षेत्र के इस वाकये को रविवार दोपहर कैमरे में कैद कर लिया।

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, गाइड एमडी अल अमीन ने बताया कि पर्यटकों ने सुंदरबन से लौटते समय इन बाघों (दो नर और एक मादा) को देखा। दो बाघ कोटका कार्यालय क्षेत्र से आए थे और एक बाघ उनके साथ शामिल होने के लिए बेटमोर नदी पार कर गया था। बेटमोर क्षेत्र से आए बाघ पर अन्य दो बाघों ने हमला किया और उसे नदी में धकेल दिया।

कोटका वन्यजीव अभयारण्य केंद्र के अधिकारी एमडी सोहैबुर रहमान सुमन ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि 15 जनवरी को कोटका वन गश्ती दल के सदस्यों ने कोटका-कोचिखली सीमा के बादामतला क्षेत्र में चार बाघों को देखा था। उनमें से दो वयस्क और दो शावक थे। पिछले साल फरवरी में चंदेश्वर वन कार्यालय के पास तीन बाघ एक साथ देखे गए थे।

वन विभाग के अनुसार, सुंदरबन का बांग्लादेशी हिस्सा 6,017 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है। इसमें 4,832 वर्ग किलोमीटर जंगल और 1,185 वर्ग किलोमीटर आर्द्रभूमि है। 2015 की गणना में सुंदरबन में 106 बाघ दर्ज किए गए थे। 2018 में यह संख्या बढ़कर 114 हो गई। 2024 में गणना में इनकी संख्या बढ़कर 125 पहुंच गई। अधिकारियों के अनुसार, सुंदरबन के चार रेंजों में से शरणखोला में बाघों की संख्या सबसे अधिक है।

तुर्की के होटल में भीषण आग, 10 की मौत, 32 घायल

अंकारा, 21 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर-पश्चिमी तुर्की के एक स्की रिसॉर्ट होटल में मंगलवार की सुबह आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य घायल हो गए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तुर्की के गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 3:27 बजे (0027 जीएमटी) कार्तलकाया के पहाड़ की चोटी पर स्थित रिसॉर्ट में 12 मंजिला ग्रैंड कार्टल होटल के रेस्तरां में आग लग गई।

बताया जा रहा है कि कम से कम दो पीड़ितों की मौत घबराहट में इमारत से कूदने की वजह से हुई। स्थानीय मीडिया ने यह भी बताया कि गेस्ट चादरों और कंबलों का इस्तेमाल करके अपने कमरों से नीचे उतरने की कोशिश कर रहे थे।

वायरल फुटेज में होटल की छत और ऊपरी मंजिलों में आग लगी हुई दिखाई दे रही थी, जिससे आसमान में धुएं का गुबार उठ रहा था और बैकग्राउंड में बर्फ से ढका एक पहाड़ दिखाई दे रहा था।स्कूल की छुट्टियों की वजह से होटल 80-90त्न तक भरा हुआ था, जिसमें 230 से ज्यादा मेहमान चेक इन कर चुके थे।होटल में स्की इंस्ट्रक्टर नेकमी केपसेटुटन ने मीडिया को बताया कि उन्होंने इमारत से लगभग 20 लोगों को निकालने में मदद की थी, लेकिन धुएं के कारण आग से बचने के लिए रास्ते ढूंढना मुश्किल था। उन्होंने कहा, मैं अपने कुछ स्टूडेंट्स तक नहीं पहुंच पाया, मुझे उम्मीद है कि वे ठीक होंगे।

बताया जा रहा है कि 161 कमरों वाले होटल के डिजाइन, जिसमें लकड़ी के शैलेट-शैली के आवरण हैं, की वजह से आग तेजी से फैली होगी।

अधिकारियों ने कहा कि 30 दमकल गाडि़यां और 28 एंबुलेंस घटनास्थल पर भेजी गईं, लेकिन होटल एक चट्टान पर स्थित था। इस वजह से आग पर काबू पाने के लिए दमकलकर्मियों के प्रयासों में काफी बाधा आई।

एहतियात के तौर पर आस-पास के अन्य होटलों को खाली करा लिया गया, और मेहमानों को अन्य जगहों पर भेज दिया गया।कार्तलकाया कोरोग्लू पहाड़ों में एक लोकप्रिय स्की रिसॉर्ट है, जो इस्तांबुल से लगभग 300 किलोमीटर (185 मील) पूर्व और राजधानी अंकारा से 170 किलोमीटर (100 मील) उत्तर-पश्चिम में स्थित है।तुर्की के न्याय मंत्री यिलमाज़ टुनक ने घटना की जांच के लिए छह अभियोजकों को नियुक्त किया है।

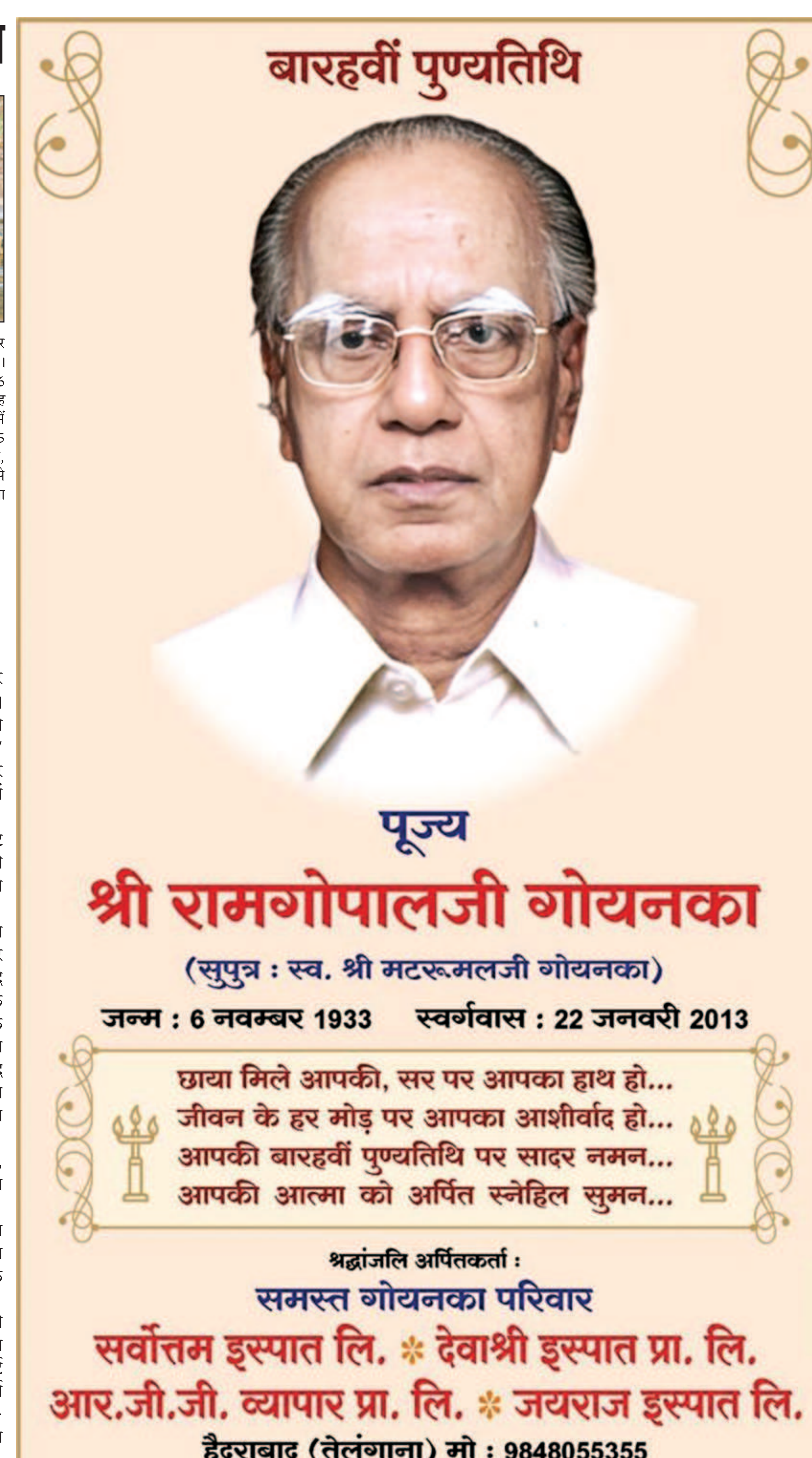

राष्ट्र प्रथम
बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे
Best Wishes
BS
Basai Steels And Power (P) Ltd.
MANUFACTURERS OF
BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm
SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS
A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037
Cell: 9848030471,7799555555
gopalagarwal@basaisteels.com
Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138
www.basaisteels.com

बेटे को हीरो बनाने के लिए राकेश रोशन ने गिरवी रख दी थी घर और कारें

अपनी डेब्यू फिल्म से ही वर्ल्ड वाइड फेमस हो गए थे ऋतिक रोशन

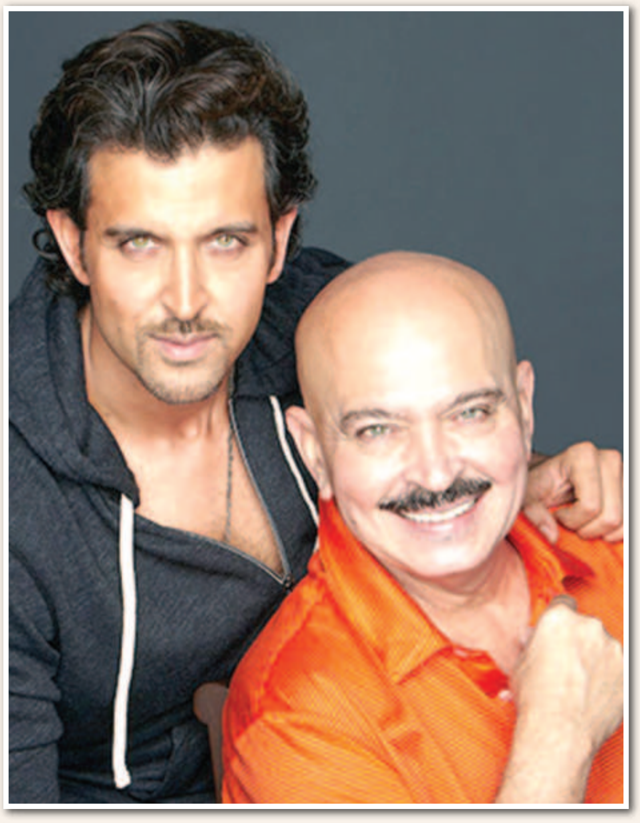

आज से 25 साल पहले बॉलीवुड डेब्यू कर इस एक्टर ने सिनेमा की दुनिया हिला डाली थी। इंडियन फिल्म इंडस्ट्री का यह इकलौता ऐसा एक्टर है, जो अपनी डेब्यू फिल्म से ही वर्ल्ड वाइड फेमस हो गया था। इस एक्टर को इसके डायरेक्टर पिता ने सब कुछ गिरवी रखकर बॉलीवुड में लॉन्च किया था। वहीं, इस एक्टर के फिल्म करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्म इसकी डेब्यू फिल्म ही है, हालांकि इसके बाद इसने कई ब्लॉकबस्टर फिल्में भी दी हैं। इस डायरेक्टर ने साल 2000 में अपने बेटे पर अपनी पूरी जिंदगी की कमाई लगाकर जोखिम भरा कदम उठाया था, लेकिन इस एक्टर ने आज तक अपने पिता का नाम नीचे नहीं गिरने दिया। इस बात का खुलासा आज 25 साल बाद हुआ है।

हम बात कर रहे हैं, साल 2000 की मेगा-ब्लॉकबस्टर फिल्म कहो ना प्यार है के डायरेक्टर और ऋतिक रोशन के पिता राकेश रोशन की। कहो ना प्यार है को राकेश रोशन ने डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया था। इस फिल्म से ना सिर्फ ऋतिक रोशन बल्कि अमीषा पटेल ने भी डेब्यू किया था। दरअसल, हाल ही में नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री 'द रोशन्स' रिलीज हुई है, जिसमें राकेश रोशन की फैमिली की फिल्म जर्नी के बारे में बताया गया है। इसमें ऋतिक रोशन और फैमिली के कुछ लोगों ने खुलासा किया है कि उनका करियर बनाने के लिए उनके पिता ने सब कुछ दांव लगा दिया था।

ऋतिक ने बताया था, मेरे पापा लोगों को अंदर से प्यार करते हैं, उनका प्यार जताने का तरीका यही है, मैं नहीं मानता कि मेरे पिता को दुनिया से दया मिली, इसलिए वह खुद के लिए सख्त हुए, और लोग उन्हें गलत समझ बैठे। ऋतिक ने किसी बात पर पिता से नाराजगी जाहिर की। उनके पिता ने अपनी पत्नी से कहा कि वह ऋतिक के लिए सबकुछ कर रहे हैं और वह शिकायत कर रहे हैं। ऋतिक ने कहा, मेरी मां ने फिर मुझे उसी रात बताया कि मेरी फिल्म के लिए घर और कार गिरवी रख दिए हैं और फिर मैं अपने पिता की अहमियत को समझा।

वहीं, ऋतिक रोशन की डेब्यू फिल्म कहो ना प्यार है का मेकिंग बजट 10 करोड़ रुपये था और फिल्म ने उस वक्त 78 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड तोड़ बिजनेस किया था। इसके बाद ऋतिक ने फिल्म इंडस्ट्री में कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। पिता के साथ ऋतिक ने कोई मिल गया और कृष जैसी दो मेगा-ब्लॉबस्टर फिल्में भी दी हैं।

विक्की कौशल की छावा का नया पोस्टर रिलीज

छावा के मेकर्स ने फिल्म का एक पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। विक्की कौशल अभिनीत इस फिल्म के ट्रेलर की तारीख भी मेकर्स ने साझा की का नया पोस्टर एक खास वजह से रिलीज किया गया है। साथ ही क्या है ट्रेलर की तारीख? फिल्म छावा का पोस्टर इसलिए रिलीज किया गया है क्योंकि 344 साल पहले इस दिन उनका राज्याभिषेक हुआ और एक महान विरासत का आरंभ हुआ। छत्रपति संभाजी महाराज की इसी गौरव गाथा फिल्म छावा में दिखाया जाएगा। उनके अदम्य साहस की कहानी को सिनेमा के पर्दे पर लाया जाएगा।मैडॉक फिल्म्स ने फिल्म छावा को प्रोड्यूस किया है। इसके डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर हैं। फिल्म का ट्रेलर 22 जनवरी को रिलीज होगा। हाल ही में फिल्म का जो पोस्टर सोशल मीडिया पर रिलीज गया, उसके कैप्शन में इस बात का जिक्र है। फिल्म छावा के पोस्टर में विक्की कौशल सिंहासन पर बैठे हुए नजर आए रहे हैं। वह मराठा साम्राज्य के इतिहास और गौरव को सिनेमा के पर्दे पर लाने के लिए तैयार नजर आते हैं। इस फिल्म को लेकर विक्की कौशल उत्साहित हैं, उन्होंने संभाजी महाराज की भूमिका को निभाने के लिए काफी मेहनत की है।फिल्म छावा में विक्की कौशल के अलावा कई और कलाकार भी हैं। इस फिल्म में रश्मिका मंदान भी नजर आएंगी।

ऑफ शोल्डर ड्रेस में अवनीत कौर ने दिखाई दिलकश अदाएं

अवनीत कौर ने छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत कर फैंस के बीच अच्छी-खासी पॉपुलैरिटी हासिल की है। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ही सिजलिंग अंदाज में फोटोशूट करवाया है। उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद मिनटों में वायरल होने लगती हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉट एंड सेक्सी अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।अवनीत कौर की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने व्हाइट कलर का ऑफ आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।खुले बाल को कर्ली लुक में स्टाइल कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।अवनीत कौर की इन तस्वीरों शेयर हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 2 लाख 70 हजार से ज्यादा यूजर्स ने फोटोज पर लाइक कर दिए हैं।एक यूजर ने एक्ट्रेस अवनीत कौर की इन फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- सो स्वीट एंड लवली। दूसरे यूजर ने लिखा है- गॉर्जियस लुक। यूजर ने लिखा है- टू मच हॉट।

कन्नप्पा से अक्षय कुमार का लुक आउट

हाथ में त्रिशूल-माथे पर भस्म-नीलकंठ महादेव के रुद्र अवतार में नजर आए खिलाड़ी

साउथ फिल्म कन्नप्पा का एलान पिछले साल हुआ था। फिल्म से लगातार हर एक अभिनेता का लुक सामने आ चुका है। विष्णु मांचू से लेकर माता पार्वती के किरदार में काजल अग्रवाल का लुक भी सामने आ चुका है। वहीं आज कुछ ही देर पहले अक्षय कुमार का महादेव के रुद्र अवतार में लुक जारी किया गया है। इस लुक के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है।इन दिनों अक्षय कुमार अपनी आगामी फिल्म स्काई फोर्स को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच आज फिल्म निर्माताओं ने साउथ फिल्म कन्नप्पा से अक्षय कुमार के लुक का एक पोस्टर जारी किया है, जिससे साफ हो गया है कि अक्षय कुमार फिल्म में महादेव की भूमिका में नजर आएंगे।कन्नप्पा मूवी से अक्षय कुमार का फुल लुक सामने आ चुका है। वह कन्नप्पा में महादेव की भूमिका में नजर आएंगे। पोस्टर में खिलाड़ी कुमार एक हाथ में त्रिशूल और एक हाथ में डमरू लिए हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही उनके माथे पर भस्म लगी हुई है। भगवान शिव के अवतार में उन्हें एक बार फिर से देखकर उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं। इस फिल्म से पहले अक्षय फिल्म ओ माय गॉड में भगवान शिव की भूमिका निभा चुके हैं।अक्षय कुमार ने कन्नप्पा से अपना लुक शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, कन्नप्पा के लिए महादेव की पवित्र आभा में कदम रखते हुए। इस महाकाव्य कथा को जीवंत करने का गौरव प्राप्त हुआ है। भगवान शिव इस दिव्य सफर में हमारा मार्गदर्शन करें। ओम नम: शिवाय।मोहन बाबू निर्मित कन्नप्पा में लीड रोल में विष्णु मांचू निभा रहे हैं। भगवान शिव पर आधारित पौराणिक फिल्म में प्रभास, अक्षय कुमार, मोहनलाल, सरथकुमार, मधु, मोहन बाबू, काजल अग्रवाल और ब्रह्मनंदन जैसे सितारे अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वीट ड्रीम्स में महात्वाकांक्षी है मेरा किरदार : मिथिला पालकर

अपकमिंग फिल्म स्वीट ड्रीम्स का ट्रेलर आउट हो चुका है। रिलीज को लेकर उत्साहित अभिनेत्री मिथिला पालकर ने अपने किरदार दीया के बारे में प्रशंसकों को बताया कि वह महत्वाकांक्षी है और सामान्य जीवन से कुछ अधिक पाने की चाह रखती है।विक्टर मुखर्जी के निर्देशन में तैयार स्वीट ड्रीम्स सपनों की दुनिया से जुड़े दो अजनबियों की कहानी है।फिल्म के बारे में बात करते हुए मिथिला पालकर ने कहा, दीया की कहानी ऐसी है जिसे कई लोग आसानी से खुद के साथ जोड़ पाएंगे। वह थोड़ा उलझनों में रहती है और महत्वाकांक्षी है। वह कुछ पाने की चाह रखती है। केनी के साथ उसके सपने केवल रोमांस की वजह से नहीं जुड़े हैं।उन्होंने कहा, मेरे लिए इस फिल्म की शूटिंग एक भावनात्मक सफर की तरह थी और मुझे उम्मीद है कि ट्रेलर दर्शकों को उस जादू की झलक देगा जिसे हमने बनाने की कोशिश की है। विक्टर सर की दूरदर्शिता और अमोल जैसे शानदार सह-कलाकार के बिना यह संभव नहीं हो सकता था। डिज्नी प्लस हॉटस्टार जैसे प्लेटफॉर्म के साथ हमें उम्मीद है कि हम अपनी फिल्म की मदद से काफी आगे बढ़ने में सफल होंगे।फिल्म में अमोल पाराशर, मेयांग चांग और सौरसेनी मैत्रा भी अहम रोल में हैं। मुकुंद सूर्यवंशी, शुभम शिरुले, देव अरिजीत और आकाशदीप सेनगुप्ता की प्रतिभाशाली टीम द्वारा तैयार फिल्म का साउंडट्रैक, मनमौजी और आनंद से भरा है।अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अमोल पाराशर ने कहा, केनी एक ऐसा किरदार है जो अपने अतीत और मार्मिक संबंध की संभावना के बीच फंसा हुआ है। इस किरदार को निभाना गहरा और संतोषजनक अनुभव था। ट्रेलर दिखाता है कि कैसे स्वीट ड्रीम्स वास्तविकता को काल्पनिकता के साथ खूबसूरती से जोड़ता है। मुझे खुशी है कि मुझे ऐसा किरदार निभाने का मौका मिला, जहां मैं व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन के साथ समानताएं खींच सकता था और एक प्रतिभाशाली सह-कलाकार मिथिला पालकर के साथ ऐसा कर रहा हूं।निर्देशक विक्टर मुखर्जी ने कहा, स्वीट ड्रीम्स सिर्फ एक प्रेम कहानी से कहीं बढ़कर है। यह शानदार यात्रा है, जो असाधारण संभावनाओं को तलाशती है, जबकि अक्सर वर्तमान की सुंदरता को अनदेखा कर देती है। फिल्म के जरिए मैं दर्शकों को फिल्म के शानदार, लेकिन जमीनी लहजे का स्वाद चखाना चाहता था। मैं इस बात से रोमांचित हूं कि मिथिला और अमोल ने केनी और दीया के किरदार को शानदार अंदाज में निभाया है। उम्मीद करता हूं कि दर्शक इसका आनंद लेंगे। स्वीट ड्रीम्स 24 जनवरी को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

भगवान श्रीराम के आदर्शों का प्रकाश है

रामायण

जिसमें धर्म, सत्य और कर्तव्य की गहरी सीख मिलती है

रामायण एक महाकाव्य है जो भारत में पीढ़ियों से चला आ रहा है और इसे दुनिया के सबसे महान महाकाव्यों में से एक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसे ऋषि वाल्मीकि ने संस्कृत में लिखा था और इसे जीवन के लिए आध्यात्मिक और नैतिक मार्गदर्शक माना जाता है। महाकाव्य भगवान राम, उनकी पत्नी सीता और राक्षस राजा रावण के खिलाफ उनकी लड़ाई की कहानी कहता है। कहानी जीवन के पाठों से भरी है और हमें धार्मिकता, भक्ति और विनम्रता का जीवन जीने का तरीका सिखाती है। इस ब्लॉग में, हम रामायण से कुछ सीखों का पता लगाएंगे जिन्हें हमारे दैनिक जीवन में लागू किया जा सकता है।

धर्म का महत्व

धर्म हिंदू धर्म में एक मौलिक अवधारणा है, और यह उन नैतिक और नैतिक सिद्धांतों को संदर्भित करता है जो हमारे जीवन को नियंत्रित करते हैं। रामायण में, भगवान राम धर्म के अवतार हैं। उन्हें एक ऐसे राजकुमार के रूप में दिखाया गया है जो अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को बड़ी व्यक्तिगत कीमत पर भी पूरा करता है। जब उनके पिता, राजा दशरथ ने उन्हें 14 साल के वनवास में जाने के लिए कहा, तो राम ने स्वेच्छा से अपने पिता की आज्ञा का पालन किया, भले ही वह सिंहासन के असली उत्तराधिकारी हों। यह हमें अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने और सही काम करने के महत्व को दिखाता है, भले ही यह मुश्किल हो।

रिश्तों का महत्व

रामायण हमें रिश्तों के महत्व और कैसे वे हमारे जीवन को आकार देते हैं, के बारे में सिखाती है। राम और सीता के बीच का संबंध भारतीय पौराणिक कथाओं में सबसे अधिक पूजनीय है। एक दूसरे के लिए उनका प्यार और समर्पण प्यार और बलिदान का प्रतीक माना जाता है। राम को आदर्श पति के रूप में दिखाया गया है जो अपनी पत्नी की रक्षा के लिए कुछ भी करेगा, और सीता को आदर्श पत्नी के रूप में दिखाया गया है जो अपने पति के सुख-दुख में साथ देगी। उनका रिश्ता हमें किसी भी रिश्ते में आपसी सम्मान, प्यार और समर्पण का महत्व सिखाता है।

विनम्रता का महत्व

रामायण में, भगवान राम को एक विनम्र और दयालु नेता के रूप में दिखाया गया है जो सभी के साथ सम्मान और दया का व्यवहार करता है। वह कभी भी अपनी शक्ति या स्थिति का प्रदर्शन नहीं करता है, और जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहता है। अपनी प्रजा और यहाँ तक कि अपने शत्रुओं के साथ भी बातचीत करने के तरीके में उसकी विनम्रता देखी जाती है। वह अपने गुरु वशिष्ठ के प्रति आदरपूर्ण है।

कर्तव्य का महत्व

रामायण के केंद्रीय विषयों में से एक कर्तव्य का महत्व है। भगवान राम कर्तव्य के प्रतीक हैं, और अपने कर्तव्यों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ही उन्हें एक श्रद्धेय व्यक्ति बनाती है। वह सिंहासन के लिए अपना सही दावा छोड़ देता है और अपनी सौतेली माँ के लिए अपने पिता के वादे को पूरा करने के लिए स्वेच्छा से निर्वासन में चला जाता है। इसी तरह, सीता एक पत्नी और रानी के रूप में अपने कर्तव्यों को अटूट भक्ति और निष्ठा के साथ पूरा करती हैं। यहां सबक यह है कि कर्तव्य हमेशा व्यक्तिगत इच्छाओं या महत्वाकांक्षाओं से पहले आना चाहिए। जब हम अपना कर्तव्य ईमानदारी और निस्वार्थ भाव से करते हैं, तो यह न केवल हमें शांति और संतुष्टि देता है बल्कि दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करता है।

प्रेम की ताकत

भगवान राम और सीता के बीच का प्रेम भारतीय पौराणिक कथाओं में सबसे प्रसिद्ध प्रेम कहानियों में से एक है। उनका प्यार न सिर्फ रोमांटिक होता है बल्कि भक्ति, सम्मान और विश्वास का भी प्रतीक होता है। राम के प्रति सीता का अटूट प्रेम और निष्ठा और सीता के प्रति राम की अटूट भक्ति उनके रिश्ते की पहचान है। प्रेम, जब यह शुद्ध और निःस्वार्थ होता है, तो इसमें सभी बाधाओं और विपत्तियों पर विजय प्राप्त करने की शक्ति होती है। यह केवल रोमांटिक प्रेम तक ही सीमित नहीं है बल्कि पारिवारिक प्रेम, अपने देश के लिए प्रेम और पूरी मानवता के लिए प्रेम तक भी फैला हुआ है।

क्षमा की शक्ति

रामायण हमें क्षमा की शक्ति सिखाती है। जब रावण द्वारा सीता का अपहरण कर लिया जाता है, तो राम अपने भाई लक्ष्मण को सीता को अकेला छोड़ने के लिए क्षमा कर देते हैं और उसे बचाने के लिए जाते हैं। इसी तरह, जब रावण मारा जाता है, तो राम उसे उसके कुकर्मों के लिए क्षमा कर देते हैं और सम्मान और सम्मान के साथ उसका अंतिम संस्कार करते हैं। क्षमा करना दुर्बलता की निशानी नहीं बल्कि शक्ति की निशानी है। यह हमें अपने क्रोध और आक्रोश को दूर करने और अपने जीवन के साथ आगे बढ़ने की अनुमति देता है। जब हम दूसरों को क्षमा करते हैं, तो हम न केवल स्वयं को नकारात्मक भावनाओं से मुक्त करते हैं बल्कि अपने चारों ओर एक सकारात्मक वातावरण भी निर्मित करते हैं।

सम्मान का महत्व

सम्मान भारतीय संस्कृति में एक मौलिक मूल्य है, और रामायण इस मूल्य को पुष्ट करता है। भगवान राम हमेशा अपने बड़ों, शिक्षकों और यहां तक कि अपने दुश्मनों का भी सम्मान करते हैं। वह सभी के साथ सम्मान और करुणा के साथ व्यवहार करता है, चाहे उनकी सामाजिक स्थिति या पृष्ठभूमि कुछ भी हो। इसी तरह सीता को रानी, पत्नी और मां के रूप में सम्मान दिया जाता है। यहां सीख यह है कि सम्मान हमारे जीवन का अभिन्न अंग होना चाहिए। जब हम दूसरों के प्रति सम्मान दिखाते हैं, तो हम विश्वास और सद्भाव का वातावरण बनाते हैं।

लालच के परिणाम

रामायण हमें लालच और स्वार्थ के परिणामों के बारे में भी सिखाती है। रावण, राक्षस राजा, जो सीता का अपहरण करता है, एक लालची और स्वार्थी शासक है जो जो चाहता है उसे पाने के लिए कुछ भी करने को तैयार है। शक्ति और धन की उसकी इच्छा अंततः उसके पतन की ओर ले जाती है, और उसके कार्यों का उसके आसपास के लोगों पर विनाशकारी प्रभाव पड़ता है।

वफादारी का महत्व

रामायण हमें वफादारी का महत्व भी सिखाती है। भगवान राम की सेना वफादार मित्रों और सहयोगियों से बनी है जो उनके लिए लड़ने और यहां तक कि मरने के लिए तैयार हैं। हनुमान, हमारे देवताओं में से एक, भगवान राम के सबसे वफादार सहयोगियों में से एक हैं, और वह रावण से सीता को बचाने में भगवान राम की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह पाठ हमें सच्ची मित्रता के मूल्य और हमारे प्रति वफादार रहने के महत्व की याद दिलाता है। दोस्तों और प्रियजनों, मुश्किल समय में भी।

इसी तरह, राम की सौतेली माँ कैकेयी के चरित्र को लालच और ईर्ष्या से प्रेरित दिखाया गया है। वह अपने पति, राजा दशरथ को राम को निर्वासित करने और अपने बेटे को सिंहासन का उत्तराधिकारी बनाने के लिए राजी करती है, यह सब अपनी महत्वाकांक्षा के नाम पर। उसके कार्यों के दूरगामी परिणाम होते हैं और अंततः दशरथ की मृत्यु और राम के वनवास की ओर ले जाते हैं।

रामायण हमें लालच और स्वार्थ के खतरों से आगाह करती है और हमें दिखाती है कि इन गुणों के न केवल हमारे लिए बल्कि हमारे आसपास के लोगों के लिए भी गंभीर परिणाम हो सकते हैं। रामायण में संयम के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है। भगवान राम आत्म-नियंत्रण के प्रतीक हैं, क्योंकि वे कठिन चुनौतियों और प्रलोभनों के बावजूद भी अपने संयम को बनाए रखते हैं और अपने कर्तव्य पर केंद्रित रहते हैं।

रामायण की सबसे प्रसिद्ध घटनाओं में से एक स्वर्ण मृग की कहानी है। रावण, भगवान राम को सीता से दूर करने के लिए, एक सुंदर सुनहरे हिरण को जंगल में भेजता है। भगवान राम हिरण की सुंदरता से मुग्ध हो जाते हैं और उसके पीछे चले जाते हैं, सीता को अकेला छोड़कर रावण के हमले के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं। यह घटना आत्म-संयम के महत्व और हमारी इच्छाओं और आवेगों को देने के खतरों को दर्शाती है। स्वर्ण मृग के लिए अपनी इच्छा को नियंत्रित करने में भगवान राम की विफलता के कारण सीता का अपहरण हो जाता है और रावण के खिलाफ एक लंबी और कठिन लड़ाई शुरू हो जाती है।

स्वर्ण मृग के प्रकरण के अलावा, रामायण में भगवान राम को दूसरों के साथ बातचीत में आत्म-संयम के प्रतीक के रूप में भी चित्रित किया गया है। उकसावे की स्थिति में भी वह हमेशा शांत और स्थिर रहता है, और वह अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों पर अपना ध्यान बनाए रखता है। यहाँ सबक यह है कि एक पूर्ण और सार्थक जीवन जीने के लिए आत्म-नियंत्रण आवश्यक है। अपनी इच्छाओं और आवेगों को नियंत्रित करके हम आवेगी निर्णय लेने से बच सकते हैं जिसके नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं। यह हमें अपने लक्ष्यों और जिम्मेदारियों पर केंद्रित रहने में भी मदद करता है, जिससे अधिक सफलता और खुशी मिल सकती है। इसके अलावा, रामायण हमें सिखाती है कि आत्म-नियंत्रण केवल अपनी इच्छाओं और आवेगों को नियंत्रित करने के बारे में नहीं है, बल्कि यह भी है कि हम दूसरों के साथ कैसे व्यवहार करते हैं। कठिन परिस्थितियों में शांत और स्थिर रहकर, हम संघर्ष से बच सकते हैं और दूसरों के साथ मजबूत, अधिक सकारात्मक संबंध बना सकते हैं। रामायण में कई मूल्यवान जीवन पाठ हैं जो आज भी प्रासंगिक हैं। धर्म का पालन करने का महत्व, भक्ति की शक्ति, अहंकार के परिणाम, निष्ठा का महत्व, क्षमा की शक्ति और आत्म-संयम का महत्व। भगवान राम, मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में भी पूजनीय हैं, जिसका अनुवाद सद्गुण के नियमों का पालन करने वाले पुरुषों में सर्वश्रेष्ठ है। यह उपाधि भगवान राम को दी गई है क्योंकि उन्हें धार्मिकता का प्रतीक माना जाता है, और उन्होंने हमेशा धर्म के सिद्धांतों का पालन किया। संपूर्ण रामायण में, भगवान राम को नैतिक आचरण और नैतिक सदाचार के आदर्श के रूप में चित्रित किया गया है। वह करुणा, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और निःस्वार्थता सहित एक धर्मी नेता के सभी गुणों का प्रतीक है। उनके कार्य हमेशा अपने लोगों और अपने परिवार के प्रति कर्तव्य और जिम्मेदारी की भावना से निर्देशित होते हैं।

अपनी नैतिक उत्कृष्टता के अलावा, भगवान राम को सामाजिक मानदंडों और नैतिक संहिताओं को बनाए रखने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए भी जाना जाता है। वह आचरण के नियमों का पालन करने और अपने व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन में अनुशासन बनाए रखने के महत्व में दृढ़ विश्वास रखते हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम शब्द भगवान राम के इन सिद्धांतों के पालन पर जोर देता है, यहां तक कि बड़ी प्रतिकूलता के बावजूद भी। धर्म के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और उनकी अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं और जरूरतों को बड़े अच्छे के लिए बलिदान करने की उनकी इच्छा उन्हें नैतिक नेतृत्व और नैतिक ईमानदारी का प्रतीक बनाती है। भगवान राम का अनुकरणीय चरित्र और धार्मिकता और नैतिक आचरण के प्रति उनका अटूट समर्पण उन सभी के लिए प्रेरणा का काम करता है जो नैतिक सिद्धांतों और नैतिक मूल्यों द्वारा निर्देशित जीवन जीने का प्रयास करते हैं।

राक्षस कुल की होकर भी त्रिजटा ने की थी सीता जी की मदद

लंका छोड़ काशी में बिताया था जीवन

भगवान श्रीराम की धर्मपत्नी, सीता जी, रामायण का एक प्रमुख पात्र रही हैं। कथा के अनुसार, रावण द्वारा सीता जी का हरण कर उन्हें अशोक वाटिका में रखा गया था। जहां उनकी सहायता एक राक्षसी ने की थी, जिसका नाम त्रिजटा था। क्या आप जानते हैं कि युद्ध के बाद त्रिजटा का क्या हुआ।

इस तरह करती थी सीता जी की मदद

जब रावण, माता सीता को हरण कर अपनी लंका में लाया, तो उसने सीता जी को अपनी अशोक वाटिका में रखा और सीता माता की सेवा और सुरक्षा के लिए त्रिजटा को नियुक्त किया था। राक्षस प्रवृत्ति की होने के बाद भी त्रिजटा ने रावण की कैद में सीता जी का ध्यान रखा और उनकी हर संभव सहायता भी की।

जब अन्य राक्षसियां माता सीता को परेशान करती थीं, जब एक त्रिजटा ही थी, जो इन सभी से सीता जी का बचाव करती थी। साथ ही वह राम जी के लंका में आगमन से लेकर युद्ध तक की सारी जानकारी माता सीता को देती थी, जिससे सीता जी का ढांढस बंधा रहता था।

कहां गई त्रिजटा

रामायण की कथा के अनुसार, त्रेतायुग में भगवान राम द्वारा रावण पर विजय प्राप्ति के बाद उन्होंने सोने की लंका, रावण के छोटे भाई विभीषण को सौंप दी। अन्य भाषाओं में लिखी गई रामायण में इस बात का वर्णन मिलता है कि युद्ध के बाद सीता जी की सहायता के लिए भगवान राम और सीता जी ने त्रिजटा को कई मूल्यवान पुरस्कार दिए थे। इंडोनेशिया में प्रचलित काकाविन रामायण में भी इस बात का जिक्र मिलता है। वहीं बालरामायण में इस बात का भी वर्णन मिलता है कि त्रिजटा युद्ध के बाद माता सीता के साथ अयोध्या भी गई थी।

यहां होती है पूजा

कहा जाता है कि सीता जी ने त्रिजटा को आशीर्वाद दिया था कि कलयुग में तुम्हारी भी पूजा एक देवी की तरह होगी। साथ ही सीता जी ने उसे राक्षसी योनि से मुक्ति पाने के लिए शिव जी की आराधना करने की सलाह दी। इसके बाद त्रिजटा काशी में निवास कर शिव की पूजा-अर्चना करने लगी। वाराणसी में त्रिजटा का एक मंदिर स्थापित है, जो काशी विश्वनाथ मंदिर के करीब है और यहां उनकी एक देवी के रूप में पूजा की जाती है।

आखिर क्यों सीता स्वयंवर में दशानन रावण नहीं उठा पाया था शिव धनुष

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रामायण देवऋषि नारद ने सबसे पहले वाल्मीकि जी को सुनाई थी। रामायण सुनने के बाद उनका हृदय परिवर्तन हुआ, जिसके बाद उन्होंने धार्मिक ग्रंथ रामायण की रचना की। रामायण में सात कांड हैं, जिनका विशेष महत्व है। बालकांड में सीता स्वयंवर का उल्लेख किया गया है। रामायण के अनुसार, राजा जनक ने माता सीता के लिए वर का चयन करने के लिए सीता स्वयंवर का आयोजन किया था। सीता स्वयंवर में एक शर्त रखी थी कि जो महान व्यक्ति शिव धनुष को उठाकर तोड़ सकेगा, उसी के साथ मां सीता का विवाह तय कर दिया जाएगा।

सीता स्वयंवर में कई शक्तिशाली राजकुमारों ने हिस्सा लिया था। वहीं, दशानन रावण भी शामिल हुआ, लेकिन रावण शिव धनुष को उठा नहीं पाया। अब ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर किस कारण रावण इतना शक्तिशाली होने के बाद भी शिव धनुष को उठा नहीं पाया? क्या आप जानते हैं इसके पीछे की वजह?

रामायण के अनुसार, रावण भगवन शिव का परम भक्त था। उन्होंने एक बार कैलाश को पर्वत तक उठा लिया था, लेकिन सीता स्वयंवर में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। जब रावण को धनुष उठाने के लिए बुलाया गया, लेकिन रावण धनुष को नहीं उठा पाया, क्योंकि उनमें इतना बल नहीं था कि वह धनुष उठा सकते। रामायण के अनुसार, महादेव के इस धनुष को उठाने के लिए प्रेम और उदारता का होना जरुरी था, जो रावण में नहीं था। इसलिए रावण धनुष को नहीं उठा सका। इसके बाद प्रभु श्री राम जी आए, तो उन्होंने धनुष को प्रणाम कर उठाकर तोड़ दिया। रावण को अपनी शक्ति का बेहद घमंड था। इसलिए भी रावण धनुष को नहीं उठा सका।

शिव धनुष की खास बातें

महादेव ने त्रिपुरासुर राक्षस का अंत करने के लिए धनुष बनाया गया था, जिसे पिनाक नाम से जाना जाता है। इसी धनुष से त्रिपुरासुर का वध किया था।

शिव धनुष बेहद शक्तिशाली था। इसके एक तीर से भगवान शिव ने त्रिपुरासुर की तीन नगरी ध्वस्त कर दी थी।

इसके बाद भगवान शिव ने धनुष को देवताओं को सौंप दिया था।

संपादकीय

'ट्रंप युग' की वापसी

अमरीका ही नहीं, दुनिया भर में आज से 'ट्रंप युग' का नया आगाज हुआ है। डोनाल्ड ट्रंप अमरीका के 47वें राष्ट्रपति बने हैं। वह 131 साल के इतिहास में 'व्हाइट हाउस' में लौट कर आने वाले पहले अमरीकी राष्ट्रपति हैं। इस बार ट्रंप अधिक ताकतवर राष्ट्रपति साबित होंगे, क्योंकि वह पहले भी राष्ट्रपति रह चुके हैं और इस बार अमरीका के साथ-साथ वैश्विक ब्लूप्रिंट भी उनके सामने है। राष्ट्रपति बनते ही उन्होंने 100 आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं, ऐसा बताया जा रहा है। यह सुदृढ़ और बुनियादी लोकतंत्र की तस्वीर है कि जिस अमरीकी संसद (कैपिटल हिल) पर उनके समर्थकों ने, ट्रंप के पिछला चुनाव हारने के बाद, धावा बोला दिया, आतंक मचाया था, उसी स्थान पर ट्रंप और वेंस ने क्रमशः राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण की। वहीं से राष्ट्र को संबोधित भी किया। यह भी अमरीकी लोकतंत्र का एक और आयाम है कि ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ ले रहे थे, लेकिन एक भीड़ वाशिंगटन की सडक़ों पर थी, जिनके हाथों में पोस्टर, बैनर थे और वे 'गर्भपात के महिला अधिकार' और 'जलवायु परिवर्तन पर अमरीका के सकारात्मक रवैये' की मांग कर रहे थे। यह एजेंडा कमला हैरिस का था, जिसे उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव का प्रमुख मुद्दा बनाया था। बहरहाल ट्रंप की पहली परीक्षा यह होगी कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध पर यथाशीघ्र विराम लगा पाते हैं या नहीं! उन्होंने इजरायल-हमास युद्धविराम पर दोनों पक्षों को चेतावनी जरूर दी है। चीन अमरीका का दुश्मन भी है और प्रतिद्वंद्वी भी है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के 'ट्रंप की ताजपोशी' पर आने की बात कही जा रही थी, लेकिन अब चीन का कोई प्रतिनिधि मौजूद रहेगा। लोकतंत्र और वामपंथी शासन के बीच बुनियादी और वैचारिक विरोधाभास बने रहेंगे, लेकिन शी और ट्रंप में संवाद होता, तो संबंधों के नए गलियारे खुल सकते थे। भारत अमरीका का सबसे भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार रहा है, दोनों के बीच कारोबार भी सर्वाधिक है, उसके बावजूद भारत के प्रधानमंत्री मोदी 'ट्रंप के राजतिलक' में शामिल क्यों नहीं हो पाए, यह एक अहम सवाल है, जिसका जवाब निकट भविष्य में सामने आ सकता है। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति ट्रंप को अपना 'अंतरंग दोस्त' मानते रहे हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर का वाशिंगटन जाना तो महज एक औपचारिकता है। राष्ट्रपति ट्रंप भारत-समर्थक हैं, यह उनके प्रशासन के फैसलों से भी साफ होता है। उनकी टीम में कई भारतवंशी चेहरे भी हैं। एलन मस्क और विवेक रामास्वामी ट्रंप प्रशासन के मुख्य रणनीतिकार हैं और वे भारत-समर्थक माने जाते हैं। बहरहाल ट्रंप को इसलिए ज्यादा ताकतवर राष्ट्रपति आंका जा रहा है, क्योंकि सीनेट और प्रतिनिधि सभा अमरीकी कांग्रेस के दोनों सदनों में रिपब्लिकन पार्टी का पर्याप्त बहुमत है। ट्रंप अपनी पार्टी के एकतरफा नेता हैं। उन्हें जनादेश भी एकतरफा ही मिला है। सर्वोच्च अदालत में रिपब्लिकन पार्टी की सोच और मानसिकता के कई न्यायाधीश हैं। बहरहाल ट्रंप की सफलता की गाथा समय ही लिखेगा। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण दो खबरें हैं। एक तो एच-1बी वीसा में कमी नहीं होगी। 2024 में अमरीका ने 1.20 लाख एच-1बी वीसा जारी किए, जिनमें से 25,000 के करीब भारतीयों को दिए गए। इस संदर्भ में भारतीय पहले स्थान पर रहे। अमरीकी टेक सेक्टर भारतीय प्रतिभाओं पर ही निर्भर है। एक काला पक्ष यह भी है कि जो करीब 1.10 करोड़ अवैध प्रवासी अमरीका में घुसते हैं, उनमें भारत तीसरे स्थान पर है। राष्ट्रपति ट्रंप का सर्वोच्च एजेंडा है कि अवैध घुसपैठियों को अमरीका से खदेड़ा जाएगा। दफ्तरों में छापे मारे जाएंगे। मैक्सिको बॉर्डर पर दीवार बनाने का फैसला लिया जा चुका है। यदि 'अमरीका फर्स्ट' नीति के तहत चीन पर टैरिफ 10-15 फीसदी बढ़ाया जाता है, तो उसका फायदा भी भारत को होगा। 'सप्लाई चेन' में भारत की भूमिका अहम रहने वाली है।

डोनाल्ड ट्रंप अमरीका के 47वें राष्ट्रपति बने हैं। वह 131 साल के इतिहास में 'व्हाइट हाउस' में लौट कर आने वाले पहले अमरीकी राष्ट्रपति हैं। इस बार ट्रंप अधिक ताकतवर राष्ट्रपति साबित होंगे, क्योंकि वह पहले भी राष्ट्रपति रह चुके हैं और इस बार अमरीका के साथ-साथ वैश्विक ब्लूप्रिंट भी उनके सामने है। राष्ट्रपति बनते ही उन्होंने 100 आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं, ऐसा बताया जा रहा है। यह सुदृढ़ और बुनियादी लोकतंत्र की तस्वीर है कि जिस अमरीकी संसद (कैपिटल हिल) पर उनके समर्थकों ने, ट्रंप के पिछला चुनाव हारने के बाद, धावा बोला दिया, आतंक मचाया था, उसी स्थान पर ट्रंप और वेंस ने क्रमशः राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण की। वहीं से राष्ट्र को संबोधित भी किया। यह भी अमरीकी लोकतंत्र का एक और आयाम है कि ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ ले रहे थे, लेकिन एक भीड़ वाशिंगटन की सडक़ों पर थी, जिनके हाथों में पोस्टर, बैनर थे और वे 'गर्भपात के महिला अधिकार' और 'जलवायु परिवर्तन पर अमरीका के सकारात्मक रवैये' की मांग कर रहे थे। यह एजेंडा कमला हैरिस का था, जिसे उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव का प्रमुख मुद्दा बनाया था।

विश्व में अनेक देशों के बीच युद्ध चल रहे हैं एवं ऐसे ही युद्ध की व्यापक संभावनाएं बनी हुई हैं

युद्धमुक्त विश्व के ट्रंप के संकल्पों की रोशनी

ललित गर्ग

47वें राष्ट्र पति के रूप में ट्रंप ने शपथ से एक दिन पहले गाजा में हुए युद्ध विराम का क्रेडिट भी लिया। रूस और यूक्रेन युद्ध भी खत्म करने की प्रतिबद्धता दोहरायी गयी है। बावजूद इनके विश्व युद्ध के कयास तेजी से लग रहे हैं। इसे लेकर भी कई सवाल उठते हैं कि क्या सच में तीसरा विश्व युद्ध होना इतना आसान है? लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मैं यूक्रेन में युद्ध खत्म कर दूंगा। मैं मध्य पूर्व में अराजकता रोक दूंगा और मैं तीसरे विश्व युद्ध को होने से रोक दूंगा।' निश्चित ही ट्रंप के इन संकल्पों से अमेरिका में एक नए युग का आगाज हो रहा है, जो दुनिया में भी एक नई युद्ध मुक्त समाज-संरचना के बड़े बदलावों की ओर इशारा कर रहा है।

राष्ट्रपति के तौर पर अपने दूसरे कार्यकाल पर लौटने से पहले ट्रंप ने 'तीसरा विश्व युद्ध' रोकने की कसम खाकर दुनिया में शांति, अमन एवं अयुद्ध की संभावनाओं को बल दिया है। 47वें राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप ने शपथ से एक दिन पहले गाजा में हुए युद्ध विराम का क्रेडिट भी लिया। रूस और यूक्रेन युद्ध भी खत्म करने की प्रतिबद्धता दोहरायी गयी है। बावजूद इनके विश्व युद्ध के कयास तेजी से लग रहे हैं। इसे लेकर भी कई सवाल उठते हैं कि क्या सच में तीसरा विश्व युद्ध होना इतना आसान है? लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मैं यूक्रेन में युद्ध खत्म कर दूंगा। मैं मध्य पूर्व में अराजकता रोक दूंगा और मैं तीसरे विश्व युद्ध को होने से रोक दूंगा।' निश्चित ही ट्रंप के इन संकल्पों से अमेरिका में एक नए युग का आगाज हो रहा है, जो दुनिया में भी एक नई युद्ध मुक्त समाज-संरचना के बड़े बदलावों की ओर इशारा कर रहा है। राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से ही ट्रंप कई संकेत ऐसे दे चुके हैं, जिनसे लगने लगा है कि दुनिया बदलने वाली है। ये बदलाव इस बात पर केंद्रित रहेंगे कि अमेरिका को फिर एक बार महान बनना है। यह 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का नारा डोनाल्ड ट्रंप की एक नई पहचान बन गया है और बहुत संभावना है कि इस बार ट्रंप अपने सपने को साकार करने के लिए दुस्साहस का भी परिचय देते हुए युद्ध की मानसिकता वाले देशों की सोच में बदलाव का कारण बन जाये। विश्व में अनेक देशों के बीच युद्ध चल रहे हैं एवं ऐसे ही युद्ध की व्यापक संभावनाएं बनी हुई हैं। विश्व युद्ध कई कारणों से शुरू हो सकते हैं। जैसे राष्ट्रवाद यानी अपने देश के प्रति अत्यधिक लगाव और अन्य देशों के प्रति घृणा। जब राष्ट्रवाद चरम पर पहुंच जाता है तो युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है या फिर एक शक्तिशाली देश दूसरे देशों पर अपना अधिकार जमाना चाहता है, तो इससे युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है। इसके अलावा देशों के बीच आर्थिक प्रतिस्पर्धा भी युद्ध का कारण बन सकती है। साथ ही धार्मिक मतभेद भी युद्ध का कारण बन सकते हैं और किसी देश में राजनीतिक अस्थिरता होने पर पड़ोसी देशों में भी अशांति फैल सकती है और युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है। युद्ध की इन व्यापक संभावनाओं पर ट्रंप के संकल्प से विराम लगना विश्व की समाज-व्यवस्था, आर्थिक विकास एवं सह-जीवन के लिये एक शुभ संकेत है। क्योंकि

विश्व युद्ध के परिणाम बहुत ही विनाशकारी होते हैं। इसमें लाखों लोग अपनी जान गंवा देते हैं। युद्ध से देशों की अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान पहुंचता है। साथ ही युद्ध से समाज में अस्थिरता फैल जाती है, महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी बढ़ जाती है और युद्ध के बाद देशों के राजनीतिक नक्शे में बदलाव आ सकता है। अमेरिका दुनिया में अमन चाहता है और नये राष्ट्रपति ट्रंप ने यदि किसी भी देश के युद्ध में सेना नहीं भेजने का संकल्प लिया है तो इससे दुनिया में युद्ध की संभावनाओं पर विराम लगना तय है। क्योंकि अब तक शक्तिशाली राष्ट्र अमेरिका ही दुनिया मे युद्ध की भूमि तैयार करता रहा है, अपनी सेना एवं सैन्य सामान भेज कर युद्ध की भूमि को उर्वरा बनाता रहा है। विश्व समुदाय कई संकटों का सामना कर रहा है- संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और दुनिया भर के लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच ट्रंप के नये संकल्प एवं योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आज युद्ध और तनाव की समस्या बढ़ती जा रही है। हथियारों का उत्पादन लगातार बढ़ता जा रहा है। हर देश परमाणुशक्ति संपन्न बनने के लिए प्रयासरत है। यह एक अजीबोगरीब स्थिति है। युद्ध की आशंका को खत्म करने के लिए हाथियारों का जखीरा बढ़ाया जा रहा है। पहले बीमारी पैदा की जा रही है, फिर उसके इलाज का उपाय ढूंढा जा रहा है। इसमें अब तक अमेरिका की ही सर्वाधिक भूमिका रही है, लेकिन अब उसके नये राष्ट्रपति की युद्धमुक्त विश्व संरचना की सोच से दुनिया में शांति एवं अमन कायम होगा। युद्ध से कभी किसी का भला नहीं होता। वह सदैव अपने पीछे दुख भरी यादें छोड़कर जाता है। युद्ध से किसी मां का बेटा उसे बिछड़ जाता है, किसी बहन का भाई उससे बिछड़ जाता है, कोई स्त्री अपने पति को खो देती है, कोई बेटी अपने पिता को खो देती है। इस तरह युद्ध केवल जान लेता है। इसके अलावा युद्ध से संपत्ति भी नष्ट होती है एवं विकास अवरूद्ध होता है। इसके विपरीत यदि सब जगह शांति हो, लोग आपस में नहीं लड़ें, देशों में आपस में युद्ध नहीं हो, तो विकास होता है। ट्रंप ने अमेरिकी राजनीति के तेवर-कलेवर को तो बदला ही है और वह वहां लोकतंत्र को भी बदलने जा रहे हों, तो कोई आश्चर्य नहीं। उनकी टीम के अनेक दिग्गज परिवर्तन के आकांक्षी हैं। न जाने कितने परिवर्तन ट्रंप के शासन में लागू होंगे। उम्मीद करनी चाहिए कि ट्रंप की नई टीम अमेरिकी परंपराओं का यथासंभव निर्वाह करते हुए ही देश को फिर से महान बनाएगी। लेकिन इस बार अमेरिकी परम्पराओं में युद्ध एवं हिंसा के स्थान पर शांति, विकास एवं हथियार मुक्ति के संकल्प होना बड़ी एवं राहतभरी बात है। हालांकि, अमेरिका को महान बनाने के अभियान पर कई सवाल भी हैं। क्या अमेरिकी निर्णायकों ने मान लिया है कि अमेरिका अब महान नहीं रहा? इस अभियान के नाम से तो शायद यही लगता है कि अमेरिकी विचारकों ने अपने देश के महान न रह पाने की वजहों का पता भी लगा लिया है। उनकी नजर उन अमेरिकी चालाकियों पर भी निस्संदेह पड़ी होगी, जिनकी वजह से अमेरिकियों की अक्सर आलोचना होती है। इन वजहों में युद्ध एवं हथियारों की होड़ बड़ी वजह रही है। अनेक राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि युद्ध, हिंसा, आतंकमुक्त नये अमेरिका को विकसित करने एवं विश्व में शांति के संकल्प को देखते हुए अमेरिका को शुरू से ही भारत के साथ खड़ा रहना चाहिए। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अमेरिका सबसे पुराना जीवित लोकतंत्र है, दुनिया में युद्ध एवं आतंक के खिलाफ भारत हमेशा अग्रसर रहा है, युद्ध का अंधेरा मिटाने, शांति का उजला करने एवं अहिंसा-सहजीवन की कामना ही भारत का लक्ष्य रहा है। इसीलिये भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार युद्ध विराम की कोशिश करते रहे हैं। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद भारत और अमेरिका के रिश्तों पर क्या असर होगा, इसे लेकर विशेषज्ञ कई तरह की उम्मीदें जता रहे।

दृष्टि कोण

रक्षक ही हों भक्षक, तो बालिकाएं कहां सुरक्षित

वराहमिहिर ने कहा था कि औरत भगवान ने एक रत्न बनाया है, उसको घर में खुशहाली की देवी के रूप मे इज्जत देनी चाहिए। मनु ने भी औरतों को सम्मान देने को कहा। उन्होंने कहा कि किसी परिवार का खुशहाल होना औरत को सम्मान देने से सीधा सम्बन्ध रखता है। परंतु वर्तमान में नारी की स्थिति इतनी आदरणीय नहीं है। उनकी स्थिति दयनीय है। अभी भी उनको सारी उम्र पुरुष यौन दमन, सामाजिक पाखंड, नैतिकता और परंपराओं की आड़ में अन्याय और हर जगह असमानता का सामना करना पड़ रहा है। लिंग आधारित हिंसा एक वैश्विक चुनौती बनी हुई है। औरत को इस सोच के साथ मारा जाता है कि वह औरत है। औरतों के साथ घर, काम के स्थान, स्कूल और सार्वजनिक स्थानों पर परिवार के सदस्यों, नजदीकी साथियों, शिक्षकों, राजनीतिज्ञों, धार्मिक गुरुओं तथा अन्यों द्वारा हिंसा, यौन उत्पीडन, यौन हिंसा, हानिकारक प्रथाएं, ट्रेफिकिंग, कार्यस्थल पर भेदभाव आदि द्वारा प्रताड़ित किया जाता है। संसार में 140 औरतें और लड़कियां हर दिन अपने परिवार के सदस्यों तथा नजदीकी साथियों के हाथों अपनी जान गंवा बैठती हैं। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के अनुसार औरतों और लड़कियों के लिए घर ही एक खतरनाक स्थान बन गया है। 2024 की रिपोर्ट के अनुसार 60.2 प्रतिशत महिलाएं उनके करीबी साथी या परिवार के सदस्यों द्वारा मारी गई हैं और 11.2 प्रतिशत आदमी मारे गए हैं। 2023 में 51100 औरतों और लड़कियों को उनके साथी या परिवार के सदस्यों ने मारा है। महिला हत्या के केस विकसित देश, जैसे अमेरिका में भी बढ़ रहे हैं। 2023 में 8300 मौतें लड़कियों और महिलाओं की हुई हैं। बाल यौन शोषण के मामले भारत में बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। ये मामले विभिन्न अधिनियमों के अंतर्गत दर्ज किए जाते हैं। यौन शोषण के बहुत से मामले दबा दिए जाते हैं। बहुत कम मामले ही रिपोर्ट किए जाते हैं। बालिकाओं पर यौन शोषण के निम्नलिखित कुछ मामले जो हाल ही में घटित और दर्ज हुए हैं, उनको देखकर लगता है कि महिलाओं को अभी भी समाज आदर से नहीं देखता है। उनको अभी भी भोग की वस्तु समझ रखा है। असम के तिनसुकिया में 29 नवंबर 2024 को 15 वर्षीय एक किशोरी के साथ 4 नाबालिगों समेत 7 लोगों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म से किशोरी को 26 हफ्ते का गर्भ गिराने की गुहाटी हाईकोर्ट ने अनुमति दी है। 4 दिसंबर 2024 को कोलकाता में 7 महीने की बच्ची से दुष्कर्म किया गया। आरजीकर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल के डाक्टर बच्ची के निजी अंगों के पास चोट के निशान देख कर हैरान थे। 15 दिसंबर 2024 को हिमाचल के शिमला जिले में 80 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी 15 वर्षीय पोती का रेप कर दिया और मौके से फरार हो गया। बच्ची के पिता ने मामला पुलिस में दर्ज करवा दिया है। 26 अक्टूबर 2024 को शिमला जिले के सुन्नी क्षेत्र में स्कूली नाबालिग छात्रा के साथ स्कूल के प्रवक्ता ने छेड़छाड़ की। 17 दिसंबर 2024 को झारखंड के रामगढ़ जिले में 40 वर्षीय शिक्षक को पुलिस ने गिरफ्तार किया। शिक्षक ने स्कूल की छात्रा के साथ शौचालय में छेड़छाड़ की थी। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने 17 दिसंबर को इलाहाबाद कोर्ट के फैसले को रद्द करके 2 पुरुषों को गिरफ्तार करने के आदेश दिए। इन दोनों ने 14 वर्षीय बच्ची का रेप किया था और जमानत पर थे। जमानत देते समय सर्वाइवर को पार्टी नहीं बनाया गया था। हिमाचल में उपमंडल नादौन के 67 वर्षीय पुरुष को 15 वर्षीय बच्ची के साथ रेप करने पर सत्र न्यायालय ने 22 दिसंबर 2024 को 25 वर्ष की सजा सुनाई। परमणी के एक व्यक्ति ने 26 दिसंबर 2024 को अपनी पत्नी को जिंदा जला दिया क्योंकि उसने 3 बार पुत्रियों को जन्म दिया था। 9 जनवरी 2025 को मध्यप्रदेश के दमोह जिले में 12 वर्षीय लडक़ी के साथ 3 लोगों ने गैंगरेप किया। इनमें एक व्यक्ति लडक़ी का परिचित था। शिमला में 7 साल की मासूम बच्ची के साथ दुराचार का मामला हुआ। आरोपी बच्ची की मां का शादीशुदा चचेरा भाई है। उत्तराखंड के चमोली जिला की अदालत ने नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म करने पर पिता को 20 साल के कारावास की सजा सुनाई। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के मलोखर के पास सडक़ किनारे कपड़े में लिपटी एक नवजात बच्ची को 4 जनवरी 2025 को सुबह 4 बजे किसी ने रखा था, जो रो रही थी। उसे अब अस्पताल में चिकित्सकों की देखरेख में रखा है। इसी तरह 30 सितंबर 2024 को बिलासपुर के बरमाणा थाना के अंतर्गत गुगा भटेड़ के पास एक नवजात को एक घर की सीढियों के पास रखा था जिसका आज तक कोई पता नहीं लगा। 11 जनवरी 2025 को केरल के पथानामधिट्टा जिले के 2 थानों में 18 साल की एक एथलीट ने प्राथमिकी दर्ज करवाई कि पिछले 5 साल में 60 लोगों ने उसका यौन शोषण किया। शोषण करने वालों में कोच, साथी एथलीट, सहपाठी और कई लोग शामिल हैं। समूचे भारतवर्ष में तो महिलाओं और नाबालिगों के यौन शोषण के बहुत ही केस हो रहे हैं।

कुछ अलग

साहिब सोए फाइल पर

क्या आपकी ही फाइल है या और भी विभागों की प्रमोशन फाइल एप्रूवल की चाह में वीवीआईपी कमरे की धूल फांक रही हैं। सुना है कि वीवीआईपी धूल से बचने के लिए मास्क लगाने की ज़रूरत भी नहीं पड़ती। वहां कोई प्रदूषण नहीं होता।' मैं चुटकी लेते हुए बोला। वह खिसियानी हंसी हंसते हुए बोले, 'कुछ आईपीएस की फाइल हैं और कुछ प्रदेश प्रशासनिक सेवा की। लेकिन इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। कुछ बड़े महकमे भी हैं। सिविल सेवा के अधिकारियों की जिस दिन से एम्पेनलमेंट हो जाती है, वे उसी दिन से वरिष्ठता और वित्तीय लाभों के हकदार हो जाते हैं। चाहे फाइल लेट भी क्लियर हो, तब भी। लेकिन प्रदेश सरकार के सामान्य विभागों में पदोन्नति और ज्वाइनिंग के बाद ही वरिष्ठता और वित्तीय लाभ मिलता है। बड़े विभागों में पदोन्नति के अच्छे अवसर होते हैं। पर छोटे विभागों में तीस-बत्तीस साल की नौकरी में बमुश्किल एक या दो प्रमोशन ही मिल पाती हैं, जबकि बड़े विभागों में बाबू की नौकरी में आने वाला भी अधिकारी बन कर रिटायर होता है। अगर मुझे समय पर प्रमोशन मिल जाती तो शायद मैं रिटायरमेंट से पहले दूसरी प्रमोशन का पात्र हो जाता। लेकिन अब लगता है कि मैं बिना किसी प्रमोशन के ही रिटायर हो जाऊंगा।' मैंने उनके दुःख में शामिल होते हुए उनसे पूछा कि मुख्यमंत्री आपकी प्रमोशन फाइल क्यों एप्रूव नहीं कर रहे। वह इस बार व्यंग्यात्मक लहज़े में बोले, 'क्या तुम्हें पता नहीं कि राज्य सरकार पर एक लाख करोड़ रुपए से अधिक के कर्ज का बोझ है। मुख्यमंत्री राज्य को कर्ज से मुक्त करवाने के लिए प्रमोशन की फाइल रोक रहे हैं ताकि राज्य पर पडऩे वाले वित्तीय बोझ को कम किया जा सके। सीएम सोए फाइल पर, लम्बी चादर तान। प्रमोशन ड्यु साल से, अटकी मेरी जान।' भाषा विभाग में रहते हुए कवित्व को प्राप्त हो चुके, क्षोभ में भरे झुन्नू लाल जी इतना कह कर निकल लिए। लेकिन मैं सीढियों पर खड़ा होकर सोच रहा था कि क्या मुख्यमंत्री के पास ऐसी सोच और विजऩ नहीं कि राज्य की आय बढ़ाने और कर्जमुक्त होने के लिए ऐसी नीतियां, कार्यक्रम और योजनाएं बनाई जाएं, जिनसे रोजग़ार भी सृजित हों और प्रदेश कर्ज के चंगुल से बाहर आ सके। करीब दो साल पहले राज्य सरकार प्रदेश में भांग की खेती का महत्वाकांक्षी प्रस्ताव लेकर आई थी। काश! अगर उसी वक्त प्रदेश में भांग खेती शुरू हो जाती तो आज क्या ख़ूब भांग छन रही होती। क्या समा होता जब मिल बैठते नेता जी, उनके चमचे और बेरोजग़ार युवा! सब इक_ बैठ कर भांग छानते? प्रदेश में भांग के फायदों पर कितने सेमिनार, कार्यशालाएं और गोष्ठियां आयोजित हो रहे होते। पुलिसिए और लोक सम्पर्क के कलाकार लोगों में नशाख़ोरी के खिलाफ अलख जगा रहे होते। जगह-जगह भांग के काउंटर लगे होते। पर अगर भांग कम पड़े तो आय बढ़ाने के लिए सरकार जनता पर टैक्स लगा सकती है। शराब पर नई नीति ला सकती है। राज्य के पास संसाधनों की कमी नहीं, पर ऋण लेने के लिए सारे संसाधन तो पहले ही गिरवी रखे जा चुके हैं। लेकिन गिरवी क्या केवल संसाधन ही हैं या हमारा ईमान भी गिरवी पड़ा है। सभी दलों की नजऱ केवल अपने पांच सालों पर होती है। जनता की कठिनाइयों को हल करने की कौन सोचता है। लेकिन अगर राजनीति लोगों की सभी मुश्किलों का हल निकाल दे तो फिर नेता क्या करेंगे? उन्हें वोट कौन देगा? ऐसे में कम से कम अधिकारियों की पदोन्नति को महीनों तक लटका कर ही प्रदेश को कर्ज के बोझ से बाहर निकाला जा सकता है।

देश दुनिया से

टैरिफ में चुनिंदा वृद्धि का समय

आज जब चीन से आयात घाटा 85 अरब डॉलर के असहनीय स्तर तक पहुंच चुका है, जिसका असर हमारे विनिर्माण और रोजगार पर भी पड़ रहा है, हमें चीन पर निर्भरता कम करने के सघन प्रयास करने की जरूरत है। सबसे पहले जब 2018-19 के बजट में प्रधानमंत्री मोदी की 'मेक इन इंडिया' नीति घोषणा के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकॉम उत्पादों पर आयात शुल्क 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया, और फिर उसी वर्ष वस्त्र और परिधानों पर आयात शुल्क बढ़ाने और तत्पश्चात अन्य गैर-जरूरी आयातों पर आयात शुल्क 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया, उसके फलस्वरूप वर्ष 2018-19 में चीन से व्यापार घाटा केवल 53.6 अरब डॉलर रह गया, जबकि 2017-18 में यह 63 अरब डॉलर था। महत्वपूर्ण बात यह है कि उस समय इन आयात शुल्कों में वृद्धि का कई अर्थशास्त्रियों ने यह कहकर विरोध किया था कि इससे देश में संरक्षणवाद को बढ़ावा मिलेगा और अकुशलता बढ़ेगी। यह समझना होगा कि 2018-19 में आयात शुल्कों में वृद्धि ने देश में इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकॉम उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा दिया, मोबाइल फोन के निर्यात में तेजी से वृद्धि हुई और वर्ष 2023-24 तक मोबाइल फोन का निर्यात 14.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इसी तरह कई अन्य वस्तुओं के उत्पादन और निर्यात में भी वृद्धि देखी गई। यह पहली बार नहीं था, जब हमें टैरिफ बढ़ाने का लाभ मिला। देश में कुल विनिर्माण में लगभग 50 प्रतिशत का योगदान देने वाला ऑटोमोबाइल क्षेत्र उच्च टैरिफ के कारण ही विकसित हो सका। भारत में ऑटोमोबाइल उत्पादों पर 40 हजार अमरीकी डालर से अधिक मूल्य वाली कारों के लिए 100 प्रतिशत और 40 हजार अमरीकी डालर से कम मूल्य वाली कारों के लिए 60 प्रतिशत टैरिफ लगता है। आज भारत ऑटोमोबाइल, विशेष रूप से कारों में एक वैश्विक शक्ति है और कई भारतीय और विदेशी कंपनियां देश में कारों और अन्य ऑटोमोबाइल का निर्माण कर रही हैं और भारी मात्रा में निर्यात भी कर रही हैं। भारत से 45 लाख से अधिक वाहनों का निर्यात 2023-24 में किया गया। ऐतिहासिक रूप से, अगर हम देखें, तो भारत में औसत भारित टैरिफ वर्ष 2004 में यूपीए के सत्ता में आने से पहले लगभग 24 प्रतिशत था। लेकिन टैरिफ में नाटकीय रूप से कमी की गई। वर्ष 2006 तक यह लगभग 6 प्रतिशत तक घटा दिया गया। इससे हमारे विनिर्माण में तबाही मच गई और आयात पर हमारी निर्भरता कई गुना बढ़ गई। टैरिफ कम करने की वकालत करने वाले अर्थशास्त्रियों की भी देश में कोई कमी नहीं है।

टैरिफ कम करने के उनके कई तर्क हैं: सबसे पहले, ऐतिहासिक रूप से, उच्च टैरिफ दीवारों ने उत्पादन में अकुशलता को बनाए रखा है, क्योंकि उच्च टैरिफ दक्षता में सुधार के लिए पहल को खत्म कर देता है। उनका तर्क है कि नेहरुवादी काल के दौरान आत्मनिर्भरता के नाम पर उच्च टैरिफ ने प्रतिस्पर्धा को समाप्त कर दिया और परिणामस्वरूप अकुशलताएं पैदा हुईं। इससे हमारी प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हुई और परिणामस्वरूप निर्यात में भी गिरावट आई। दूसरे, अगर भारत टैरिफ बढ़ाता है, तो अन्य व्यापार भागीदारों को भी टैरिफ बढ़ाने का मौका मिलेगा और इससे हमारे निर्यात भी अवरुद्ध हो जाएंगे। इस प्रतिस्पर्धी दुनिया में, अगर हर देश ऐसा ही करता है तो वैश्विक स्तर पर व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। तीसरा, इन अर्थशास्त्रियों का एक बहुत ही प्रमुख तर्क यह है कि, कम टैरिफ उपभोक्ताओं को वस्तुओं की सस्ती आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं और इसलिए उपभोक्ता अधिशेष और उपभोक्ता संतुष्टि में सुधार होता है।

मुक्त व्यापार का सिद्धांत : यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि ये अर्थशास्त्री रिकार्डो और अन्य शास्त्रीय अर्थशास्त्रियों पर विश्वास करते हैं, जिन्होंने लोगों के कल्याण को अधिकतम करने हेतु मुक्त व्यापार के लिए तर्क दिया था। लेकिन हमें यह समझने की जरूरत है कि यदि देश में क्षमता न हो तो बेहद कम टैरिफ, विनिर्माण क्षमता निर्माण में बाधा बनता है और इस प्रकार आयात पर हमारी निर्भरता को बढ़ा देता है, जिससे घरेलू उत्पादन में वृद्धि की संभावनाएं और कम हो जाती हैं। इसके कारण आयात पर अधिक से अधिक निर्भरता का एक दुष्चक्र बन जाता है। हमें यह भी समझना चाहिए कि, मुक्त व्यापार का लाभ तभी है जब दूसरे भी मुक्त व्यापार का पालन करें, लेकिन अगर कोई देश अपने माल को भारत में डंप कर रहा हो या अन्य देश टैरिफ दीवारें बढ़ा रहे हों, तो हमारा देश और अन्य देश मुक्त व्यापार के रुख को जारी नहीं रख सकते। आज, अमेरिका सहित कई देश अपने उद्योगों की सुरक्षा के नाम पर टैरिफ दीवारें बढ़ा रहे हैं। नतीजतन, हमारा देश भारत पहले की तरह खुला नहीं रह सकता।

चुनिंदा बढ़ोतरी हो : 2020 में जब से भारत सरकार ने आत्मनिर्भर भारत नीति की घोषणा की है, तब से इंटरमीडिएट उत्पादों के आयात में कई गुना वृद्धि हो चुकी है। खास तौर पर आत्मनिर्भर भारत नीति में कई क्षेत्रों को चुना गया है। इन क्षेत्रों में उत्पादन को बढ़ावा दिया जाना है। इनमें ऐक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रेडिएंट्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, खिलौने, सौर उपकरण, अर्धचालक, वस्त्र, रसायन आदि शामिल हैं। इन क्षेत्रों में उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की गई है, जिसमें सरकार ने तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि निर्धारित की है। लेकिन पीएलआई योजना और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में प्रयासों के बावजूद, हमें इंटरमीडिएट्स के आयात में बहुत कमी नहीं दिख रही है। इन क्षेत्रों में घरेलू निवेश भी भारी मात्रा में हो रहा है, लेकिन चीन द्वारा डंपिंग ने पीएलआई योजनाओं की सफलता को प्रभावित किया है। इसके अलावा, इन मध्यवर्ती उत्पादों के उपयोगकर्ता उद्योग दक्षता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के नाम पर अपने उत्पादन को जारी रखने के लिए इन मध्यवर्ती उत्पादों पर आयात शुल्क में और कमी करने की मांग कर रहे हैं।

आप का नजरिया

एक तफ्तीश की हत्या

पुलिस विभाग के आठ लोग जिस जंग को लड़ रहे थे, वह न्याय की प्रतीक्षा और परीक्षा में अंततः एक ऐसी सुर्खी बनी जिसके सबक हमेशा जिंदा रहेंगे। संदेह की पुलिसिया कार्रवाई ने एक नेपाली नागरिक सूरज को जिस तफ्तीश में तड़पाया, आखिरकार उसी की छानबीन में पुलिस की टोली को सजा हो गई। एक गुनाह, एक दर्द और एक सियाह पन्ना हिमाचल की कानून व्यवस्था से गुजर गया, जब सीबीआई अदालत ने एक साथ आठ पुलिस कर्मियों को हिरासत में सूरज की मौत का दोषी करार कर दिया। कोटखाई हत्याकांड के मनहूस पन्ने अंततः पुलिस के ही माथे पर लिख दिए गए। कोटखाई पुलिस जांच अगर एक तरीका है जुल्म और न्याय के बीच, तो कौन कब जीत पाएगा? यह राज्य की कानून व्यवस्था और हमारी सामाजिक शांति के विपरीत दिखाई देने वाला जुर्म है और इससे पुलिस की फाइल में दर्ज कई मामले चीख उठेंगे। कानून के जिन सख्त पहरों के नीचे हम प्रदेश की मर्यादा को जिंदा रखते हैं, उन्हें इस तरह बिखरता देखना कई चिंताएं पैदा करता है। जाहिर तौर पर इस सजा के दायरे पूरे महकमे की परिक्रमा करेंगे और जहां सरकार को अपने तौर पर यह विश्वास दिलाना होगा कि हर थाना न तो कोटखाई सरीखा है और न ही हर तफ्तीश में व्यवहार इस तरह उच्छृंखल होता है। कोटखाई के जख्म जितनी बार कुरेदे जाएंगे, यह राज्य अपने चरित्र को कोसेगा। एक मनहूस सफा सारे परिदृश्य को लूट के चला गया। हैरानी यह रही कि पुलिस ने जांच की परिपाटी में अपनी दक्षता, संतुलन, विश्वसनीयता और क्षमता को बार-बार नीलाम किया। कोटखाई प्रकरण कई धड़ों में बंटा और कई लोग इसके शिकार हुए या होते-होते बचे। थाने में तफ्तीश की हत्या और पुलिस परिसर में आक्रोश की ज्वाला ने तब भी बहुत कुछ जलाया और अब अदालती फैसले ने कई कठघरे हिमाचली चरित्र पर लाकर खड़े कर दिए। कहना न होगा कि कोटखाई प्रकरण अगर सीबीआई के फैसले तक पहुंचा, तो इसके पीछे नागरिक समाज, मीडिया व विपक्ष की भूमिका भी रही है। यह दीगर है कि मामले को अदालत तक पहुंचाने वाले मीडिया को इसके बदले खुद को मानहानि के आरोपों से बचाने की लड़ाई लडऩी पड़ रही है। हिमाचल में विडंबना यह भी है कि मीडिया के लिए अपने प्रोफेशन की स्वतंत्रता बचाने के लिए अदालतों में आरोपों से लडऩा पड़ रहा है। कोटखाई प्रकरण में नागरिक समाज और विपक्ष अपनी-अपनी हाजिरी लगा कर लौट गए, लेकिन ऐसे अनेक उदाहरण मिल जाएंगे जहां विभिन्न अखबारों के वरिष्ठ पत्रकार एक से दूसरी अदालत तक एडियां रगड़ रहे हैं। हैरानी यह नहीं कि सीबीआई कोर्ट के दोषी इस दौरान व्यवस्था में पात्र बने रहे, बल्कि यह है कि हिरासत में हत्या के इन दागों की हिफाजत होती रही। यह उन निर्दोष लोगों के लिए राहत का सबब होना चाहिए, जिन्हें जांच के नाम पर फंसाया या धमकाया जाता रहा है। यह उन परिवारों पर भी न्याय का मरहम है जो पुलिस जांच में कुपात्र बनाए गए थे। अंततः जिनका चरित्रहनन कोटखाई प्रकरण की पुलिस जांच ने किया, उनके पक्ष में भी तो कुछ न्यायिक राहत मिलनी चाहिए।

हाइब्रिड ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा राजस्थान : भजनलाल

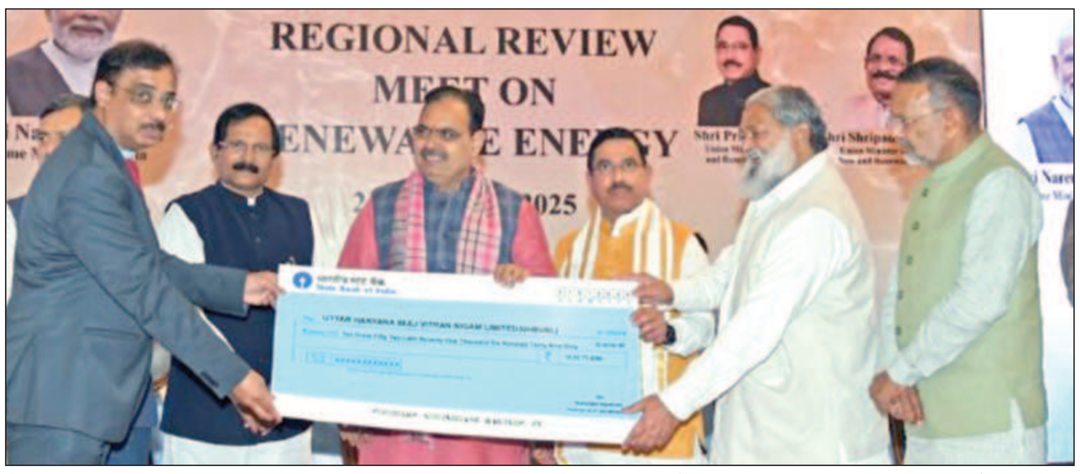

जयपुर,21 जनवरी (एजेंसियां)। केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2030 तक देश में अक्षय ऊर्जा का उत्पादन 500 गीगावाट तक बढ़ाने, वर्ष 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा से ऊर्जा आवश्यकता का 50 प्रतिशत पूरा करने तथा वर्ष 2070 तक देश को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन तक ले जाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। इस प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में केन्द्र और राज्य सरकारें तेजी से काम कर रही हैं।

जोशी मंगलवार को जयपुर के एक होटल में आयोजित नवीकरणीय ऊर्जा पर क्षेत्रीय समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2032 तक देश की ऊर्जा आवश्यकता दोगुनी होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि दस साल पहले भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था था। सबसे तेज गति से प्रगति करते हुए देश आज 5 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्र आगे बढ़ सकें, इसके लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है।

केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप 2026) के अनुसार आने वाले समय में कार्बन उत्सर्जन घटाने और पर्यावरण हितैषी ऊर्जा को प्रोत्साहन देने के लिए आने वाले वर्षों में विश्व के कई देशों में जीवाश्म ईंधन के औद्योगिक उपयोग पर हरित टैक्स लगाने की तैयारी की जा रही है। ऐसे में भारतीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाए रखने और ग्लोबल वार्मिंग से निपटते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहित करना हम सबका कर्तव्य है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ऊर्जा के दक्ष उपयोग, नवीकरणीय स्रोतों को अपनाने और नई ऊर्जा नीतियों को विकसित करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने ऊर्जा क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा में बड़ी भूमिका निभायेगा और विकसित राजस्थान 2047 का संकल्प पूरा करने में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान स्वच्छ ऊर्जा नीति 2024 जारी की है जिसमें वर्ष 2030 तक 125 गीगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापना करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसमें भी 28 लाख करोड़ से अधिक तो अकेले ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित है। इन एमओयू से स्थापित होने वाली परियोजनाओं से प्रदेश में सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

उन्होंने कहा कि राजस्थान कुसुम योजना में देश का अग्रणी राज्य है। इस योजना में राज्य में 5 हजार मेगावाट से अधिक की सौर परियोजनाए विकसित की जा रही हैं। उन्होंने कुसुम 2.0 की शुरुआत करने का केन्द्र सरकार से आग्रह किया ताकि इस योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे। उन्होंने राज्य को 5 हजार मेगावाट की नवीन क्षमता का आवंटन करने के लिये केन्द्र सरकार का आभार व्यक्त किया।

निर्धारित लक्ष्यों से अधिक क्षमता स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया : अनिल विज

जयपुर,21 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि मैंने अपनी सरकार/अपने डिपार्टमेंट को सुझाव दिया है कि प्रत्येक गांव में एक सोलर पावर हाउस बना देना चाहिए ताकि वहां पर जो भी ट्यूबवेल है उनकी सप्लाई उस सोलर पावर हाउस से की जाए और किसानों के सभी ट्यूबवेल संचालित हो सके और इससे किसानों को कोई एतराज भी नहीं होगा।

विज जयपुर में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय मंत्रालय द्वारा विभिन्न राज्यों के ऊर्जा/ बिजली /नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रियों की एक क्षेत्रीय कार्यशाला कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल, केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी सहित अन्य राज्यों के ऊर्जा और बिजली मंत्री भी उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि आगामी समय में कृषि विद्युत भार की पूर्ति सौर ऊर्जा से करने पर भी राज्य सरकार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत राज्य में 5 लाख घरों में रूफटॉप संयंत्र लगाए जाने की प्रक्रिया चल रही है और अब तक लगभग 25 हजार घरों पर संयंत्र लगाए जा चुके हैं। सभी राजकीय भवनों को सोलर एनर्जी से लैस करने का कार्य शुरू कर अब तक 489 मेगावाट के एलओए हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल पर जारी किए जा चुके हैं। इन लक्ष्यों की प्राप्ति से ना केवल राज्य में निवेश बढ़ेगा बल्कि इससे नवीन रोजगार एवं व्यवसाय में भी बढ़ोतरी होगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हाइब्रिड ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के लिए 2000 मेगावाट के नवीन सोलर पार्क की स्वीकृति से राज्य में सौर परियोजनाओं को गति मिलेगी।

केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपाद येसो नाइक ने कहा कि पीएम सूर्यघर योजना से देश में एक करोड़ परिवारों का बिजली बिल लगभग शून्य हो जाएगा जो उन्हें ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार पीएम कुसुम योजना किसानों की डिस्कॉम पर निर्भरता कम कर उनकी ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में कारगर पहल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए आरपीओ लक्ष्यों को प्राप्त करने के उपायों, प्रधानमंत्री कुसुम योजना, प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में वृद्धि और पुराने विंड एनर्जी पार्कों की क्षमता बढ़ाने की रणनीति बनाने के लिए यह समीक्षा बैठक महती पहल है।ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि राज्य की स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024 वर्ष 2030 तक राजस्थान की अक्षय ऊर्जा क्षमता को 125 गीगावाट तक लाने में अहम साबित होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कुसुम योजना तथा हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल को मिला कर विकेंद्रित सोलर की 17 हजार मेगावाट की परियोजनाओं पर काम कर रही है।

केन्द्रीय गृह सचिव ने 3 नए आपराधिक कानूनों के राज्य में क्रियान्वन की समीक्षा कर

एसओपी,एडवाइजरी की शत-प्रतिशत पालना के दिए निर्देश

जयपुर,21 जनवरी (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह सचिव गोविन्द मोहन ने मंगलवार को सचिवालय में सम्बन्धित अधिकारियों की बैठक लेकर 3 नये आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 के राजस्थान में क्रियान्वयन की समीक्षा की तथा इन कानूनों की मूल भावना, इनसे सम्बंधित एडवाइजरी, एसओपी, मैकेनिज्म की शत-प्रतिशत क्रियान्विति के निर्देश दिए।

केन्द्रीय गृह सचिव ने निर्देश दिए कि पुलिस, कारागार, फोरेन्सिक, अभियोजन, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा के कार्मिकों को इन कानूनों के प्रावधानों से सम्बंधित प्रशिक्षण समय सीमा में दिलवाना सुनिश्चित करें। राज्य के 70 प्रतिशत पुलिस बल को यह प्रशिक्षण दिया जा चुका है। केन्द्रीय गृह सचिव ने निर्देश दिए कि पोस्को व कम अवधि की सजा वाले प्रकरणों में 60 दिवस तथा जघन्य अपराधों में 90 दिन के भीतर चार्जशीट दाखिल करना सुनिश्चित करें। यह अधिकतम समय सीमा है, प्रयास करें कि इस समय सीमा से पहले ही चार्जशीट दाखिल हो जाये। उन्होंने बताया कि एक केस में एफआईआर दर्ज होने से सुप्रीम कोर्ट तक निस्तारण में 3 साल की आदर्श समय सीमा निश्चित की गई है। इन कानूनों का एक बडा लक्ष्य त्वरित और सुलभ न्याय मिलना सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि नये कानूनों के लागू होने के बाद ई-समन अनिवार्य हो गया है। समन तामील करवाने में पुलिस थाने की भूमिका नहीं रही है, एफआईआर के समय ही शिकायतकर्ता, गवाह आदि के वाट्सएप नम्बर, ई-मेल दर्ज कर लें ताकि सम्बंधित न्यायालय सीधे ई-समन जारी व तामील करवा सकें।

''ई-साक्ष्य'' की प्रगति की समीक्षा करते हुए केन्द्रीय गृह सचिव ने निर्देश दिए कि सीन ऑफ क्राइम, सर्च और जब्ती की नियमानुसार वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी करवाना सुनिश्चित करें। वी.सी. के माध्यम से गवाही के लिए राज्य में राजस्थान हाई कोर्ट रूल्स फॉर वीसी फॉर कोर्ट्स लागू है। उन्होंने कारागारों, विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं, मेडिकल कॉलेजों, कलेक्टर और एसडीएम न्यायालयों में वीसी पॉइन्ट स्थापित करने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम-2025

मतदाता जागरूकता प्रदर्शनी का उद्घाटन कल

जयपुर,21 जनवरी (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस (25 जनवरी) के अवसर पर शनिवार को प्रदेश में राज्य, जिला और बूथ स्तर तक समारोह आयोजित किए जाएंगे। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की अध्यक्षता में मुख्य समारोह राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में होगा ।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि निर्वाचन विभाग, राजस्थान की ओर से आम नागरिकों की लोकतंत्र में भागीदारी बढ़ाने और मतदाता जागरूकता के लिए राष्ट्रीय मतदाता दिवस के दौरान कई गतिविधियां आयोजित होंगी । इस दौरान निर्वाचन विभाग की ओर से चुनाव से जुड़े कार्यक्रमों, अभियानों और गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी और उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर राज्य स्तरीय पुरस्कार दिए जाएंगे ।

महाजन ने बताया कि मुख्य समारोह में राज्यपाल बागडे अधिकारियों और कार्मिकों को पुरस्कार वितरित करेंगे. प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में मतदाता जागरूकता प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी । राज्यपाल नव मतदाताओं को एपिक कार्ड (मतदाता पहचान-पत्र) का वितरण करेंगे और मतदाताओं की ओर से जागरूकता सन्देश दिया जाएगा. उन्होंने बताया कि लोक कलाकारों की ओर से मतदाता जागरूकता पर सांस्कृतिक गतिविधियां प्रस्तुत की जाएंगी ।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार 23 जनवरी को जवाहर कला केंद्र जयपुर में, लोकतंत्र में जन भागीदारी विषय पर चित्रकला कार्यशाला का आयोजन भी होगा । इसमें राजस्थान स्कूल ऑफ़ आर्ट्स के विद्यार्थी रंगों के माध्यम से मतदाता जागरूकता के सन्देश उकेरेंगे. इसी प्रकार, मतदाता दिवस के मौके पर जिला और पोलिंग बूथ स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित होंगे ।

मील का पत्थर साबित हुई बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना : श्रुति चौधरी

चंडीगढ़,21 जनवरी (एजेंसियां)। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि हरियाणा के पानीपत से शुरू हुई बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना प्रदेश में मील का पत्थर साबित हुई है। इस योजना से प्रदेश में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच बनी और उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। आज हरियाणा की बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और अपनी मेहनत और मेधा से इतिहास रच रही हैं।उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना का प्रमुख उद्देश्य लड़कियों के जन्म के समय लिंगानुपात में सुधार लाना और समाज में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना था। इस दिशा में सकारात्मक बदलाव हुए हैं इस कार्यक्रम के परिणाम स्वरूप प्रदेश में लिंगानुपात साल 2024 में बढ़कर 910 हो गया है इसी दिशा में आगे भी कार्य किए जाएंगे । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरूआत हरियाणा के पानीपत की धरती से की थी, जिससे समाज की सोच में बदलाव आया और हरियाणा को भी इस अभियान से दुनिया भर में पहचान मिली है।मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि लिंगानुपात में सुधार के लिए डॉक्टरों, झोलाछाप डॉक्टर और दलालों की अवैध गतिविधियों को निशाना बनाकर 4 हज़ार गिरफ्तारियां की गई है ऐसे ही आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

आगामी बजट में कृषि पर रहेगा विशेष फ़ोकस : कृषि मंत्री

चंडीगढ़,21 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने राज्य सरकार की किसानों की भलाई और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार आगामी बजट में किसानों के कल्याण पर विशेष फ़ोकस करेगी। राणा ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए मुख्यमंत्री ने हिसार के चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक पूर्व-बजट परामर्श बैठक आयोजित की थी। इस बैठक में किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और किसान उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गई। बैठक के दौरान 52 से अधिक सुझाव किसानों और विशेषज्ञों द्वारा साझा किए गए। इनमें किसान संघों, किसान उत्पादक संगठनों और फेडरेशन के सदस्यों से इनपुट शामिल थे। मुख्यमंत्री ने बैठक में आश्वासन दिया था कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उनकी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए एक विशेष रणनीति पर काम कर रही है।

रिश्वत लेते दुकानदार व अधिकारी गिरफ्तार

पंचकूला,21 जनवरी (एजेंसियां)। एंटी करप्शन ब्यूरो की अम्बाला टीम ने 20 जनवरी को कुरुक्षेत्र में रिश्वतखोरी के एक मामले में बड़ी कार्रवाई की। टीम ने जोगिंद्र सिंह को 64,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। शिकायतकर्ता नौशाद अली, निवासी दीदार नगर, कुरुक्षेत्र ने आरोप लगाया था कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हर्ष भवन और गर्ल्स हॉस्टल में रखरखाव कार्यों के लंबित बिल पास करने के एवज में रिश्वत मांगी जा रही थी।

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहे नागरिक : आरती सिंह

चंडीगढ़,21 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण तथा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से मनाए जा रहे सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत आज गुरुग्राम में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कुमारी आरती .सिंह राव और लोक निर्माण व जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने नागरिकों को यातायात नियमों की पालना करने के लिए प्रेरित किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि गुरुग्राम सहित प्रदेश के बाकी हिस्सों में वाहनों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है जिसमें दुर्घटनाएं भी बढ़ रही हैं। दिन - प्रतिदिन हो रही दुर्घटनाओं को देखते हुए प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि मुख्य मार्गों पर हर निश्चित दूरी पर एक ट्रामा सेंटर स्थापित किया जाए। उन्होंने लोगों को दुर्घटना में घायल लोगों की तुरंत सहायता करने का आह्वान करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के दौरान घायल की जान बचाने के लिए पहला एक घंटा अति महत्वपूर्ण माना गया है।

हरियाणा में 7 स्थायी लोक अदालतें की स्थापित जाएगी : सैनी

चंडीगढ़,21 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में 7 और स्थायी लोक अदालतों (सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएं) की स्थापना हेतु 3 करोड़ 87 लाख से अधिक और जन उपयोगी सेवाओं के लिए 35 लाख रूपये की राशि को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है।

सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जन उपयोगी सेवाओं के लिए 7 और स्थायी लोक अदालतों की स्थापना के साथ, सभी जिलों में अपनी अलग स्थायी लोक अदालत (जन उपयोगी सेवाएं) होगी। वर्तमान में, फतेहाबाद, जींद, झज्जर, मेवात, नारनौल और पलवल में कैंप कोर्ट आयोजित किए जा रहे हैं। जबकि चरखी दादरी एकमात्र ऐसा जिला है, जहां कोई नियमित/कैंप कोर्ट आयोजित नहीं किया जा रहा है। इसलिए, चरखी दादरी, फतेहाबाद, जींद, झज्जर, मेवात, नारनौल और पलवल जिलों के लिए 7 और स्थायी लोक अदालतों की स्थापना की अनुमति दी गई है। उन्होंने बताया कि स्थायी लोक अदालतों (सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएं) की स्थापना हेतु 3 करोड़ 87 लाख से अधिक और जन उपयोगी सेवाओं के लिए 35 लाख रूपये (प्रत्येक स्थायी लोक अदालत के लिए 5 लाख रुपये) की राशि को स्वीकृति प्रदान की गइ है। चरखी दादरी, फतेहाबाद, जींद, झज्जर, मेवात, नारनौल और पलवल में अध्यक्षों, सदस्यों और कर्मचारियों के पदों के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। जिसमें इन 7 जिलों में स्थायी लोक अदालत के लिए 7 अध्यक्ष (प्रत्येक स्थायी लोक अदालत के लिए 1 अध्यक्ष), 14 सदस्य (प्रत्येक स्थायी लोक अदालत के लिए 2 सदस्य), 7 रीडर, 7 स्टेनो टाइपिस्ट, 14 प्रोसेस सर्वर्स और 14 चपरासी के पद है। गौरतलब है कि हरियाणा में 22 जिले हैं। हरियाणा सरकार ने समय-समय पर अंबाला, पंचकूला, रोहतक, गुरुग्राम, फरीदाबाद, हिसार, करनाल, रेवाड़ी, पानीपत, सिरसा, भिवानी, कैथल, कुरुक्षेत्र, सोनीपत और यमुनानगर में 15 स्थायी लोक अदालतों, सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं की स्थापना के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की हुई है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप व्यवसाय में किसी नये भागीदार को जोड़ने पर विचार कर रहे हैं, तो यह ज़रूरी होगा कि उससे कोई भी वादा करने से पहले आप सभी तथ्य अच्छी तरह जाँच लें। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। दफ़्तर के कामकाज में ज़्यादा व्यस्तता के चलते अपने जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता तनावपूर्ण हो सकता है। आज आप नए प्रोजेक्ट को शुरू करेंगे जो पूरे परिवार के लिए समृद्धि लेकर आएगा। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। लेकिन ऐसे ख़ुदगर्ज़ और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इज़ाफ़ा कर सकता है। आज आपको अपना धन खर्च करने की जरुरत नहीं पड़ेगी क्योंकि घर का कोई बड़ा आज आपको धन दे सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। जीवनसाथी के रिश्तेदारों का दख़ल वैवाहिक जीवन का सन्तुल बिगाड़ सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका व्यक्तित्व आज सबको आकर्षित करेगा। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। दूर के रिश्तेदार से जिस संदेश की काफ़ी समय से उम्मीद थी, वह अच्छी ख़बर पूरी परिवार को ख़ुशियों से भर देगी। आपके साझीदार आपकी नई योजनाओं और विचारों का समर्थन करेंगे। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। उनपर ग़ौर करें, यह बात आपको ख़ुद-ब-ख़ुद दिख जाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते हैं। विदेश में रह रहे किसी रिश्तेदार से मिला तोहफ़ा आपके लिए ख़ुशी लेकर आएगा। अगर आप अपने लक्ष्यों को पाने के लिए एकाग्रता सए ध्यान केंद्रित करेंगे तो आपकी उपलब्धियाँ आपकी उम्मीदों से ज़्यादा होंगी। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। लेकिन ऐसे ख़ुदगर्ज़ और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इज़ाफ़ा कर सकता है। जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आपको ख़ुशी से भरी शादीशुदा ज़िन्दगी की एहमियत का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद-विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके सामने नई चुनौतियाँ आएंगी- ख़ास तौर पर अगर आप कूटनीतिक तरीक़े से चीज़ों को नहीं इस्तेमाल करेंगे तो। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी - जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे- आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाएगा । दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सुकून हासिल करने लिए कुछ पल क़रीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी-ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। दोस्त और घर वाले आपको प्यार और सहयोग देंगे। वरिष्ठों का सहयोग और तारीफ़ आपके आत्मविश्वास और उत्साह को दोगुना कर देंगे। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। आज आपको अपने जीवनसाथी से भरपूर सहयोग मिलेगा।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 22 जनवरी 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी सायं 03:21 तक
नक्षत्र : स्वाति रात्रि 02:35 तक
योग : शूल रात्रि 04:36 तक
करण : कौलव सायं 03:21 तक
चन्द्र राशि : तुला
सूर्योदय : 06:49, सूर्यास्त 06:05 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46 , सूर्यास्त 06:16 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 06:07 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 05:58 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : बुधाष्टमी सुयोग

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सपरिवार संगम में लगाई डुबकी

गौतम अडाणी ने की श्रद्धालुओं की सेवा, बांटी गीता की लाखों प्रतियां

कुमार विश्वास बोले, भारत के विश्वगुरु बनने की प्रेरणा देगा महाकुंभ

महाकुंभ नगर, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 के तहत संगम घाट पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास ने औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के साथ संगम के पवित्र जल में पुण्य की डुबकी लगाई। वहीं, देश के शीर्ष उद्योगपति गौतम अडाणी ने श्रद्धालुओं के लिए चल रहे भंडारे में सेवा की और फिर बड़े हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अपनी पत्नी और पुत्री के साथ संगम की पवित्र त्रिवेणी में स्नान किया। इस दौरान मंत्री नंदी ने स्वयं उनका हाथ पकड़कर स्नान में सहयोग किया। स्नान के बाद मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने सपरिवार मां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की पूजा-अर्चना की। उन्होंने महाकुंभ की भव्यता और दिव्यता की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन भारत की आध्यात्मिक धरोहर और सांस्कृतिक समृद्धि का उत्कृष्ट उदाहरण है। पूर्व राष्ट्रपति ने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' की अवधारणा को देश के आर्थिक विकास के लिए गेम चेंजर बताया। उन्होंने कहा कि इससे देश की जीडीपी और आर्थिक स्थिति में व्यापक सुधार होगा।

डॉ. कुमार विश्वास ने मां गंगा का जयकारा लगाते हुए स्नान किया। उन्होंने गंगा के महात्म्य पर अपनी कविता से सबको मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का यह आयोजन 144 वर्षों के बाद आया दुर्लभ संयोग है, जो भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में प्रेरणा देगा। उन्होंने सभी से राजनीतिक भेदभाव भूलकर इस सर्वसमावेशी आयोजन में भाग लेने का आह्वान किया। डॉ. कुमार विश्वास ने कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का सार है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल धार्मिक, बल्कि सामाजिक समरसता का परिचायक है, जो पूरे विश्व को एक नई दिशा देगा।

उद्योगपति गौतम अडाणी ने इस्कॉन द्वारा संचालित इस्कॉन रसोई में सेवा की और श्रद्धालुओं को खाना खिलाया। उन्होंने महाकुंभ को अद्भुत, अद्वितीय, एवं अलौकिक कहा। उन्होंने कहा कि प्रयागराज आकर ऐसा लगा मानो पूरी दुनिया की आस्था, सेवाभाव और संस्कृतियां यहीं मां गंगा की गोद में आकर समाहित हो गयी हैं।

कुंभ की भव्यता और दिव्यता सजीव बनाए रखने वाले सभी साधु, संत, कल्पवासी एवं श्रद्धालुओं की सेवा में तत्पर शासन-प्रशासन, सफाई कर्मियों और सुरक्षा बलों को मैं हृदय से धन्यवाद देता हूं। मां गंगा का आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे। गौतम अडाणी संगम और हनुमान जी के दर्शन करते हुए शंकर विमान मंडपम पहुंचे, जहां मुख्य द्वार पर 21 वैदिक ब्राह्मणों ने वैदिक वेलकम किया। उन्होंने विमान मंडपम मंदिर प्रांगण में मौजूद गीता प्रेस की आरती संग्रह पगोडा पर श्रद्धालुओं बातचीत भी की।

उधर, राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति ने अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए तीन दिन तक पवित्र स्नान और तर्पण करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा, मैंने कल पवित्र स्नान किया, आज भी करूंगी और कल फिर करूंगी। मेरे नाना, नानी, दादा-दादी यहां नहीं आ सके, इसलिए उनकी ओर से तर्पण कर रही हूं। यह मेरे लिए गर्व और खुशी की बात है। सुधा मूर्ति ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा, योगी जी और उनकी टीम ने यहां बहुत अच्छा काम किया है। मैं उनके लंबे जीवन की कामना करती हूं।

महाकुंभ में पहली बार प्रदर्शित होती एनिमेटेड फिल्म

रामायण : द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम का होगा प्रदर्शन

महाकुंभ नगर, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भव्य और दिव्य महाकुंभ में इस बार कई नई पहल की जा रही हैं। इसी क्रम में महाकुंभ मेले के इतिहास में पहली बार किसी एनिमेटेड फिल्म का प्रदर्शन होने जा रहा है। महाकुंभ मेले में एक ऐतिहासिक पहल के तहत इंडो-जापानी एनिमेटेड फिल्म रामायण : द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम का हिंदी संस्करण प्रदर्शित किया जाएगा। यह विशेष स्क्रीनिंग मुख्य अतिथि और प्रदेश सरकार में समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण की उपस्थिति में 22 जनवरी बुधवार को सुबह 10:00 बजे

दिव्य प्रेम सेवा शिविर, सेक्टर 6, नेत्र कुंभ के पास आयोजित होगी।

फिल्म भगवान श्रीराम की अद्वितीय गाथा, उनकी निष्ठा और अधर्म पर धर्म की विजय को जीवंत रूप में प्रस्तुत करती है। यह महाकुंभ मेले में बच्चों के लिए खास तौर पर आयोजित की जा रही है। आयोजनकर्ताओं के अनुसार, यह फिल्म परिवारों और हर आयु वर्ग के दर्शकों के लिए प्रेरणादायक और मनोरंजक होगी। यह फिल्म 24 जनवरी 2025 को देशभर में रिलीज़ की जाएगी। महाकुंभ में इसका प्रदर्शन इसे और अधिक विशेष बनाता है। इस अद्भुत सिनेमाई अनुभव का आनंद लेने के लिए श्रद्धालु सुबह 10 बजे दिव्य प्रेम सेवा शिविर, सेक्टर 6 में आ सकते हैं।

संभल हिंसा में बिलाल-अयान की हत्या करने वाला मुल्ला अफरोज गिरफ्तार

संभल, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

संभल में नवम्बर में माह में हुई हिंसा में दो लोगों की हत्या करने के आरोपी मुल्ला अफरोज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मुल्ला अफरोज ने पुलिस को निशाना बनाकर गोली चलाई थी लेकिन यह दो मुस्लिम युवकों के लगी, जिससे वह मारे गए। अफरोज शारिक साठा गैंग का गुर्गा है। पुलिस ने उसके पास से हथियार भी बरामद किए हैं।

यूपी पुलिस ने जिस मुल्ला अफरोज को पकड़ा, वह संभल शहर का ही रहने वाला है। उसके पास से पुलिस को 32 बोर की एक पिस्टल और पुलिस से लूटे गए कारतूस भी बरामद हुए हैं। मुल्ला अफरोज दुबई में रहने वाले ऑटोलिफ्टर गैंग के सरगना

शारिक साठा का गुर्गा है। उसने पुलिस पूछताछ में बताया है कि शारिक साठा ने ही उन लोगों को हथियार मुहैया करवाए थे और हिंसा की साजिश रची थी। मुल्ला अफरोज ने बताया है कि शारिक साठा ने एक साथी के जरिए हिंसा का पूरा प्लान खींचा था और 24 नवम्बर, 2024 को मस्जिद के बाहर नेताओं द्वारा इकट्ठा भीड़ को निशाना बनाने की बात कही थी।

मुल्ला अफरोज ने बताया है कि इस साजिश के तहत 10-20 लोगों की हत्या की जानी थी, जिसमें आमलोगों और पुलिस को निशाना बनाया जाना था। मुल्ला अफरोज के अलावा और भी लोगों को इस काम के लिए हथियार मिले थे। जब 24 नवम्बर, 2024 को मस्जिद के बाहर मुस्लिम भीड़ ने हिंसा चालू की तो इसी में शामिल अफरोज फायरिंग करने लगा। अफरोज ने पुलिस को निशाना बनाया लेकिन भगदड़ मचने के कारण यह गोली बिलाल और अयान को लग गई और वह मौके पर ही मारे गए। इस हत्या के लिए उसने 32 बोर का एक हथियार उपयोग किया था। इसके बाद वह छिप गया था। पुलिस ने अब उसे ढूंढ़ निकाला है।

मुल्ला अफरोज की गिरफ्तारी के बाद इस हिंसा में हुई मौतों के लिए पुलिस को जिम्मेदार बताने वालों के भी मुंह सिल गए हैं। पुलिस पहले ही बता चुकी है कि आपसी फायरिंग में ही इस हिंसा में 4 लोग मारे गए थे। हालांकि, मृतकों के परिवार समेत बाकी कांग्रेस के नेताओं ने पुलिस वालों पर ही मुकदमा दर्ज करने की बात कही थी। पुलिस शारिक साठा गैंग की भी संलिप्तता भी बता चुकी है। शारिक साठा संभल का रहने वाला है और देश के कुख्यात ऑटोलिफ्टर में से एक है। वह भारत से लक्ज़री गाड़ियां चुरा कर नेपाल और बाकी जगह भेजता था। उसे पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था लेकिन बाद में वह फर्जी पासपोर्ट के सहारे दुबई भाग गया था।

पुलिस ने संभल हिंसा मामले में मुल्ला अफरोज के अलावा 9 पत्थरबाज भी पकड़े हैं। इन सभी को पुलिस ने जेल भेज दिया है। पुलिस ने बताया है कि अब तक वह हिंसा मामले में 70 उपद्रवी पकड़ चुकी है। पुलिस इस हिंसा के बाकी आरोपितों की भी पहचान कर दबिश दे रही है।

गंगा संरक्षण और जागरूकता का केंद्र बना नमामि गंगे पवेलियन

महाकुंभ नगर, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ-2025 में नमामि गंगे मिशन द्वारा प्रयागराज में स्थापित नमामि गंगे पवेलियन में प्रतिदिन काफी संख्या में दर्शकों आ रहे हैं। यह पवेलियन गंगा नदी की स्वच्छता और संरक्षण के लिए जागरूकता फैलाने का अभिनव माध्यम बन चुका है। इस पवेलियन की शुरुआत इंटरएक्टिव बायोडायवर्सिटी टनल से होती है, जो आगंतुकों को गंगा की जैव विविधता और प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव कराती है। आधुनिक प्रोजेक्शन तकनीक से सुसज्जित यह टनल गंगा के तटों पर रहने वाले पक्षियों की चहचहाहट और जीवनदायिनी गंगा की महत्ता को दर्शाती है।

पवेलियन का मुख्य आकर्षण डिजिटल प्रदर्शनी है, जिसमें गंगा की स्वच्छता और संरक्षण के लिए किए गए विभिन्न प्रयासों को रोचक और शिक्षाप्रद तरीके से प्रदर्शित किया गया है। प्रयाग मंच,जो गंगा-यमुना और उनकी सहायक नदियों के रियल-टाइम डेटा का प्रदर्शन करता है, यह भी यहां का प्रमुख आकर्षण है। इस मंच पर नदी के जल स्तर, स्वच्छता और

प्रदूषण से संबंधित आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं।

पवेलियन में गंगा के किनारों पर किए गए रिवरफ्रंट डेवलपमेंट और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की कार्यप्रणाली को भी दर्शाया गया है। यह प्रदर्शनी आगंतुकों को यह समझने में मदद करती है कि गंगा की स्वच्छता को बनाए रखने के लिए सरकार और संगठनों द्वारा किस प्रकार से तकनीकी और संरचनात्मक प्रयास किए जा रहे हैं। नमामि गंगे पवेलियन में गंगा नदी में पाए जाने वाले जीव-जंतुओं जैसे गांगेय डॉल्फिन, कछुए, मगरमच्छ और मछलियों की प्रतिकृतियां भी प्रदर्शित की गई हैं। यह पहल खासकर बच्चों और युवाओं के लिए ज्ञानवर्धक साबित हो रही है, जिससे वे गंगा की जैव विविधता और उसके संरक्षण के महत्व को समझ पा रहे हैं।

प्रदर्शनी में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) द्वारा विशेष रीडिंग कॉर्नर स्थापित किया गया है, जहां गंगा, महाकुंभ, समाज नीति और राष्ट्रीय गौरव से संबंधित पुस्तकों का संग्रह उपलब्ध है। यह कोना गंगा की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्ता को जानने के इच्छुक लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। भारतीय वन्यजीव संस्थान, गंगा टास्क फोर्स और आईआईटी दिल्ली जैसे संस्थानों द्वारा गंगा के विलुप्त प्रजातियों के संरक्षण, जन जागरूकता और अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित जानकारियां साझा की जा रही हैं। यह जानकारी गंगा के महत्व को रेखांकित करने और लोगों को जागरूक करने का काम कर रही है। पवेलियन में श्री गणेश और उनके वाहन मूसक की मूर्ति स्थापित है, जो गंगा की पवित्रता और स्वच्छता का संदेश देती है। यह मूर्ति सांस्कृतिक और भावनात्मक जुड़ाव को प्रबल बनाती है। नमामि गंगे मिशन ने महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की है कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि भारत की संस्कृति, इतिहास और आर्थिक जीवन का अभिन्न अंग है। इसे स्वच्छ और संरक्षित रखना हर नागरिक का कर्तव्य है। यह अत्याधुनिक और रचनात्मक पवेलियन न केवल गंगा के महत्व को समझाने में सफल हो रहा है, बल्कि महाकुंभ-2025 के मुख्य आकर्षणों में से एक बन गया है।

शामली में हुआ जोरदार एनकाउंटर

एक लाख के इनामी अरशद समेत चार बदमाश ढेर

गोली लगने से इंस्पेक्टर सुनील कुमार गंभीर रूप से घायल

शामली, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

यूपी एसटीएफ ने मेरठ में मुस्तफा कग्गा गैंग से जुड़े 4 बदमाशों को एनकाउंटर में ढेर कर दिया है। इनमें से एक बदमाश पर 1 लाख रुपए का इनाम घोषित था। मुठभेड़ में इंस्पेक्टर सुनील कुमार को भी गोली लगी। उन्हें इलाज के लिए पहले करनाल के अमृतधारा अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें गुड़गांव के मेदांता अस्पताल में रेफर कर दिया गया। उनके पेट में दो गोलियां लगी हैं।

सोमवार देर रात झिंझाना के उदपुर गांव के जंगल में एसटीएफ और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई, जिसमें मुस्तफा गैंग का एक लाख का इनामी अरशद और उसके तीन साथी गोली लगने से ढेर हो गए। चारों की मौके पर ही मौत हो गई। बदमाशों की गोली लगने से इंस्पेक्टर सुनील कुमार घायल हो गए, जिनकी हालत गंभीर है। सोमवार देर रात एसटीएफ मेरठ को सूचना मिली कि शामली के झिंझाना क्षेत्र में बदमाश लूट के इरादे से जा रहे हैं। सूचना पाते ही एसटीएफ मौके पर पहुंची। एसटीएफ के सूत्रों ने बताया कि उदपुर के ईंट भट्ठे के पास ब्रेजा कार सवारों को रोकने का प्रयास किया। आरोप है कि इसी बीच कार सवारों ने एसटीएफ टीम पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। दोनों ओर से काफी देर तक फायरिंग होती रही। सहारनपुर के गंगोह के एक लाख के इनामी मुकीम और मुस्तफा उर्फ कग्गा गैंग का सदस्य अरशद गोली लगने से घायल हो गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इसके अलावा अरशद का साथी सोनीपत का मंजीत और हरियाणा के मधुबन का रहने वाला सतीश और एक अन्य को भी गोली लगी। इन तीनों की भी मौके पर मौत हो गई। सूचना पाते ही डीआईजी अजय साहनी, एसपी शामली रामसेवक गौतम मौके पर पहुंचे। बदमाशों के पास से पिस्टल, तमंचे भी बरामद किए गए हैं। वहीं बदमाशों की फायरिंग में इंस्पेक्टर सुनील कुमार को गोली लगी है। उन्हें गुरुग्राम के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एसटीएफ के अनुसार, सोनीपत के मनजीत को किसी मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई हुई है। वह पैरोल पर जेल से बाहर आया हुआ था। बाहर आने के बाद वारदातों को अंजाम दे रहा था। अब झिंझाना क्षेत्र में किसी बड़ी वारदात को करने की फिराक में बदमाश थे। एसटीएफ के अनुसार, एक लाख के इनामी अरशद पर शामली के अलावा सहारनपुर, हरियाणा के पानीपत में भी लूट, हत्या और अन्य मामले दर्ज हैं।

मुठभेड़ रात करीब 2 बजे हुई। थाना झिंझाना क्षेत्र में एसटीएफ ने अरशद बाढ़ी माजरा सहारनपुर व उसके तीन साथियों मंजीत, सतीश और एक अन्य को घेर लिया। इस दौरान अरशद और उसके साथियों ने टीम पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। इस जवाबी फायरिंग में चारों बदमाशों की मौत हो गई। एसटीएफ के एएसपी ब्रिजेश कुमार ने बताया कि इनमें से अरशद पर एक लाख का इनाम था। मुठभेड़ में कुल 4 बदमाशों को एसटीएफ ने ढेर कर दिया। चौथे बदमाश की अभी तक पहचान नहीं की जा सकी है। इसके अलावा तीन में एक अरशद पुत्र जमील निवासी बाढ़ी माजरा सहारनपुर, मंजीत पुत्र मेहताब, हरियाणा और सतीश पुत्र राजसिंह निवासी करनाल का नाम शामिल है। अरशद के खिलाफ पहले से ही लूट, डकैती व हत्या के एक दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं।

रोजगार के अवसर देने लगा है सोनमर्ग

जम्मू, 21 जनवरी (ब्यूरो)। मध्य कश्मीर के गंदरबल जिले में स्थित प्रसिद्ध सोनमर्ग हिल स्टेशन, सिर्फ एक पर्यटन स्थल से कहीं बढ़कर बनकर उभरा है। यह स्नातक और स्नातकोत्तर सहित हज़ारों शिक्षित युवाओं के लिए आजीविका का स्रोत बन गया है, जिन्होंने इस क्षेत्र के समृद्ध पर्यटन क्षेत्र में रोज़गार के अवसर पाए हैं।

इस साल की शुरुआत में, सोनमर्ग में पर्यटकों की अच्छी-खासी आमद देखी गई, जिससे व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला और युवाओं को अपनी आजीविका कमाने के अवसर मिले। इनमें से कई व्यक्ति, एमए, बी.एड. और एम.एड. जैसी डिग्री रखने के बावजूद, अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए पर्यटन से जुड़े उपक्रमों की ओर मुड़ गए हैं।

एक स्थानीय स्नातक ने बताया कि अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) के माध्यम से सरकारी नौकरी के लिए आवेदन किया, लेकिन अभी तक उन्हें कोई नौकरी नहीं मिली है। उन्होंने कहा, मैंने सिर्फ सरकारी नौकरी पर निर्भर न रहने का फैसला किया और सोनमर्ग में काम करना शुरू कर दिया, जहाँ मैं पर्यटकों को रील जैसी सेवाएं प्रदान करता हूं। इससे मुझे अपने लक्ष्य को प्राप्त करने तक अपने परिवार का भरण-पोषण करने में मदद मिलती है। उसका कहना था कि सोनमर्ग में स्नो बाइकिंग, स्लेजिंग, घुड़सवारी और अन्य छोटे पैमाने की व्यावसायिक गतिविधियों सहित कई अवसर उपलब्ध हैं, जो उनके जैसे युवाओं को एक स्थिर आय अर्जित करने में मदद करते हैं।

एक अन्य युवा ने सोनमर्ग सुरंग के स्थायी रूप से खुलने के कारण सोनमर्ग की पहुंच में परिवर्तन की बात कही। इससे पहले, भारी बर्फबारी और हिमस्खलन के कारण सर्दियों में सड़क बंद रहती थी, खासकर हंग स्पॉट पर। अब, सुरंग के साल भर चालू रहने से इस क्षेत्र के पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को काफी बढ़ावा मिला है।

उन्होंने साल भर की कनेक्टिविटी पर अपनी खुशी व्यक्त की, सर्दियों के गंतव्य के रूप में सोनमर्ग की अपील को बढ़ाने की इसकी क्षमता पर जोर दिया। स्कीइंग, आइस स्केटिंग, स्नोशू ट्रेकिंग और अन्य खेल जैसी शीतकालीन पर्यटन गतिविधियां अब संभव हैं, जो ठंड के महीनों में सोनमर्ग के आकर्षण को और बढ़ा देती हैं।

स्थानीय समुदाय ने पर्यटन पर निर्भर लोगों के लिए सतत विकास और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र को और विकसित करने के लिए अतिरिक्त सरकारी पहलों का आह्वान किया है। एक अन्य युवा ने कहा, उचित बुनियादी ढांचे और समर्थन के साथ, सोनमर्ग देश के शीर्ष शीतकालीन खेल स्थलों में से एक बन सकता है।

जम्मू कश्मीर में गणतंत्र दिवस की तैयारियां

26 जनवरी को घटना रहित बनाने की कवायद

जम्मू, 21 जनवरी (ब्यूरो)। गणतंत्र दिवस समारोह से पहले, जम्मू कश्मीर में अधिकारियों ने सुरक्षा उपाय तेज कर दिए हैं, क्षेत्र में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए राजमार्गों और महत्वपूर्ण सड़कों पर अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया है।

उप राज्यपाल मनोज सिन्हा 26 जनवरी को जम्मू के एमए स्टेडियम में मुख्य गणतंत्र दिवस समारोह की अध्यक्षता करेंगे और सलामी लेंगे। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि 26 जनवरी के समारोह को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

हम पहले से ही अलर्ट पर हैं और घाटी में घटना-मुक्त गणतंत्र दिवस समारोह चाहते हैं। अधिकारी बताते थे कि कार्यक्रम के शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम स्थल के आसपास कड़े सुरक्षा उपाय लागू किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि बख्शी स्टेडियम के मुख्य द्वार से लेकर सटीक कार्यक्रम स्थल तक कई चौकियां स्थापित की गई हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) दोनों ने श्रीनगर और घाटी के अन्य हिस्सों में विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर गश्त बढ़ा दी है, वाहनों की जांच तेज कर दी है और तलाशी बढ़ा दी है।

उन्होंने बताया कि जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, जिसे डिजिटल निगरानी और प्रमुख स्थानों पर रणनीतिक रूप से लगाए गए सीसीटीवी कैमरों से सहायता मिल रही है। ये उपाय आवाजाही की पूरी निगरानी सुनिश्चित करते हैं और स्थितिजन्य जागरूकता को बढ़ाते हैं। अधिकारियों ने बताया कि बख्शी स्टेडियम के बाहर मानव खुफिया और उन्नत तकनीकों जैसे कि हाई-एंड ड्रोन और सीसीटीवी से लैस वाहनों को शामिल करते हुए तीन-स्तरीय सुरक्षा प्रणाली लागू की है।

अधिकारियों ने बताया कि आगंतुकों के प्रबंधन के लिए अस्थायी बंकर बनाए गए हैं, जबकि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों (एसएसपी) को अपने-अपने क्षेत्रों में कड़ी सतर्कता बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय सुरक्षा समीक्षा, रोड ओपनिंग पार्टी (आरओपी) और राजमार्गों और सीमावर्ती गांवों में गहन गश्त समग्र सुरक्षा योजना का अभिन्न अंग हैं।

मारा गया एक करोड़ का इनामी

छत्तीसगढ़-ओड़ीशा बॉर्डर पर अब तक 15 नक्सली ढेर

रायपुर, 21 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़-ओडीशा बॉर्डर स्थित गरियाबंद में सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में अब तक 15 नक्सली ढेर हो गए हैं। मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी सफलता मिली है। अभी भी मुठभेड़ जारी है।

मारे गए नक्सलियों की संख्या और भी बढ़ सकती है। इससे पूर्व बीजापुर में सुरक्षा बलों ने 18 नक्सलियों को मार गिराया था। सभी मारे गए नक्सलियों के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। रविवार सुबह से मंगलवार की सुबह तक रुक-रुक कर फायरिंग हो रही है।

गरियाबंद जिले के कुल्हाड़ी घाट स्थित भालू डिग्गी जंगल में कुल एक हजार से अधिक जवानों ने 60 से अधिक नक्सलियों को चारों तरफ से घेर रखा है। यह मामला मैनपुर थाने इलाके का बताया जा रहा है। मुठभेड़ में सीआरपीएफ के कोबरा यूनिट का एक जवान भी घायल हुआ है, जिसे एयर लिफ्ट करके रायपुर लाया जा रहा है। इससे पहले रविवार को हुई मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर किए गए थे वहीं एक जवान भी घायल हुआ था।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक्स पर पोस्ट साझा कर लिखा कि गरियाबंद जिले के मैनपुर थाना अंतर्गत कुल्हाड़ीघाट क्षेत्र में सुरक्षाबलों की नक्सलियों के साथ रविवार रात से अब तक जारी मुठभेड़ में 10 से अधिक नक्सलियों के मारे जाने की खबर है।

मार्च 2026 तक देश-प्रदेश में नक्सलवाद के खात्मे के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और माननीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प को मजबूती प्रदान करते हुए सुरक्षाबल के जवान निरंतर सफलता हासिल कर लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। जवानों को मिली यह कामयाबी सराहनीय है। उनकी बहादुरी को सलाम करता हूं। हमारी डबल इंजन की सरकार में निश्चित ही हमारा छत्तीसगढ़ मार्च 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त होकर रहेगा।

गरियाबंद में सुरक्षा बल नक्सली मुठभेड़ में एक करोड़ का इनामी नक्सली जयराम उर्फ चलपती मारा गया है। वह नक्सलियों के केंद्रीय कमेटी मेंबर बताया जा रहा है। अब तक 14 से अधिक महिला / पुरुष नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मारे गए नक्सलियों में माओवादियों के सीनियर कैडर शामिल हैं, जिनकी शिनाख्त की जा रही है। एनकाउंटर में एसएलआर राइफल जैसे ऑटोमैटिक हथियार बरामद किए गए हैं। नक्सल विरोधी सर्च अभियान में गरियाबंद ऑपरेशन ग्रुप ई30,कोबरा 207, सीआरपीएफ 65 एवं 211 बटालियन, एसओजी नुआपाड़ा की संयुक्त पार्टी कुल्हाड़ीघाट क्षेत्र में रवाना हुई थी।

सुरक्षाबलों का दावा है कि इस मुठभेड़ में नक्सलियों के कई इनामी लीडर्स मारे गए हैं। छत्तीसगढ़ और ओड़ीशा फोर्स की ओर से जॉइंट ऑपरेशन चलाया गया था, इसमें कुल 10 टीम में शामिल थीं। तीन टीम ओड़ीशा से दो छत्तीसगढ़ पुलिस से और सीआरपीएफ की पांच टीम इस मुठभेड़ में शामिल रहीं। मुठभेड़ की सूचना पर फोर्स के वरिष्ठ अधिकारी मैनपुर पहुंच गए हैं। पूरे एरिया में फोर्स की तैनाती की गई है। इसके अलावा तीन आईडी भी बरामद की गई है।

तमिलनाडु के मुरुगन मंदिर में जानवरों की कुर्बानी देने की साजिश फेल

चेन्नई, 21 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के थिरुपरनकुंद्रम जिले में पवित्र मदुरै पहाड़ी पर मुस्लिमों ने पशुओं की कुर्बानी देने की कोशिश की, जिसे पुलिस ने विफल कर दिया। पुलिस ने हिंदू संगठनों की शिकायत के बाद कुर्बानी देने से रोका। मदुरै पहाड़ी पर पशुओं की कुर्बानी बैन आतंकी संगठन पीएफआई के पॉलिटिकल विंग एसडीपीआई के लोग देने वाले थे। बता दें कि पीएफआई यानी पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) को बैन करने के बाद इससे जुड़े लोगों ने सोशल डेमोक्रेटिकल पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) बनाई है।

एसडीपीआई के सदस्यों द्वारा पवित्र मंदिर क्षेत्र में स्थित एक दरगाह पर कुर्बानी देने की प्लानिंग की गई थी। इसके बारे में इंदु मक्कल कच्ची (आईएमके) के मदुरै जिलाध्यक्ष सोलैकन्नन ने कमिश्नर लोगनाथन को सूचना दी थी और लिखित में कुर्बानी रोकने की मांग की थी। इस पवित्र पहाड़ी पर मुरुगन मंदिर स्थित है, तो मुस्लिमों के लिए कथित सिकंदर बादशाह (बादशाह) की मजार भी है। इसी मजार पर बकरों और मुर्गियों की बलि देने की तैयारी की जा रही थी। कमिश्नर को दी गई अपनी शिकायत में सोलैकन्नन ने लिखा, मदुरै में थिरुपरनकुंद्रम सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर पहाड़ी एक प्राचीन स्थल है और हिंदुओं के लिए इसका बहुत धार्मिक महत्व है। यहां का हिंदू समुदाय हर पूर्णिमा पर पहाड़ी की पूजा और गिरिवलम (परिक्रमा) करता रहा है। ऐसे में यहां कुर्बानी जैसी चीजें रोकी जाए।

तुरंत ही सक्रिय हुई पुलिस ने इस्लामिक समूह को बकरों और मुर्गियों की कुर्बानी देने से रोक दिया। पुलिस ने कहा कि इस मजार पर सिर्फ नमाज या दुआ पढ़ी जा सकती है, कुर्बानी नहीं दी जा सकती।

बीते सप्ताह इस्लामी संगठनों से जुड़े लोगों ने राजस्व अधिकारियों और जिला प्रशासन से मुलाकात की थी और सिकंदर बादुशाह दरगाह पर कुर्बानी की अनुमति मांगी थी, लेकिन मदुरै जिला प्रशासन ने दरगाह पर सिर्फ नमाज अदा करने की अनुमति दी।

दरअसल, इस्लामी संगठनों की कोशिश का हिंदू विरोध कर रहे हैं। हिंदुओं का कहना है कि मदुरै पहाड़ी पर स्थित मंदिर भगवान मुरुगन के 6 पवित्र निवासों में से एक है। ऐसे में यहां कुर्बानी नहीं दे सकते। उन्होंने आरोप लगाया कि मुस्लिम लोग इस मंदिर को अपवित्र कर इस्लामी स्वरूप देना चाहते हैं।

इस मामले में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई का भी बयान आया है। उन्होंने एक्स पर लिख कि कुछ लोग थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी को सिकंदर मलाई (पहाड़ी) कह रहे हैं। भाजपा नेता ने सत्तारूढ़ डीएमके पर मुस्लिम तुष्टिकरण में लिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने धार्मिक मान्यताओं की परवाह किए बिना थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर शांति बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया।

इस मामले में ताजा विवाद 27 दिसंबर 2024 को शुरू हुआ, जब कुछ मुस्लिमों ने थिरुपरनकुंड्रम मुरुगम मंदिर पहाड़ियों पर स्थित दरगाह परिसर में कुर्बानी के लिए बकरे और मुर्गियां ले जाने की कोशिश की।

इस मामले में तमिलनाडु पुलिस ने मलैयांडीपट्टी निवासी सैयद अबू दाहिर और उसके परिवार को पहाड़ी के नीचे ही रोक लिया, जिसके बाद 20 से अधिक मुस्लिमों ने प्रदर्शन भी किया था।

इसके बाद इस महीने की शुरुआत में सिकंदर मस्जिद समिति और ऐय्यकिया कूटामाइप्पू जमात के 100 से ज़्यादा सदस्यों को मस्जिद खोलने और वहां नमाज पढ़ने की अनुमति मांगते हुए विरोध प्रदर्शन किया था, जिन्हें पुलिस ने हिरासत में भी लिया था। प्रदर्शन कर रहे मुस्लिमों ने 5 जनवरी 2025 को दावा किया कि सुल्तान सिकंदर ने लगभग 400 साल पहले सिकंदर बादुशाह थोझुगई पल्लीवासल को बनवाया था।

थिरुपरनकुंद्रन पहाड़ी की चोटी पर काशी विश्वनाथ मंदिर, एक लैंप पोस्ट और एक पवित्र कल्लथी वृक्ष है। अंग्रेज प्रशासन ने भी फैसला दिया था कि थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी का मालिक सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर है।

अंग्रेजों ने कहा था कि पहाड़ी के आसपास स्थित जैन मंदिरों और शिलालेखों की सुरक्षा के लिए इस पूरे क्षेत्र को पुरातत्व विभाग के अधिकार क्षेत्र में रखा जाना चाहिए।

लेकिन साल 2011 से इस्लामी संगठन एसडीपीआई थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर लैंप पोस्ट के पास झंडा लगाने का विरोध कर रहा है और अब पवित्र पहाड़ी पर कुर्बानी देने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में ये पवित्र पहाड़ी को इस्लामी मजहबी स्थल बनाने की कोशिश नहीं तो क्या है?

स्थानीय हिंदुओं का आरोप है कि स्थानीय मुस्लिमों ने समय के साथ पहाड़ी के कुछ हिस्सों पर अतिक्रमण कर लिया। तमिलनाडु सरकार भी इस मामले में तुष्टिकरण करती है।

बता दें कि एसडीपीआई प्रतिबंधित आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की राजनीतिक शाखा है। इस संगठन से जुड़े लोग हिंदुओं के खिलाफ अपराधों में शामिल रहे हैं। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि पीएफआई के लोग मुखौटा संगठनों की आड़ में आतंकी वारदातों में शामिल रहे हैं। यही वजह है कि गृह मंत्रालय ने पीएफआई पर बैन लगाया हुआ।

सैफ अली खान के घर से मिले बांग्लादेशी शरीफुल के 19 फिंगरप्रिंट

मुंबई, 21 जनवरी (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हमला करने वाले बांग्लादेशी शरीफुल इस्लाम के फिंगरप्रिंट घटनास्थल पर मिले फिंगरप्रिंट से मैच हो गए हैं। सैफ अली खान के घर से उसके 19 फिंगरप्रिंट मिले हैं। शरीफुल इस्लाम को पुलिस सैफ के घर पर अपराध का नाट्य रूपांतरण करने के लिए ले गई थी।

शरीफुल इस्लाम बांग्लादेशी घुसपैठिया है जो भारत में विजय दास का नाम लेकर घूम रहा था। पहचान साफ़ होने के बाद उसे विजय दास बताने वालों के मुंह पर ताले लग गए हैं। पुलिस को पता चला है कि उसने किसी दूसरे व्यक्ति के नाम से एक सिम कार्ड भी ले लिया था। शरीफुल इस्लाम बांग्लादेश में कुश्ती का खिलाड़ी था। वह भारत में एक नदी के रास्ते घुसा था। शरीफुल इस्लाम की बांग्लादेशी नागरिकता की पुष्टि करने वाले कागज भी मुंबई पुलिस को मिल गए हैं। शरीफुल इस्लाम पश्चिम बंगाल में कुछ दिनों तक घूमा था। वह सैफ के घर हमला करने के बाद एक और घर में घुसा था। इससे पहले उसने मुंबई में कुछ दिनों तक अलग अलग जगह तक काम किया था।

नोबेल शांति पुरस्कार की गरिमा बचाएं मोहम्मद यूनुस: कैलाश सत्यार्थी

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने स्पष्ट कहा कि बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित हैं, लेकिन वे इस पुरस्कार की गरिमा बचा कर नहीं रख रहे। बांग्लादेश के हिंदुओं की रक्षा कर वे इस पुरस्कार की गरिमा को बनाए रखें।

नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर चुप क्यों हैं? यह पूछे जाने पर कैलाश सत्यार्थी ने कहा, यह सच है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर जो हो रहा है वह चिंताजनक है। उनकी हत्याएं हो रही हैं, उनके पूजा-स्थलों को तोड़ा जा रहा है। इन सबके बीच मोहम्मद यूनुस का जो रवैया है, उससे मुझे बहुत तकलीफ हो रही है। इसलिए मैंने व्यक्तिगत रूप से पत्र लिखकर मोहम्मद यूनुस से कहा है कि वे अल्पसंख्यक हिंदुओं और उनके मंदिरों की सुरक्षा के लिए कदम उठाएं। लेकिन दुर्भाग्यवश उन्होंने मेरे पत्रों का कोई जवाब नहीं दिया है। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि नोबेल शांति पुरस्कार की एक गरिमा है। उस गरिमा को बनाए रखने के लिए कार्य करें। हो सकता है, उन पर दूसरी ताकतों का दबाव हो। यह भी देखने में आ रहा है कि बांग्लादेश सरकार और वहां की राजनीति में कई अंतरराष्ट्रीय ताकतें शामिल हैं, जो भारत को कमजोर करने के लिए काम कर रही हैं। लेकिन यह कहना गलत होगा कि बांग्लादेश का पूरा समाज भारत विरोधी या हिंदू विरोधी है। वहां कई ऐसे लोग हैं, जो भारत और हिंदुओं के समर्थन में खड़े हैं।

कैलाश सत्यार्थी ने इस प्रसंग में भारत की परंपरा और संस्कृति को खास तौर पर रेखांकित करते हुए कहा, हमारे यहां वैश्विक दृष्टि और करुणा की जो अवधारणा है, वह पाश्चात्य दृष्टि से काफी अलग और गहरी है। हमारे ऋषियों ने हजारों साल पहले कहा था कि सारा संसार एक घोसले की तरह है। जिस तरह चिड़िया अपने घोसले में बच्चों का पालन करती है और उन्हें स्वतंत्र रूप से उड़ने के लिए तैयार करती है, वैसा ही भाव हमारी संस्कृति में है। यह करुणा और समर्पण का भाव है, जिसे हमें किसी पाश्चात्य या मध्यकालिक विचारधारा से सीखने की आवश्यकता नहीं है। हमारी संस्कृति में वसुधैव कुटुंबकम् का भाव गहराई से व्याप्त है। इससे दूसरे देशों को सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, बहुत छोटे दिल-दिमाग वाले लोग ही भेदभाव करते हैं। उदारचरित लोगों के लिए पूरी दुनिया एक परिवार है। यह करुणा भारतीय दृष्टिकोण से निकलती है। रामचरितमानस में भी करुणा को सर्वोच्च स्थान दिया गया है।

दिल्ली के उपराज्यपाल का दिल्ली पुलिस को सख्त निर्देश

बांग्लादेशी घुसपैठियों की खैर नहीं

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को विशेष अभियान चलाकर दिल्ली में बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करने का निर्देश दिया है। आयुक्त को उपराज्यपाल सचिवालय की ओर से पुलिस आयुक्त को भेजे गए पत्र में सैफ अली खान पर अवैध बांग्लादेशी के हमले का उदाहरण दिया है।

उपराज्यपाल ने पुलिस आयुक्त को प्रिंट और सोशल मीडिया के माध्यम से एक जन जागरूकता अभियान चलाने को कहा है। उन्होंने सुझाव दिया है कि लोग अपने यहां काम कर रहे व्यक्तियों और घरेलू सहायकों का पुलिस वेरिफिकेशन कराएं। इसमें रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन तथा शॉपकीपर एसोसिएशन को भी जागरूक किया जाना चाहिए। इसके साथ ही अवैध प्रवासियों को आवास और छत मुहैया कराने वालों पर उचित कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

हाल ही में फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले के हमलावर की पहचान बांग्लादेशी नागरिक के तौर पर की गई है। इसका जिक्र करते हुए एलजी ने कहा है कि वह नकली पहचान पर किसी रेस्टोरेंट में भी काम कर रहा था। उपराज्यपाल ने कहा कि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि दिल्ली में भी बांग्लादेशी और रोहिंग्या प्रवासी कई अवैध एवं अपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं। उपराज्यपाल ने इस ओर भी इशारा किया कि एक संगठित सिंडिकेट और निहित स्वार्थी समूह इस तरह के अवैध प्रवासियों को ठहरने के लिए सुविधाएं प्रदान करते हैं और नकली दस्तावेजों जैसे आधार, वोटर आईडी और राशन कार्ड के माध्यम से उनके लिए कामकाज का प्रबंध करते हैं।

भारत, बेल्जियम ने औषधि एवं कृषि उत्पादों में व्यापार बढ़ाने पर की चर्चा

नई दिल्ल,21 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और बेल्जियम ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए फार्मा और कृषि उत्पादों जैसे क्षेत्रों में व्यापार मुद्दों को हल करने के लिए तंत्र स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और बेल्जियम के विदेश एवं विदेश व्यापार मंत्री बर्नार्ड क्विंटिन के बीच ब्रसेल्स में हुई बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की गई। इस बैठक में औषधि तथा कृषि उत्पादों के लिए अनुमोदन प्रक्रियाओं में नियामक बाधाओं पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही दोनों पक्षों ने निरंतर बातचीत के जरिए इन चुनौतियों से निपटने पर सहमति व्यक्त की।

मंत्रालय ने कहा कि दोनों मंत्रियों ने इस बैठक के दौरान व्यापार मुद्दों के समाधान के लिए मजबूत तंत्र स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की। इन नेताओं ने यूरोपीय संघ-भारत मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता की प्रगति पर भी चर्चा की। इसके साथ ही बातचीत को सुचारू बनाने तथा आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापार मुद्दों को प्राथमिकता देने के महत्व पर बल दिया गया। बैठक के निष्कर्ष के तौर पर भारत और बेल्जियम के बीच लोकतंत्र, कानून के शासन और स्वतंत्र न्यायपालिका के साझा मूल्यों पर आधारित दीर्घकालिक संबंधों को मजबूती मिली।

वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में नवीकरणीय ऊर्जा, जीवन विज्ञान, बुनियादी ढांचे, डिजिटल प्रौद्योगिकियों और खाद्य उत्पादों जैसे उभरते क्षेत्रों को दोनों देशों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में रेखांकित किया गया। इसके अलावा बेल्जियम ने अपने व्यापार संबंधों में विविधता लाने के लिए भारत के साथ रणनीतिक साझेदार के रूप में जुड़ने के महत्व को स्वीकार किया।

वाणिज्य मंत्री ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि ब्रुसेल्स में बेल्जियम के विदेश मंत्री, यूरोपीय मामले, विदेश व्यापार और संघीय सांस्कृतिक संस्थानों के मंत्री बर्नार्ड क्विंटिन से मिलकर बहुत खुशी हुई।

हमने भारत में आगामी बेल्जियम आर्थिक मिशन पर उपयोगी चर्चा की। इसके साथ ही टिकाऊ प्रौद्योगिकियों, अर्धचालकों, रत्न और आभूषण, स्वास्थ्य सेवा और कृषि उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हुए आपसी व्यापार और निवेश संबंधों को गहरा करने के अवसरों की खोज की।

उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2023-2024 में भारत और बेल्जियम व्यापार 15.07 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक होने का अनुमान है, जबकि बेल्जियम से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 3.94 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा होने का अनुमान है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत के कामगार हर जगह अपनी क्षमता साबित कर रहे हैं : जयंत चौधरी

दावोस। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने दावोस जाने से पहले एक बड़ा मुद्दा उठाया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए भारत के कौशल विकास की महत्वपूर्णता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत के कामगार नेतृत्व की भूमिका सहित हर जगह अपनी क्षमता साबित कर रहे हैं और यह वैश्विक मंच पर सफलता की कहानी होगी। दावोस में होने वाली विश्व आर्थिक मंच की बैठक के अवसर पर चौधरी ने कहा कि आज पूरी दुनिया देख रही है कि भारत कौशल विकास के क्षेत्र में बहुत गंभीरता से काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय कामगार जहां भी काम करते हैं, वहां अपनी क्षमता साबित करते हैं और शीर्ष नेतृत्व की भूमिकाओं सहित अपना सही स्थान हासिल करते हैं। चौधरी ने उम्मीद जताई कि दावोस में भारत को और अधिक निवेश मिलेगा और जो कंपनियां अभी भारत में मौजूद नहीं हैं, वे भी वहां आएँगी। यहां अधिकारियों और कॉरपोरेट घरानों के लोगों के साथ बैठकें करने वाले संगठन उनके भारत में निवेश करने की इच्छा का समर्थन कर रहे हैं। विशवास है कि चौधरी की इन उच्चाधिकारी के बैठकों में हिस्सा लेने से भारत का कौशल विकास होगा और दुनिया भारत की योगदान की महत्वपूर्णता को समझेगी।

गो फर्स्ट एयरलाइन के खिलाफ एनसीएलटी ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने गो फर्स्ट एयरलाइन के परिसमापन की मंजूरी दे दी। यह कंपनी पिछले कुछ सालों से वित्तीय मुश्किलों का सामना कर रही थी। इस निर्णय के बाद कंपनी गति से वित्तीय संकट से बाहर होगी। न्यायाधिकरण ने कहा कि कंपनी के 54 विमानों का पंजीकरण रद्द किया गया है। इसके चलते कंपनी का परिचालन ठप हो गया है। इस कदम से कर्जदाताओं को नुकसान हो सकता है। एयरलाइन ने मई 2023 में एनसीएलटी में दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए आवेदन किया था। अब उन्हें सम्भावित समाधान की दिशा में कदम बढ़ाना होगा। गो फर्स्ट के बंद होने से यात्री किसी अन्य विमानन सेवा का उपयोग कर सकते हैं। सुरक्षित रहने के लिए वे सही विकल्प की तलाश में निकलें। वित्तीय संकट कारगर उपायों से पूरी तरह से बाहर निकलने के लिए इस समय में कंपनी को सख्ती से अपनी योजनाएं बनानी होगी। यह भी महत्वपूर्ण है कि कर्जदाताओं के हितों का भी ध्यान रखा जाए।

12 फीसदी से अधिक गिरा जोमेटो का शेयर, बीएसई पर शेयर 11.64 फीसदी की गिरावट के बाद 212.90 रुपये पर

नइ दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी और ग्रॉसरी प्लेटफॉर्म जोमैटो के शेयरों में तेजी से गिरावट का सिलसिला जारी है। तिमाही नतीजों के घोषणा के बाद जोमैटो के शेयरों में 12 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट शेयर के मूल्य को 200 रुपये के स्तर पर भी नीचे ले गई है। बाजार में जोमैटो के शेयर अभी भी दबाव में हैं। बीएसई पर शेयर 11.64 फीसदी की गिरावट के बाद 212.90 रुपये पर चल रहे हैं। इंट्रा-डे में यह 12.78 फीसदी गिरकर 210.15 रुपये तक पहुंच गए थे। पिछले कुछ दिनों से शेयर मूल्य में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। इस गिरावट के बाद आईसीआईआई डायरेक्ट के तकनीकी चार्ट्स के मुताबिक जोमैटो के शेयर ने 227.2 के सपोर्ट लेवल को तोड़ दिया है। अब शेयर का सपोर्ट 201.1 पर संभावित है। वहीं अपसाइड में शेयर को 253.3, 266.9, और 279.4 पर रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ सकता है। शेयर की स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए निवेशकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। जोमैटो के शेयरों की हालिया गिरावट ने निवेशकों में चिंता बढ़ा दी है। जबकि जोमैटो कंपनी के प्रतिष्ठित सीईओ ने बताया कि उनके 2000 स्टोर खोलने का लक्ष्य दिसंबर 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा। यह पहले से तय किए गए लक्ष्य से एक साल पहले हो रहा है। फिर भी फूड डिलीवरी बिजनेस की धीमी ग्रोथ ने भी जोमैटो के तिमाही नतीजों पर नकारात्मक प्रभाव डाला है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चीन पर...

अश्वनी वैष्णव को प्रतिनिधिमंडल के साथ शपथ ग्रहण समारोह में अपने विशेष बधाई पत्र के साथ भेजना।

चीन और उसके सोशल मीडिया ऐप टिक टॉक पर अमेरिका में पाबंदी का मामला इन दिनों चर्चा में रहा है। फिलहाल ट्रंप ने टिक टॉक पर कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक कुछ वक्त के लिए टाल दी है। वह चाहते हैं, चीन अपने यहां अमेरिकी एप्स को तरजीह दे तो वे अपने यहां चीन को जगह बनाने दे सकते हैं। ट्रंप की कोशिश होगी कि बीजिंग के साथ संबंधों को वापस पटरी लाया जाए। चीन की बढ़ती ताकत से अमेरिका असावधान नहीं है। ट्रंप ने फोन पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बात करके संकेत दिया है कि शी के साथ हुई उनकी शानदार बात रिश्तों को किस ओर ले जाने वाली है। हालांकि ट्रंप चीन पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की बात भी कह चुके हैं। खासतौर पर रूस और चीन की नजदीकी और यूक्रेन-रूस युद्ध जैसे मुद्दे भी ट्रंप की सूची में सबसे आगे होंगे। अपने पिछले कार्यकाल में ट्रंप उत्तर कोरिया तक गए थे और तानाशाह किम से मिले थे। लेकिन किम ने अमेरिका को घुड़कियां दिखाने में कहीं कोई कमी नहीं आने दी।

भारत की वैश्विक बिरादरी में बढ़ रही साख और उस साख का लोहा अमेरिका सहित तमाम पश्चिमी देशों द्वारा माना जाना ट्रंप की नजरों में मोदी के राज में नई दिल्ली के महत्व को कम आंक ही नहीं सकता था। मोदी से उनकी निकटता भी है। हाउडी मोडी कार्यक्रम में खुद मौजूद रहकर ट्रंप मोदी का करिश्मा देख चुके हैं। इसलिए नए भारत से नजदीकी बढ़ाने में भारत से ज्यादा अमेरिका की भलाई है, यह तथ्य नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत आने को लेकर अपने नजदीकी सलाहकारों से चर्चा की है। देखा जाए तो किसी अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा यूरोप, नाटो देशों तथा पड़ोस के कनाडा या मैक्सिको के बजाय भारत और चीन को प्राथमिकता पर रखना खास संदेश देता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को पदभार संभालने के पहले ही दिन कई कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। इसमें पेरिस जलवायु समझौता और विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका को बाहर लाना, प्रतिबंध से बचने के लिए टिक टॉक को 75 दिन का समय देने और क्षमादान शक्तियों का उपयोग समेत कई फैसले शामिल हैं। इससे पहले ट्रंप ने सोमवार रात (भारतीय समयानुसार) अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में कई राष्ट्र प्रमुखों और प्रतिनिधि मंत्रियों समेत दुनिया के कई बड़े उद्योगपति और प्रौद्योगिकी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) भी मौजूद थे।ट्रंप ने पदभार संभालने के पहले ही दिन अपनी व्यापक क्षमादान शक्तियों का इस्तेमाल किया और अमेरिकी न्याय विभाग के इतिहास में किसी मामले से जुड़ी सबसे बड़ी जांच और अभियोजन को समाप्त कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह छह जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद भवन परिसर यूएस कैपिटल पर हुए हमले के आरोपियों एवं अपने लगभग 1,500 समर्थकों को क्षमादान दे रहे हैं। ट्रंप का यह कदम अपेक्षित था, क्योंकि उन्होंने अपने चुनाव प्रचार अभियान में इसका जिक्र किया था। संसद भवन परिसर पर ट्रंप के समर्थकों के हमले में 100 से अधिक पुलिस अधिकारी घायल हो गए थे और शांतिपूर्ण तरीके से सत्ता हस्तांतरण को लेकर आशंका पैदा हो गई थी।ट्रंप ने वीडियो साझा करने वाले मंच टिक टॉक के संचालन को 75 दिन बढ़ाने संबंधी शासकीय आदेश पर सोमवार को हस्ताक्षर किए। अमेरिका में टिक टॉक के 17 करोड़ उपयोगकर्ता हैं। ट्रंप की ओर से हस्ताक्षरित शासकीय आदेश में कहा गया, मैं अटॉर्नी जनरल को निर्देश दे रहा हूं कि आज से 75 दिन की अवधि के लिए टिक टॉक पर प्रतिबंध को लागू करने के लिए कोई कदम न उठाए जाएं ताकि मेरे प्रशासन को उचित प्रस्ताव तैयार करने का अवसर मिले जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा हो साथ ही ऐसे मंच का संचालन अचानक बंद होने से रोका जा सके जिसका इस्तेमाल लाखों अमेरिकी करते हैं।

ट्रंप ने कहा है कि वह एक बार फिर देश को ऐतिहासिक पेरिस जलवायु समझौते से बाहर निकालेंगे। उनकी इस घोषणा से वैश्विक तापमान वृद्धि से निपटने के लिए दुनिया भर के प्रयासों को झटका लगेगा और एक बार फिर अमेरिका अपने सबसे करीबी सहयोगियों से दूर हो जाएगा। ट्रंप के सोमवार को दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेने के समय व्हाइट हाउस की यह घोषणा 2017 में ट्रंप की कार्रवाइयों की याद दिलाती है, जब उन्होंने घोषणा की थी कि अमेरिका वैश्विक पेरिस समझौते से बाहर हो जाएगा। ट्रंप ने शपथ लेने के तत्काल बाद अमेरिका के पेरिस जलवायु समझौते से बाहर होने की घोषणा की। व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी कर कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप एक बार फिर अमेरिका को पेरिस जलवायु समझौते से बाहर करने जा रहे हैं। ट्रंप ने शपथ ग्रहण के कुछ घंटों बाद ही कैपिटल वन एरिना में कार्यकारी आदेशों के अपने पहले सेट पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान पेरिस जलवायु संधि से हटने के लिए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए गए।

ट्रंप ने सोमवार को अपने शपथ ग्रहण के कुछ ही घंटों बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका के बाहर निकलने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। कोरोना महामारी के वक्त ट्रंप इस संगठन पर काफी हमलावर थे। यहां तक कि डब्लूएचओ के प्रमुख को ट्रंप ने चीन का दलाल तक कह दिया था। व्हाइट हाउस में आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए ट्रंप ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के साथ डब्लूएचओ पक्षपात कर रहा है। यहां चीन को तवज्जो दी जा रही है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हमें ठगा है।ट्रंप के बड़े कार्यकारी आदेशों में एक मौत की सजा से जुड़ा आदेश भी है। इस आदेश के तहत न्याय विभाग को कहा गया है कि गंभीर संघीय मामलों में दोषी ठहराए गए लोगों को मौत की सजा की मांग की जाए। साथ ही ट्रंप ने अटॉर्नी जनरल को निर्देश दिया है कि वे ये सुनिश्चित करें कि सभी राज्यों के पास अपराधियों को मौत की सजा देने के लिए पर्याप्त घातक जहरीले इंजेक्शन हो।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ लेने के तुरंत बाद ही अमेरिकियों की अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस आदेश के तहत सरकारी एजेंसियां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़े मामलों में लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर पाएंगी। आदेश में ट्रंप ने बाइडन सरकार की ओर से ऐसे मामलों में की गई कार्रवाई पर अटॉर्नी जनरल से रिपोर्ट मांगी है।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए 90 दिनों के लिए यूक्रेन समेत सभी देशों की आर्थिक मदद निलंबित कर दी। आदेश के मुताबिक, सभी अमेरिकी विदेशी सहायता कार्यक्रमों को समीक्षा लंबित रहने तक 90 दिनों के लिए अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है, ताकि यह तय किया जा सके कि वे उनके नीतिगत लक्ष्यों पर खरे उतर रहे हैं या नहीं?

ट्रंप ने एक और कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें विदेश विभाग को निर्देश दिया गया कि अमेरिका की विदेश नीति अमेरिकी हितों की रक्षा करेगी और हमेशा अमेरिका और उसके नागरिकों को प्राथमिकता देगी। मार्को रुबियो को अमेरिकी सीनेट द्वारा विदेश मंत्री के रूप में पुष्टि किए जाने के तुरंत बाद ट्रंप ने सोमवार को कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए।इसके अलावा ट्रंप ने कई कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें प्रमुख थे आव्रजन पर अंकुश लगाना, जीवाश्म ईंधन उत्पादन को बढ़ावा देना और पर्यावरण संबंधी नियमों को वापस लेना शामिल था। राष्ट्रपति ट्रंप ने पद संभालने के बाद सोमवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर संघीय जलक्षेत्र में अपतटीय पवन ऊर्जा जमीन के पट्टे की बिक्री पर अस्थायी रोक लगा दी गई है। तटीय और अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अनुमोदन, परमिट और ऋण जारी करने पर भी रोक लगा दी गई है।

अमेरिका के लिए...

अमेरिका दोबारा अपने नियंत्रण में लेगा। पनामा नहर, अटलांटिक और प्रशांत महासागरों को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है, जो 31 दिसंबर 1999 से पनामा सरकार के स्वामित्व और संचालन के अधीन है। इसका प्रबंधन पनामा नहर प्राधिकरण (पीसीए) द्वारा किया जाता है, जो इसके संचालन, रखरखाव और आधुनिकीकरण के लिए जिम्मेदार एक स्वायत्त सरकारी इकाई है। पीसीए पारगमन शुल्क निर्धारित करता है, जिसमें वैश्विक शिपिंग मानकों के साथ तालमेल बिठाने और चल रहे अपग्रेडेशन का समर्थन करने के लिए हाल के वर्षों में इसकी फीस में काफी वृद्धि की गई है। पनामा का कहना है, कि नहर के रखरखाव में काफी खर्च आता है और इसलिए जहाजों के गुजरने पर लगाई जा रही फीस को बढ़ाया गया है।

सबसे ज्यादा अमेरिकी जहाज ही इस नहर मार्ग से गुजरते हैं, या तो अमेरिका जाते हैं या अमेरिका से आ रहे होते हैं, इसलिए सबसे ज्यादा असर अमेरिका पर ही पड़ता है। और डोनाल्ड ट्रंप का गुस्सा ऊपर से देखने पर जायज इसलिए जान पड़ता है, क्योंकि पनामा नहर का निर्माण अमेरिका ने ही करवाया था और निर्माण के समय ये दुनिया का सबसे महंगा प्रोजेक्ट था और अमेरिका के अलावा, कोई भी देश इस खर्च को वहन नहीं कर सकता था। इस नहर का निर्माण 1904 में कोलंबिया से पनामा की स्वतंत्रता के बाद शुरू हुआ था। एक ऐसा आंदोलन था, जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपना समर्थन दिया था, ताकि पनामा नहर का निर्माण हो सके।अमेरिका के नेतृत्व में इस नहर के निर्माण का कार्य शुरू हुआ, लेकिन ये प्रोजेक्ट कितना खतरनाक था, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है, कि इसके निर्माण के दौरान 5600 से ज्यादा मजदूरों की मौत हो गई। लेकिन, 1914 में खोली गई इस नहर ने महासागरों के बीच शॉर्टकट रास्ता देकर वैश्विक शिपिंग में क्रांति ला दी, जिससे दक्षिण अमेरिका के केप हॉर्न के आसपास जहाजों को लगभग 7,000 मील की यात्रा करने की जरूरत नहीं पड़ी। लेकिन, नहर पर अमेरिकी नियंत्रण के कारण पनामावासियों के साथ लंबे समय तक तनाव बना रहा, जिसकी परिणति 1977 में अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर और पनामा के नेता उमर टोर-ीजोस द्वारा हस्ताक्षरित पनामा नहर संधि के रूप में हुई। इन संधियों ने नहर को पनामा को धीरे-धीरे ट्रांसफर करने में मदद की, साथ ही इसकी स्थायी तटस्थता की गारंटी भी दी। तब से, पनामा ने नहर का कुशलतापूर्वक प्रबंधन किया है, यातायात वृद्धि की देखरेख की है और आधुनिक मालवाहक जहाजों को समायोजित करने के लिए 2016 में 5.2 बिलियन डॉलर की विस्तार परियोजना पूरी की है।पनामा नहर को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की दिलचस्पी नई नहीं है। उन्होंने पहले भी 1977 की संधियों पर नाराजगी जताई और दावा किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने मूर्खतापूर्ण तरीके से नहर को छोड़ दिया। अपने 2025 के उद्घाटन भाषण में, उन्होंने तर्क दिया, कि पनामा ने हमसे जो वादा किया था, उसे तोड़ दिया है और आरोप लगाया कि चीन पनामा नहर का संचालन कर रहा है।हालांकि, नहर पनामा के नियंत्रण में है, लेकिन इसमें चीन ने काफी ज्यादा निवेश कर दिया है, जिसमें 1997 से नहर के दोनों छोर पर बंदरगाहों का संचालन करने वाला हांगकांग स्थित संघ भी शामिल है। और डोनाल्ड ट्रंप की पनामा नहर को लेकर की गई टिप्पणी, नहर में चीनी निवेश को लेकर चिंता को दर्शाती है। साल 2017 में, पनामा ने ताइवान के साथ राजनयिक संबंध तोड़ दिए और बीजिंग के साथ अपने संबंधों को गहरा किया, जिसके बाद ही चीन ने पनामा नहर में भारी भरकम निवेश करना शुरू कर दिया।ट्रंप का ये कहना, कि हमने इसे चीन को नहीं दिया, हमने इसे पनामा को दिया, और हम इसे वापस ले रहे हैं। ये दिखाता है, कि पनामा नहर में चीन के निवेश ने अमेरिकी नेताओं को परेशान कर दिया है और अमेरिकी नेता, पनामा नहर को देश की नेशनल सिक्योरिटी और स्ट्रैटेजिक प्रॉपर्टी के तौर पर देख रहे हैं। पनामा नहर लंबे समय से अमेरिकी इंजीनियरिंग कौशल और जियो-पॉलिटिकल प्रभाव का प्रतीक रही है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट ने एक बार इसे उन उपलब्धियों में से एक कहा था, जिन्हें इस गणराज्य के लोग सबसे ज्यादा गर्व के साथ याद करेंगे। आज, यह वैश्विक व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में काम कर रहा है, विशेष रूप से कुशल सप्लाई चेन पर अमेरिका की निर्भरता को लेकर। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हमारे साथ इस मूर्खतापूर्ण उपहार के प्रति बहुत बुरा व्यवहार किया गया है, जिसे कभी नहीं दिया जाना चाहिए था।

भारत को दिया ...

उप राष्ट्रपति जेडी वैंस के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यहां मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष दूत के तौर पर शामिल हुआ, जो गर्व की बात है। शपथ ग्रहण के दौरान और बाद में भी जयशंकर ने ट्रंप प्रशासन के कई मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बातचीत की। इसके साथ ही उन्होंने क्वाड देशों की बैठक में भी भाग लिया, जिससे भारत-अमेरिका साझेदारी की मजबूती का संकेत मिला।डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले कार्यकाल के दौरान की गई मुलाकातों और उनकी मित्रता ने दोनों देशों के संबंधों को एक नई दिशा दी थी। ट्रंप के फिर से सत्ता में लौटने से भारत और अमेरिका के बीच व्यापार, आतंकवाद विरोधी सहयोग और सामरिक साझेदारी में और अधिक मजबूती आने की उम्मीद है। ट्रंप प्रशासन का आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख और अमेरिका फर्स्ट की नीति भारत के हितों से मेल खाती है। ट्रंप ने शपथ ग्रहण के तुरंत बाद मेक्सिको सीमा पर बॉर्डर इमरजेंसी घोषित की और सीमा पर दीवार बनाने का निर्णय लिया। ड्रग तस्करों को आतंकवादी घोषित करने का उनका कदम राष्ट्रीय सुरक्षा पर उनके फोकस को दर्शाता है। ट्रंप प्रशासन का आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख और अमेरिका फर्स्ट की नीति भारत के हितों से मेल खाती है। ट्रंप ने शपथ ग्रहण के तुरंत बाद मेक्सिको सीमा पर बॉर्डर इमरजेंसी घोषित की और सीमा पर दीवार बनाने का निर्णय लिया। ड्रग तस्करों को आतंकवादी घोषित करने का उनका कदम राष्ट्रीय सुरक्षा पर उनके फोकस को दर्शाता है।

गरीबों को...

पिछले 10 वर्षों में भाजपा सरकार ने दलालों को खत्म कर दिया है। डीबीटी के माध्यम से जन-कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया। भ्रष्टाचार के प्रति मोदी सरकार की नीति जीरो टॉलरेंस की है। दिल्ली के सरकारी शिक्षण संस्थानों में दिल्ली के जरूरतमंद छात्रों को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी।भाजपाई संकल्प पत्र के दूसरे अंश में जरूरतमंद छात्रों को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा देने की घोषणा शामिल है। इसके अलावा एससी छात्रों को हर महीने एक हजार रुपए की मदद मिलेगी। ऑटो-टैक्सी वालों के लिए वेलफेयर बोर्ड बनेगा। युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 15 हजार रुपए की मदद मिलेगी। दो बार के यात्रा और आवेदन शुल्क की प्रतिपूर्ति का भी वादा किया गया है।भाजपाई संकल्प पत्र का प्रथम अंश भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जारी किया था। उन्होंने कहा था कि दिल्ली में जन कल्याण की चल रही वर्तमान योजनाएं भाजपा की सरकार बनने के बाद भी जारी रहेंगी। योजनाओं से जुड़ी सुविधाओं को मजबूत और उनमें सुधार किया जाएगा। उनको भ्रष्टाचार मुक्त भी किया जाएगा।भाजपा के संकल्प पत्र के प्रथम अंश में जो घोषणाएं शामिल थीं, उनके मुताबिक महिला समृद्धि योजना के तहत प्रति महीने महिलाओं को 2500 दिए जाएंगे। गरीब महिलाओं को गैस सिलेंडर में 500 रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। गरीब परिवारों को होली और दिवाली पर एक सिलेंडर मुक्त दिया जाएगा। गर्भवती महिलाओं को 21000 रुपए दिए जाएंगे। 70 साल से अधिक आयु के लोगों को 10 लाख रुपए का बीमा कवर दिया जाएगा। 60 से 70 साल के लोगों की पेंशन में 500 रुपए की बढ़ोतरी की जाएगी। 70 साल से अधिक उम्र के लोगों और दिव्यांग एवं विधवा महिलाओं को 2500 के बजाय 3000 रुपए पेंशन दी जाएगी। दिल्ली में अटल कैंटीन योजना लॉन्च की जाएगी, इसके तहत झुग्गी झोपड़ी इलाके में 5 रुपए में भोजन उपलब्ध कराया जाएगा

रोहिंग्या को उठा...

किया जाएगा और इन रोहिंग्या को उठा कर उसमें डाला जाएगा। इनके राशन कार्ड और आधार कार्ड जिन लोगों ने प्रमाणित किए हैं, उन पर जांच के लिए एक कमेटी बनेगी।

दंगारोपी के चुनाव...

गौरतलब है कि एआईएमआईएम उम्मीदवार ताहिर हुसैन ने कुछ समय पहले हाई कोर्ट से कस्टडी पेरोल दी गई थी ताकि वो चुनावों में नामांकन कर सके। उस समय दिल्ली पुलिस ने ये कहकर उसकी बेल का विरोध किया था कि ताहिर हुसैन दंगों का मुख्य साजिशकर्ता, सरगना और फंडिंग करना वाला है। वह यूएपीए और पीएमएलए सहित तीन मामलों में जेल में है। इसके अलावा उसके खिलाफ इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के कर्मचारी अंकित शर्मा की हत्या का मामला दर्ज है। मार्च 2024 में ट्रायल कोर्ट ने हुसैन और अन्य के खिलाफ धारा 147, 148, 153ए, 302, 365, 120बी, 149, 188 और 153ए आईपीसी के तहत आरोप तय किए हैं। हुसैन पर धारा 505, 109 और 114 आईपीसी के तहत भी आरोप लगाए गए है। दिल्ली पुलिस का पक्ष सुनकर ताहिर हुसैन की बेल याचिका खारिज कर दी गई और सिर्फ नामांकन के लिए कस्टडी पैरोल दी गई। अब ताहिर हुसैन चुनाव प्रचार के लिए बाहर आना चाहता था। पहले उसने 14 जनवरी से 9 फरवरी तक जेल से बाहर रहने के लिए याचिका डाली थी।उल्लेखनीय है कि साल 2020 में दिल्ली में हुए हिंदू विरोधी दंगा के बाद ताहिर हुसैन गिरफ्तार हुआ था। इसके बाद कड़कड़डूमा कोर्ट ने ताहिर हुसैन और 10 अन्य आरोपियों पर हत्या सहित कई गंभीर धाराओं के तहत आरोप तय किए हैं। कोर्ट ने कहा कि ताहिर हुसैन की गतिविधियां इस बात का संकेत थीं कि वह भीड़ को उकसाने का काम कर रहा था। हुसैन ने तब अपने बचाव में कहा था कि वो दंगाइयों को उकसाने नहीं, रोकने का प्रयास कर रहा था। हालांकि सारे सबूत उसके खिलाफ थे।

द्वारका के 7 द्वीप...

द्वारका में अरसे से सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर धार्मिक, कमर्शियल एवं रेसिडेंशियल इमारत खड़ी कर दी गई थी। इन सभी अवैध निर्माण के मामले में रेवन्यू विभाग ने सर्वे एवं कानूनी प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद डिमोलिशन ड्राइव फिर से शुरू किया था। द्वारका और बेट द्वारका में कोरिडोर के जो प्रोजेक्ट है उसके लिए नगरपालिका ने पिछले 15 दिनों में 250 से ज्यादा नोटिस जारी किए। थे। उसके बाद डिमोलिशन ड्राइव के दौरान एक दिन में ही 6 करोड़ से ज्यादा कीमत की जमीन से अवैध निर्माण हटाए गए। इसके लिए 1000 से ज्यादा पुलिस की सुरक्षा तैनाती में ध्वस्तीकरण को अंजाम दिया गया। ध्वस्तीकरण के बाद गुजरात में श्रीकृष्ण की नगरी द्वारका के 7 द्वीप अतिक्रमण से मुक्त हो गए। राज्य के गृह राज्य मंत्री ने बताया है कि द्वारका के द्वीप अब अतिक्रमण से 100 प्रतिशत मुक्त हैं।गृह राज्य मंत्री ने ध्वस्तीकरण के बाद कुछ वीडियो-क्लिप भी साझा किए। इन वीडियो में दरगाह जैसे कुछ ढांचे पहले खड़े दिखाई देते हैं, जिन्हें बाद में जमींदोज कर दिया गया। यह ढांचे 7 अलग-अलग द्वीपों पर बने हुए थे। इन अतिक्रमण वाले ढांचों के जरिए जमीन का बड़ा हिस्सा अवैध कब्जे में था। द्वारका के बाकी इलाकों में भी अतिक्रमण पर कार्रवाई करते हुए सैकड़ों ढांचे गिराए जा चुके हैं।

कमाल... सीमेंट, सरिया...

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने नवंबर 2023 में राज्य में हलाल सर्टिफाइड उत्पादों पर बैन लगा दिया गया था। यूपी सरकार ने तय किया था कि राज्य की सीमा के भीतर हलाल उत्पादों के उत्पादन, वितरण, भण्डारण पर संपूर्ण बैन लागू हो। इसके लिए आधिकारिक तौर पर आदेश भी जारी किया गया था। उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा था हलाल सर्टिफिकेट किसी उत्पाद की गुणवत्ता से संबंधित नहीं है। ऐसे निशान गुणवत्ता को लेकर भ्रम की स्थिति ही पैदा करते हैं। जिन उत्पादों पर इस तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं, उनका उल्लेख राज्य सरकार द्वारा जारी पत्र में साफ तौर पर किया गया था। यूपी में हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट बैन होने के बाद हलाल ट्रस्ट ने कोर्ट का रास्ता पकड़ा था।हलाल पर सुप्रीम कोर्ट में शुरू हुई बहस ने हलाल प्रमाणन के कई नायाब पहलुओं को उजागर किया है। सीमेंट और छड़ जैसे गैर-मांस और गैर-खाद्य उत्पादों पर फीस लेकर हलाल प्रमाणन की मुहर लगाई जा रही है। यह मुद्दा शीर्ष अदालत में उस समय उठा, जब उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा हलाल प्रमाणन वाले खाद्य उत्पादों के भंडारण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगाने की अधिसूचना को चुनौती दी जा रही थी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने हलाल प्रमाणन के दायरे में आटा, बेसन और सीमेंट जैसे उत्पादों को शामिल करने पर सवाल खड़े किए। उन्होंने पूछा, बेसन हलाल या गैर-हलाल कैसे हो सकता है? उन्होंने यह भी तर्क दिया कि हलाल प्रमाणन के लिए एजेंसियां शुल्क ले रही हैं, जिससे भारी राजस्व अर्जित हो रहा है। उन्होंने अदालत के सामने यह मुद्दा उठाया कि जो लोग हलाल उत्पादों में विश्वास नहीं रखते, उन्हें भी हलाल-प्रमाणित उत्पादों के लिए अधिक कीमत क्यों चुकानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा केवल मांस उत्पादों तक सीमित नहीं है, बल्कि अन्य गैर-मांस उत्पादों तक भी पहुंच गया है।याचिकाकर्ताओं के वकील ने हलाल प्रमाणन को व्यक्तिगत पसंद और स्वैच्छिक बताते हुए कहा कि किसी पर इसे अपनाने के लिए कोई दबाव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यह जीवनशैली का मामला है और केंद्र सरकार की नीतियों के तहत इसका समर्थन किया जाता है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 18 नवंबर, 2023 को जारी अधिसूचना का जिक्र करते हुए केंद्र सरकार ने कहा कि यह राज्य का अधिकार क्षेत्र है। केंद्र के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने अपने हलफनामे में स्पष्ट किया कि हलाल प्रमाणन के संबंध में उनकी कोई भूमिका या अधिकार नहीं है।सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को जवाब दाखिल करने के लिए 4 सप्ताह का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई 24 मार्च से शुरू होने वाले सप्ताह में निर्धारित की। अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार और अन्य संबंधित पक्षों से भी इस मुद्दे पर जवाब मांगा है।

नूपुर शर्मा को ...

वाली नारी, सत्य वाली नारी। जैसे पहले किरण बेदी थीं, लेकिन किरण बेदी से बढ़िया सीएम साबित होंगी नूपुर शर्मा। क्योंकि नूपुर शर्मा सनातन धर्म के साथ है। सनातन धर्म के लिए उसने अपने प्राण संकट में डाले किंतु डटी रही। हिंदू देवी-देवताओं को खुलेआम गालियां देने वाले लोगों से उस महिला ने डट कर मुकाबला किया, लेकिन अपने ही लोगों ने उस वीर महिला का साथ नहीं दिया। बाबा ने कहा, अब भी समय है, भाजपा को चाहिए कि वह नूपुर शर्मा को दिल्ली की मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा करे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो शुभ लाभ भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 22 जनवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

स्काईरूट एयरोस्पेस ने निजी रॉकेट सुविधा स्थापित करने के लिए तेलंगाना सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

दावोस/हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद स्थित अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने राज्य में एक एकीकृत निजी रॉकेट निर्माण, एकीकरण और परीक्षण सुविधा स्थापित करने के लिए तेलंगाना सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

मंगलवार को दावोस में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और आईटी एवं उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू की मौजूदगी में समझौते को अंतिम रूप दिया गया।

स्काईरूट एयरोस्पेस इस महत्वाकांक्षी परियोजना में लगभग 500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जो अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी क्षेत्र में तेलंगाना के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

विकास पर गर्व व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी में स्काईरूट एयरोस्पेस की उपलब्धियों की सराहना की और तेलंगाना के युवाओं की उनकी असाधारण प्रतिभा और वैश्विक योगदान के लिए सराहना की।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह सहयोग अंतरिक्ष उद्योग के लिए सरकार की रणनीतिक दृष्टि को दर्शाता है और हैदराबाद को निजी क्षेत्र की अंतरिक्ष गतिविधियों के केंद्र के रूप में स्थापित करने के लक्ष्य को दोहराया।स्काईरूट एयरोस्पेस के सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना ने साझेदारी के बारे में अपनी खुशी साझा करते हुए कहा, हम तेलंगाना में निवेश करने और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना राइजिंग और हैदराबाद राइजिंग पहल में योगदान देने के लिए रोमांचित हैं।

यहां एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह साझेदारी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी जैसे उभरते क्षेत्रों में उच्च तकनीक निवेश और नवाचार के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में तेलंगाना की बढ़ती प्रमुखता को रेखांकित करती है।

राजमाता जीजाबाई जयंती एवं हल्दी कुमकुम कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना मराठा भगिनी मंडल के तत्वावधान में श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा इमलीबन पार्क के समीप महिला मंडल द्वारा राजमाता जीजाबाई जयंती एवं हल्दी कुमकुम कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती डॉ.आशा जोशी (सेक्रेटरी विश्वामागल्य सभा भाग्यनगर,तेलंगाना) प्रवक्ता उपस्थित थीं।

समाज के सभी महिलाओं को हल्दी कुमकुम व तेरुंडा का वितरण किया गया। इस अवसर पर तेलंगाना मराठा भगिनी मंडल के अध्यक्षा अरुणाबाई शिंदे, ज्योति शिंदे, अरुणा बाई जगताप, प्रमिला बाई सावंत, प्रभावती जाधव, सुजाता, विद्याबाई शिंदे, संध्या डोंगरे, आशा, नंदिनी, कल्पनाबाई, कुसुम हरि जगताप,चंद्रकला बाई गायकवाड,रजनी मोहिते, सारिका, श्री छत्रपति शिवाजी मराठा नवयुवक मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मदन जाधव तेलंगाना मराठा मंडल के अध्यक्ष प्रकाश पाटिल, महा सचिव दिलीप कुमार जगताप नवयुवक मंडल के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

महावीर इंटरनेशनल का आभार ज्ञापन समारोह आयोजित

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद ने स्वर्णोदया द गोल्डन एरा हैदराबाद चैप्टर की 25वीं वर्षगांठ तथा अपैक्स की 50वीं वर्षगांठ पूर्ण होने एवं 30वें अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन की सफलता पर चेयरपर्सन वीर विनोद संचेती के नेतृत्व में आभार ज्ञापन फैलोशिप का आयोजन किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनसार कार्यक्रम में सर्वप्रथम प्रार्थना के पश्चात वीर विनोद संचेती ने सबका स्वागत किया तथा सभी प्रधान संयोजक, समन्वयक, समन्वयक, संयोजक, सहसंयोजक, कार्यकर्ता एवं सभी सदस्यों का प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से अधिवेशन को सफल बनाने के लिए आभार ज्ञापन किया। सचिव अर्चना नाहटा ने अधिवेशन के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में प्लेटिनम स्पान्सर अमृत कुमार जैन, कराची बेकरी लेख राज रामानी, मुख्य संयोजक वीर शीलकुमार जैन, वीर बसंत बाफना, वीर अजय नाटटा का सम्मान किया गया तथा स्मारिका के विजेता प्रथम युवराज चौरडिया ऊर्जा केंद्र, द्वितीय ममता संघवी उड़ान सेंटर, तृतीय तनिषा जैन अभ्युदय सेंटर को सम्मानित किया गया । सभी सदस्यों ने अपने अपने अनुभव के क्षणों को साझा किया तथा रजत जयंती का हिस्सा बनने पर गौरवान्वित महसूस किया।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज का रजत जयंती समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज ने अपनी स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर रजत जयंती समारोह का भव्य और गरिमामय आयोजन किया। इस अवसर पर समाज के हजारों सदस्यों, प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों और विशिष्ट अतिथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। । कार्यक्रम का आयोजन यूसुफगुडा स्थित एनआईएमएसएमई सभागार में किया गया और यह समारोह इतिहास में एक अविस्मरणीय उपलब्धि के रूप में दर्ज हो गया। समारोह का शुभारंभ रुक्मिणी प्रसन्ना की गणेश वंदना के साथ हुआ।

मुख्य अतिथि के तौर पर असम सरकार में कैबिनेट मंत्री कौशिक राय शरीक हुए, जबकि भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी गरिमामई उपस्थिति दर्ज कराई। मुख्य कार्यक्रम के आरंभ में मंत्री कौशिक राय , विशिष्ट अतिथि संजय कुमार सिंह और अध्यक्षा इंदिरा राय सहित गणमान्य लोग दीप प्रज्वलन में शामिल हुए। इस दौरान पल्लवी के श्लोक गायन के बीच ब्रह्मर्षियों के ईष्ट देव भगवान परशुराम और महान संत स्वामी सहजानंद सरस्तवी की तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित किया गया।दशकों से हैदराबाद में रह रहे प्रवासी ब्रह्मर्षियों के कार्यक्रम में गीत संगीत और रंगारंग कार्यक्रम की छटा बिखरी। साथ ही समाज में आपसी एकता और भाईचारे का संदेश दिया गया। मुख्य और विशिष्ट अतिथियों ने नई पीढ़ी में बेहतर संस्कार के लिए सामाजिक जुड़ाव की भावना विकसित करने का संदेश दिया। असम सरकार में मंत्री कौशिक राय ने अपने संबोधन में कहा कि हम भले अपने जन्म स्थान से कितनी ही दूर चले जाएं, अपने संस्कार और समाज से जुड़े रहना हमारा कर्तव्य है। मंत्री महोदय ने संबोधन के आखिर में भोजपुरी बोलते हुए उपस्थित लोगों के प्रति अपनत्व का इजहार किया और सबों का दिल जीत लिया। वहीं विशिष्ट अतिथि संजय कुमार सिंह जी ने अपने संबोधन में सामाजिक एकता पर जोर देते पारिवारिक मेल जोल की भावना को और पुष्ट करने की बात कही। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के बच्चों में खेलों के प्रति रुझान हो और उनकी सफलता के लिए वे हर संभव सहयोग करेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्रीमती इंदिरा रॉय ने उपस्थित लोगों का कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सेदारी लेने के लिए तहे दिल से धन्यवाद किया। उन्होंने अपने संबोधन में खासकर नई पीढ़ी में सामाजिक जुड़ाव की भावना को प्रोत्साहित करने की बात कही। वहीं ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद के महासचिव श्री निशिकांत पांडेय ने समाज के क्रियाकलापों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

बच्चों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। छात्र याचित के काव्यपाठ से सभी प्रभावित हुए, जाने माने उद्योगपति श्री सुरेश त्यागी ने उनके लिए 10 हजार रुपए के पारितोषित की तत्काल घोषणा की। वहीं सान्वी और श्रीजा के नृत्य और गायन ने समां बांध दिया। शशि राय, छाया राय, माया राय, प्रियंवदा झा के गीतों ने लोगों का दिल जीता। सोनाक्षी राय, प्रिया राय, गीतिका सिंह और जाह्नविका सिंह की प्रस्तुतियों ने लोगों को बांधे रखा। मोनी ठाकुर, रमा देवी और प्रदीप कुमार राय के ढोल वादन ने सबों को प्रभावित किया। साहित्यकार मनोरमा जी ने अपनी काव्यमई शैली में अतिथियों के लिए औपचारिक स्वागत भाषण किया। मुख्य कार्यक्रम में उपस्थित माननीय अतिथियों ने ब्रह्मर्षि समाज के वरिष्ठ जनों श्री नंद किशोर सिंह, श्रीमती प्रेमलता जी, श्री श्याम सुंदर चौधरी जी, श्री राम सुरीमा शर्मा जी, श्रीमती विमला देवी, श्री नवलेश शर्मा जी का सम्मान किया और उनके चरणस्पर्श किये। ब्रह्मर्षि समाज के लब्धप्रतिष्ठित लोगों को मंच पर सम्मानित किया गया जिसमें शामिल रहे आईटीसी से सेवानिवृत्त सीईओ रजनीकांत राय, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रशांत कुमार, उद्योगपति संजीव मिश्रा, कर्नल अमन त्यागी, डॉ प्रियंका रॉय, एनएमडीसी के डीजीएम कौशलेश नारायण सिंह, भूपेंद्र राय, शिक्षाविद् कविता त्यागी और मंजू पांडेय आदि। कार्यक्रम में ब्रह्मर्षि सेवा समाज के पूर्व अध्यक्ष श्रीकांत चौधरी की भी उपस्थिति रही।ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद के नौनिहालों और मेधावी छात्रों को मुख्य अतिथि कौशिक राय और विशिष्ट अतिथि संजय कुमार सिंह ने पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। हर्षवर्धन सिंह को इसी वर्ष नीट परीक्षा में उत्कृष्ट प्राप्तांक हासिल कर प्रतिष्ठित गांधी हॉस्पिटल में दाखिले पर बधाई दी गई। साथ ही प्रत्यूष, श्रेयस कुमार, पलक, हेमाश्री, जयश्री, नित्या कुमारी को उनके शानदार शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत और प्रोत्साहित किया गया। ब्रह्मर्षि सेवा समाज के उपाध्यक्ष अजय राय जी ने मुख्य अतिथि कौशिक राय जी को और किरण शंकर जी ने विशिष्ट अतिथि संजय कुमार सिंह जी को स्मृति चिह्न भेंट किया। कार्यक्रम के सपामन में वरिष्ठ पत्रकार देव कुमार पुखराज ने सबों का औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया। मंच संचालन की जिम्मेदारी आर के सिंह, विजय कुमार और पल्लवी ने बखूबी निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद कार्यकारिणी सदस्यों समेत कमलेश राय, किरण शंकर राय, शशिभूषण राय, रवींद्र जी, संजय राय, हरीश पांडे, राम कुमार सिंह, अंकित सिंह, प्रिंस शर्मा, के के ठाकुर, रघुवीर सिंह, डॉ सरज कुमार, प्रफुल्ल प्रसन्ना, रमेश कुमार, देवकुमार पुखराज आदि ने अहम भूमिका अदा की। ब्रह्मर्षि महिलाओं में शीला चौधरी, मनोरमा शर्मा, सुषमा शर्मा, किरण शर्मा, अंजलि सिंह, रीना पांडेय, रुक्मिणी प्रसन्ना, अमिता सिन्हा, उर्मिला पाण्डेय, रमा, सुमन सिंह, प्रतिभा शर्मा, विनीता राय, कविता त्यागी, अमृता मिश्रा, शशि राय, माया राय, विभा ठाकुर,मधु त्यागी, मधु सिंह, ऊषा कुमारी, शारदा, राखी चंद्रा, प्रियंका झा, संगीता सिंह, अनुराधा शर्मा, रागिनी मिश्रा, दीपा कुमारी आदि की गरिमामई उपस्थिति रही।

विधायक बंडारी लक्ष्मा रेड्डी, कॉरपोरेटर जे. प्रभुदास और गुंडारापु श्रीनिवास रेड्डी ने एचबी कॉलोनी, मीरपेट में फुट स्टाइल फुटवियर शॉप का उद्घाटन किया। तत्पश्चात उन्होंने दिनेश टक को उनके व्यवसाय के लिए शुभकामनाएं दीं और निरंतर सफलता की कामना की। कार्यक्रम में मारवाड़ी एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश शर्मा, किरण कुमार, विकास कुमार शर्मा, सुरेश भाटी, उदाराम जी, बजरंग जी, नरेश सांखला, नरेश खंडेलवाल सहित अन्य लोग शामिल हुए।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अन्नदान किया गया

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत मंगलवार को

अविनाश गुप्ता और श्रीमती सरिता गुप्ता की 45वीं वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर श्री मुसद्दीलालजी भरतचंदजी गुप्ता परिवार (मुसद्दीलाल ज्वैलर्स, पुंजागुट्टा), और स्व. ताराचंद गुप्ता की मासिक पुण्य तिथि के अवसर पर नरेशजी गुप्ता परिवार (एक्सप्रेस रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड) की ओर से नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई।

इस अवसर पर - -सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, भगतराम गोयल, संजय गोयल, अशोक अग्रवाल, ई. जगन (चंपापेट) श्याम सुन्दर अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, -उर्मिला गुप्ता, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, सुशील गुप्ता राजेश गुप्ता, -ममता गुप्ता, राजीव गुप्ता, रुचि गुप्ता, कियांश गुप्ता, सरिता गुप्ता, परितोष गुप्ता, मायारामजी अग्रवाल, राजेश सरजी योग एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

मेट्रो रेल रोड चौड़ीकरण कार्य पुराने शहर में शुरू

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद मेट्रो रेल के पुराने शहर तक विस्तार के लिए सड़क चौड़ीकरण का काम इस सप्ताह की शुरुआत में शुरू हुआ। काम के लिए सीमांकन महीनों पहले किया गया था और इस साल की शुरुआत में ही इसके लिए मुआवजा वितरित किया गया है। मंगलवार, 21 जनवरी को मुगलपुरा में सफीना होटल, विक्टोरिया होटल के सामने से वोल्टा रोड तक की संरचनाओं, मुख्य रूप से व्यावसायिक इमारतों को ध्वस्त करने का काम शुरू हुआ। हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के विस्तार को तेलंगाना सरकार ने 24,269 करोड़ रुपये के कुल बजट के साथ मंजूरी दे दी है। तेलंगाना सरकार 76.4 किलोमीटर तक फैले पांच प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर के लिए केंद्र सरकार से मंजूरी का इंतजार कर रही है, वहीं राज्य द्वारा संचालित विशेष प्रयोजन वाहन ने पुराने शहर के कॉरिडोर पर काम शुरू करने की योजना की घोषणा की है। महात्मा गांधी बस स्टेशन (एमजीबीएस) से फलकनुमा तक पुराने शहर के कॉरिडोर को मूल रूप से मेट्रो के पहले चरण के हिस्से के रूप में योजनाबद्ध किया गया था, लेकिन विभिन्न चुनौतियों के कारण इसमें देरी हुई। अब इसे चंद्रायनगुट्टा तक बढ़ाया जा रहा है। पुराने शहर के इलाके में संपत्ति मालिकों के लिए मुआवज़ा 65,000 रुपये प्रति वर्ग गज निर्धारित किया गया था।

श्रीधर बाबू ने निवेश के अवसरों की तलाश के लिए सऊदी अरब के रॉयल कमीशन प्रमुख से मुलाकात की

दावोस/हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने मंगलवार को दावोस में तेलंगाना पैवेलियन में सऊदी अरब के संघीय मंत्री और रॉयल कमीशन फॉर जुबैल और यानबू के अध्यक्ष इंजीनियर खालिद मोहम्मद अल-सलेम का स्वागत किया और उनसे मुलाकात की।

एक सौहार्दपूर्ण और उत्पादक बैठक में, दोनों नेताओं ने सहयोग के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की और तेलंगाना राइजिंग विजन के साथ संरेखित सऊदी निवेश के अवसरों की खोज की।

मंत्री श्रीधर बाबू ने राज्य की गतिशील नीतियों, रणनीतिक लाभों और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया, जिससे तेलंगाना वैश्विक साझेदारी के लिए एक आदर्श गंतव्य के रूप में स्थापित हुआ।

इंजीनियर खालिद मोहम्मद अल-सलेम ने निवेश के अवसरों की खोज में सऊदी अरब की रुचि व्यक्त की जो स्थिरता और दीर्घकालिक सामाजिक-पर्यावरणीय प्रभाव जैसे साझा मूल्यों के साथ प्रतिध्वनित होते हैं।

बैठक में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और तेलंगाना और सऊदी अरब के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए आपसी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया।

आधिकारिक बयान के अनुसार, यह भागीदारी वैश्विक निवेश को आकर्षित करने और सतत विकास और नवाचार के केंद्र के रूप में खुद को स्थापित करने के लिए तेलंगाना के चल रहे प्रयासों को दर्शाती है।

हाइड्रा पुलिस स्टेशन जल्द ही शुरू होगा

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हाइड्रा पुलिस स्टेशन की स्थापना की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है, हैदराबाद के पुलिस आयुक्त श्री ए.वी. रंगनाथ व्यवस्थाओं की देखरेख कर रहे हैं। स्टेशन सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने और नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार है।

हाइड्रा पुलिस स्टेशन को रणनीतिक रूप से चुनी गई इमारत में स्थापित किया जाएगा, ताकि इष्टतम पहुंच सुनिश्चित हो सके। आयुक्त एवी रंगनाथ ने परिसर का निरीक्षण किया, इसकी क्षमता की समीक्षा की और संशोधन की आवश्यकता वाले क्षेत्रों की पहचान की।

एक विस्तृत समीक्षा बैठक में कार्यात्मक केबिन और अच्छी तरह से सुसज्जित कार्यालयों सहित आधुनिक सुविधाओं की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

शिकायतकर्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ स्टेशन अधिकारियों के लिए विशाल केबिन प्रदान करने के लिए एक डिजाइन बनाने के सुझाव दिए गए।

बेहतर सार्वजनिक दृश्यता के लिए हाइड्रा पुलिस स्टेशन के साइनबोर्ड को प्रमुखता से प्रदर्शित करने के निर्देश जारी किए गए ।

स्टेशन पर आने वाले आगंतुकों के लिए पर्याप्त पार्किंग सुविधाएं प्रदान करने की योजना बनाई गई है, ताकि सुविधा सुनिश्चित हो सके।

हाइड्रा पुलिस स्टेशन कार्यकुशलता और सुगमता के लिए एक मानक बनने के लिए तैयार है, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा सुदृढ़ होगी और पुलिस-नागरिक संपर्क बढ़ेगा।

डॉक्टर्स कॉलोनी में किडनी रैकेट का भंडाफोड़

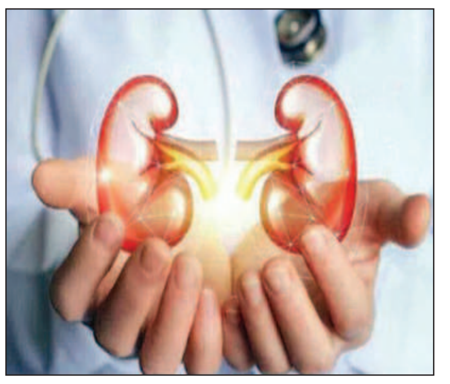

हैदराबादः , 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर के डॉक्टर्स कॉलोनी में संचालित एक कथित अंग व्यापार रैकेट का मंगलवार को राचकोंडा पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने भंडाफोड़ किया।

विशेष सूचना पर, स्वास्थ्य अधिकारियों ने सरूरनगर पुलिस के साथ मिलकर सरूरनगर में डॉक्टर्स कॉलोनी में स्थित अलकनंदा अस्पताल पर छापा मारा।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि अस्पताल प्रबंधन के पास सरकार से कोई अनुमति नहीं थी।

आरोप है कि अस्पताल का इस्तेमाल एक संगठित गिरोह द्वारा किडनी के अवैध व्यापार के लिए किया जा रहा था, जो विभिन्न राज्यों से गरीब लोगों को लालच देकर उन्हें किडनी बेचने के लिए मोटी रकम का लालच दे रहा था।

आरोप है कि गिरोह पड़ोसी राज्यों के डॉक्टरों को बुलाकर किडनी निकालता था और बाद में उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत वाले मरीजों को बेच देता था।

रंगारा रेड्डी जिले के डीएमएचओ डॉ. वेंकटेश्वर राव ने कहा कि छापेमारी के दौरान दो डोनर और दो किडनी प्राप्तकर्ता मिले। सभी डॉक्टर मौके से भाग निकले। सुमंत नामक एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया, जो मैनेजर है। मरीज कर्नाटक और तमिलनाडु से हैं। जांच करने पर पता चला कि दो मरीजों पर किडनी ट्रांसप्लांट किया गया था, उन्होंने कहा। पुलिस और स्वास्थ्य अधिकारियों ने चारों को गांधी अस्पताल में भर्ती कराया और अस्पताल को सील कर दिया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने सरूरनगर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसने मामला दर्ज कर लिया।

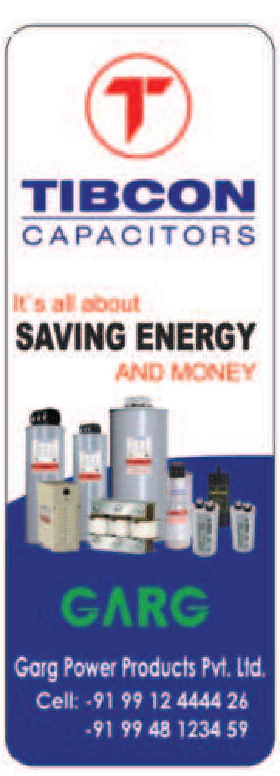

प्रियंका चोपड़ा ने चिलकुर बालाजी मंदिर में दर्शन किए

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बॉलीवुड अभिनेत्री और वैश्विक आइकन प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में हैदराबाद के पास स्थित प्रसिद्ध चिलकुर बालाजी मंदिर का दौरा किया और वहां पूजा-अर्चना की।बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों में अपने शानदार करियर के लिए मशहूर प्रियंका चोपड़ा ने अपने व्यस्त कार्यक्रम से कुछ समय निकालकर मंदिर का दौरा किया, जिसे वीजा बालाजी के नाम से जाना जाता है, क्योंकि ऐसी मान्यता है कि वीजा या विदेश यात्रा का आशीर्वाद पाने वाले भक्तों को अक्सर सफलता मिलती है।फिल्मों और टेलीविजन धारावाहिकों में अपनी भूमिकाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त करने वाली अभिनेत्री ने कुछ करीबी दोस्तों के साथ मंदिर का दौरा किया। उन्हें मंदिर में पूजा-अर्चना करते और अनुष्ठानों में भाग लेते देखा गया। प्रियंका की चिलकुर बालाजी मंदिर की यात्रा ने उनके प्रशंसकों का ध्यान आकर्षित किया है, क्योंकि यह मंदिर करियर, व्यक्तिगत विकास और आध्यात्मिक कल्याण से संबंधित आशीर्वाद देने के लिए जाना जाता है।हैदराबाद के बाहरी इलाके में स्थित चिलकुर बालाजी मंदिर इस क्षेत्र में सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले मंदिरों में से एक है। भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित यह मंदिर अपने सुंदर स्थान और भक्तों द्वारा प्रार्थना करते समय 11 प्रदक्षिणा (परिक्रमा) करने की अनूठी प्रथा के लिए जाना जाता है। यह उन कुछ मंदिरों में से एक है जो दान स्वीकार नहीं करते हैं, जो इसे अन्य प्रमुख मंदिरों की तुलना में काफी अनोखा बनाता है।प्रियंका चोपड़ा की हैदराबाद यात्रा पहली बार नहीं है, क्योंकि उनका निजी और पेशेवर दोनों ही तरह से इस शहर से गहरा नाता है। वैश्विक हिट सीरीज़ क्वांटिको में अपनी भूमिका और बॉलीवुड की अग्रणी अभिनेत्री होने के लिए जानी जाने वाली प्रियंका चोपड़ा भारत भर में अपने प्रशंसकों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखती हैं और हैदराबाद हमेशा से उनकी यात्रा का हिस्सा रहा है।अभिनेत्री वर्तमान में फिल्म और डिजिटल मनोरंजन क्षेत्र में कई रोमांचक परियोजनाओं पर काम कर रही हैं। प्रियंका की अंतरराष्ट्रीय ख्याति लगातार बढ़ रही है, वह कई हाई-प्रोफाइल वैश्विक परियोजनाओं का हिस्सा बन रही हैं, जिसमें एक अभिनेता और निर्माता के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया है।

सिकंदराबाद विधायक पद्मा राव गौड़ को देहरादून में दिल का दौरा पड़ा

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद से बीआरएस विधायक और पूर्व डिप्टी स्पीकर टी पद्म राव गौड़ को उत्तराखंड के देहरादून दौरे के दौरान दिल का दौरा पड़ा और स्थानीय अस्पताल में उनकी आपातकालीन एंजियोप्लास्टी की गई। रिपोर्ट के अनुसार, मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया के दौरान एक स्टेंट का उपयोग किया गया है और अब वरिष्ठ बीआरएस पार्टी नेता हैदराबाद वापस जा रहे हैं। दिल का दौरा पड़ने के बाद पद्म राव गौड़ के करीबी रिश्तेदार, जो उनके साथ देहरादून गए थे, उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां आपातकालीन मिनिमली इनवेसिव सर्जरी सफलतापूर्वक की गई।

केटीआर ने हैदराबाद की बिगड़ती स्थिति के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव (केटीआर) ने मौजूदा कांग्रेस सरकार के तहत हैदराबाद की स्थिति पर गहरा असंतोष व्यक्त किया, उन्होंने शहर की प्रगति और विकास को बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया।यहां जुबली हिल्स में पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के आवास पर स्थानीय विधायकों और एमएलसी के साथ मंगलवार को एक बैठक के दौरान, केटीआर ने हैदराबाद के निवासियों को प्रभावित करने वाले कई मुद्दों पर प्रकाश डाला, जिसमें स्वच्छता की समस्या, पेयजल की कमी, बिजली कटौती और बढ़ती अपराध दर शामिल हैं।केटीआर ने शहर को, जो कभी अपनी सुरक्षा और तेजी से विकास के लिए जाना जाता था, उथल-पुथल में फंसने देने के लिए मौजूदा सरकार की आलोचना की।उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किए गए वादों के बावजूद, कांग्रेस सरकार गरीबों के लिए राशन कार्ड और बुनियादी ढांचे के रखरखाव जैसे प्रमुख मुद्दों को हल करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि उचित स्वच्छता और सड़कों के रखरखाव की कमी ने निवासियों के बीच बढ़ती चिंता को जन्म दिया है।केटीआर ने बीआरएस शासन की उपलब्धियों को याद किया, जिसने हैदराबाद को मेट्रो रेल और कुशल फ्लाईओवर जैसी परियोजनाओं के साथ एक वैश्विक शहर में बदल दिया।हालांकि, उन्होंने इन प्रगति को बनाए रखने में कांग्रेस सरकार की अक्षमता पर निराशा व्यक्त की, विशेष रूप से सार्वजनिक पार्कों, सड़कों और स्वच्छता को बनाए रखने में विफलता की आलोचना की।उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि कांग्रेस सरकार को अपने वादों को पूरा करना चाहिए, अन्यथा बीआरएस उन्हें जवाबदेह ठहराएगा।केटीआर ने जोर देकर कहा कि वर्तमान प्रशासन के तहत हैदराबाद के विकास और छवि को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जिसका पूरे राज्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

रिएक्टर विस्फोट में सात प्रवासी श्रमिक घायल

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के बोलाराम में श्रीकर फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड में सोमवार 20 जनवरी को हुए विस्फोट में विभिन्न राज्यों के सात प्रवासी श्रमिक घायल हो गए। घटना रात करीब 10 बजे हुई। रिपोर्ट के अनुसार, घायलों की पहचान रिजेश, ईश्वर चंद्र अगरिया, पुष्पराज, सुंदर सिंह, चांद प्रताप, शेख अनवर और नीलेश सिंह के रूप में हुई है। विस्फोट का कारण अज्ञात है। पीड़ितों को हैदराबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज चल रहा है। जब डळरीरीं.लो ने पुलिस से संपर्क करने की कोशिश की, तो कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

पुष्पा 2 के निर्माता दिल राजू, मैथ्री मूवी मेकर्स और मैंगो मास मीडिया पर आयकर छापे

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आयकर (आईटी) विभाग ने मंगलवार को प्रमुख फिल्म निर्माता और तेलंगाना फिल्म विकास निगम (टीएफडीसी) के अध्यक्ष दिल राजू से जुड़ी कई संपत्तियों पर व्यापक छापे मारे।

छापेमारी में हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित उजास विला स्थित उनके आवास और उनके व्यापारिक हितों से जुड़ी अन्य संपत्तियों सहित कई स्थानों पर छापेमारी की गई ।

इस संक्रांति सीजन के लिए गेम चेंजर और संक्रांतिकी वस्तुनम जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के निर्माण के लिए जाने जाने वाले दिल राजू इस समय कड़ी जांच का सामना कर रहे हैं। संक्रांतिकी वस्तुनम एक बड़ी व्यावसायिक सफलता साबित हुई, जबकि गेम चेंजर बॉक्स

ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। यह छापेमारी ऐसे समय में हुई है जब दिल राजू के वित्तीय लेन-देन की कथित तौर पर जांच चल रही है, जिसमें आयकर अधिकारी संभावित विसंगतियों के लिए उनकी संपत्तियों की तलाशी ले रहे हैं।

दिल राजू की संपत्तियों के अलावा आयकर विभाग ने मैथरी मूवी मेकर्स पर भी छापेमारी की , पुष्पा 2: द रूल के पीछे का प्रोडक्शन हाउस है। पुष्पा 2 बड़ी हिट रही इस फिल्म ने अधिकारियों का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

छापेमारी में खास तौर पर नवीन येरनेनी, यलमंचली रविशंकर और सीईओ चेरी के घरों को निशाना बनाया गया। ये लोग पुष्पा 2 की सफलता के पीछे प्रमुख व्यक्ति हैं , यह एक ऐसी फिल्म है जो सिनेमा परिदृश्य पर अपना दबदबा बनाए हुए है।

आयकर विभाग की जांच का दायरा फिल्म वितरण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी मैंगो मास मीडिया तक पहुंच गया है । माना जा रहा है कि मैंगो मास मीडिया पर छापेमारी फिल्म उद्योग की इन प्रमुख कंपनियों के वित्तीय लेन-देन की जांच का हिस्सा है।

चल रही छापेमारी फिल्म उद्योग के भीतर वित्तीय लेन-देन की बढ़ती जांच को उजागर करती है, खासकर दिल राजू, मैथरी मूवी मेकर्स और मैंगो मास मीडिया जैसे हाई-प्रोफाइल लोगों के बारे में। पुष्पा 2 और अन्य बड़े बजट की फिल्मों की हालिया व्यावसायिक सफलता के साथ, ऐसा प्रतीत होता है कि आयकर विभाग इन प्रभावशाली संस्थाओं की वित्तीय और कर प्रथाओं की जांच करने पर केंद्रित है।

फिलहाल, आयकर छापों ने फिल्म उद्योग में अटकलों की लहर पैदा कर दी है, अंदरूनी सूत्रों को चल रही जांच के संभावित परिणामों के बारे में चिंता है। यह देखना अभी बाकी है कि इन छापों का संबंधित व्यक्तियों और कंपनियों की प्रतिष्ठा और संचालन पर क्या असर होगा।

दिल राजू, मैत्री मूवी मेकर्स और मैंगो मास मीडिया पर छापेमारी से यह स्पष्ट है कि आयकर विभाग भारतीय फिल्म उद्योग में शीर्ष खिलाड़ियों की वित्तीय पारदर्शिता की जांच करने के अपने प्रयासों को तेज कर रहा है। अधिकारियों की जांच से इन प्रमुख संस्थाओं के लिए दूरगामी परिणाम हो सकते हैं, खासकर फिल्म व्यवसाय के वित्तीय संचालन की बढ़ती जांच के संदर्भ में।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 82,050/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 93,800/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

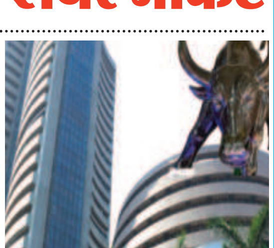

बीएसई : 75,838.36 -1235.08 -1.60% ↓

एनएसई :23,024.65 -320.10 (-1.37%) ↓

शुभ लाभ Classifieds

CHANGE OF NAME

I, Service No. 15812074P Hav/SKT (MT) THOTA VENKATESWARA RAO of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana, India hereby state that my Mother Name is Changed from SIVA PARVATHI to THOTA SIVA PARVATHI.

CHANGE OF NAME

I, T PADMA LATHA Spouse of Army No.15812074P Hav/SKT (MT), THOTA VENKATESWARA RAO, R/o. Vill and Po:Khazipet, Teh:Tenali, Dist:Guntur, Andhra Pradesh -522307 india have Changed my name from T PADMA LATHA to THOTA PADMA LATHA vide affidavit dt: 21-1-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, Service No- 14688535F,Rank-Hav Name- Raju M,R/o H.No-7-5A1,Vill & PO-Chityala,Teh-Wanaparthy,Distt-Wanaparthy,State- Telangana,PIN-509206, have changed my Daughter name from ARADHYA * to *MANDLA ARADHYA add in my service documents vide affidavit date 16/01/2025 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad

CHANGE OF NAME

I, Service No- 14688535F,Rank-Hav Name- Raju M,R/o H.No-7-5A1,Vill & PO-Chityala,Teh-Wanaparthy,Distt-Wanaparthy,State- Telangana,PIN-509206, have changed my Son name from M PRANAY * to *MANDLA PRANAY add in my service documents vide affidavit date 16/01/2025 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No- 17039436A,Rank-NK Name- Govind Singh R/o Vill & PO-Khadiyahar,Teh-Ambah,Distt-Morena, State- Madhya Pradesh, PIN-476554, have changed my Father name from ASHOK SINGH to ASHOK SINGH TOMAR and also date of birth changed from 01/07/1968 to 08/04/1968 add in my service documents vide affidavit date 24/07/2024 before Notary Om Prakash Garg Advocate Morena.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No- 17039436A,Rank-NK Name- Govind Singh R/o Vill & PO-Khadiyahar,Teh-Ambah,Distt-Morena, State- Madhya Pradesh,PIN-476554, have changed my Mother name from KAMLESH DEVI to KAMLESH TOMAR and also date of birth changed from 01/07/1975 to 01/01/1974 add in my service documents vide affidavit date 24/07/2024 before Notary Om Prakash Garg Advocate Morena.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No- 14688535F,Rank-Hav Name- Raju M,R/o H.No-7-5A1,Vill & PO-Chityala,Teh-Wanaparthy,Distt-Wanaparthy,State- Telangana,PIN-509206, have changed my Mother name from LAXMI DEVAMMA M to MANDLA LAXMI DEVAMMA and also date of birth changed from 10/03/1963 to 01/01/1961 add in my service documents vide affidavit date 16/01/2025 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No- 14688535F,Rank-Hav Name- Raju M,R/o H.No-7-5A1,Vill & PO-Chityala,Teh-Wanaparthy,Distt-Wanaparthy,State- Telangana,PIN-509206, have changed my Father name from VENKATAIAH M to MANDLA VENKATAIAH and also date of birth changed from 09/02/1953 to 01/01/1951 add in my service documents vide affidavit date 16/01/2025 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad

CHANGE OF NAME

I, N HYMAVATHI, Legally wedded spouse of JC341019M, Sub, SUGREEVU GUNDA, of Unit: Garrison Engineer, MCEME, Military Engineer Services, MCEME Campus, Secunderabad-500015, R/o. Village: Dandemvalasa, Turakapeta, Amdulavalasa, Srikakulam, Andhra Pradesh – 532185, have changed my name from N HYMAVATHI to G HYMAVATHI, vide affidavit signed by Advocate & Notary P. Raveendranath, B.Com., BL., on 20-01-2025.

CHANGE OF NAME

I, G SURYA KUMARI Spouse of Service No. IC47930M Colonel (Retd) G RAJSHEKHAR, R/o.H.No.22-117/3/1, R.K Nagar, Vill:Malkajgiri, Teh:Malkajgiri, Dist:Ranga Reddy, Telangana - 500047 have changed my name from G SURYA KUMARI to SURYA KUMARI GUDALA vide affidavit dt:21-1-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

मोहन बागान सुपर जायंट की आक्रामकता का सामना करेगी चेन्नइयन एफसी

चेन्नई, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

चेन्नइयन एफसी मंगलवार शाम अपने घरेलू मैदान जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में मोहन बागान सुपर जायंट की मेजबानी करेगी। चेन्नइयन एफसी अपने पिछले चार मैचों (दो ड्रा, दो हार) में जीत से वंचित है और मैरिनर्स के खिलाफ जीत से अपने सूखे को खत्म करना चाहेगी।

वहीं, मैरिनर्स चेन्नइयन के खिलाफ लीड डबल पूरा करना चाहेंगे, क्योंकि उन्होंने 30 नवंबर को अपने घर पर मरीना माचान्स को 1-0 से हराया था।

चेन्नइयन एफसी 16 मैच में चार जीत, पांच ड्रा और सात हार से 17 अंक लेकर तालिका में 10वें स्थान पर है, जबकि मोहन बागान सुपर जायंट 16 मैचों में 11 जीत, तीन ड्रा और दो हार से 36 अंक लेकर तालिका में शीर्ष स्थान पर हैं।

चेन्नइयन एफसी सीजन में अब तक केवल दो क्लीन शीट नहीं रख पाई है और 27 गोल खा चुकी है। वहीं, मैरिनर्स के नाम कुल 31 गोल है, जो कि संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा हैं।

चेन्नइयन एफसी ने अपने पिछले दो घरेलू मैचों में से प्रत्येक में कई (कुल छह) गोल खाए हैं। उन्होंने दिसंबर 2018 से फरवरी 2019 के बीच लगातार तीन घरेलू मैचों में आठ गोल खाए थे।

चेन्नइयन के विपक्षी हाफ में पास के प्रयास (62.4प्रतिशत) लीग में दूसरे स्थान पर हैं जबकि मैरिनर्स अपने हाफ (उनके पास का 48.8प्रतिशत) से अधिक हमले बनाते हैं।

मैरिनर्स ने विपक्षी बॉक्स में औसतन 25.9 टच प्रति मैच किए हैं, जो सबसे ज्यादा है। उस क्षेत्र में उनके 415 टच हैं।

मैरिनर्स ने अपने पिछले तीन अवे मैचों में से प्रत्येक में गोल खाए हैं। अगर चेन्नइयन एफसी आगामी मुकाबले में गोल करती है, तो यह मैरिनर्स का घर से बाहर क्लीन शीट से दूर रहने का सबसे लंबा सिलसिला होगा।

मरीना माचान्स के सहायक कोच नोएल विल्सन ने बताया कि चोटों ने इस सीजन में उनकी रक्षापंक्ति प्रभावित किया है।

उन्होंने कहा, इस सीजन में हम चोटों से परेशान रहे हैं, जिस कारण हम समान बैक-फोर के साथ लगातार नहीं खेल पाए हैं। आप 100 मिनट में डिफेंस को बदलना नहीं चाहेंगे, क्योंकि एक बार जब विरोधी टीम एक गोल कर लेती है, तो वो दूसरे के लिए बेताब हो जाती है। मैरिनर्स के स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना ने पिछले कुछ मैचों में अपने फॉरवर्ड के गोल-स्कोरिंग मौकों से चूकने की चिंताओं को खारिज किया। उन्होंने कहा, अगर मेरे आक्रामक खिलाड़ियों को गोल करने के मौके नहीं मिले, तो मुझे चिंता होगी। लेकिन, ऐसे हालात नहीं हैं और मुझे यकीन है कि गोल आएंगे। बता दें कि आईएसएल में दोनों टीमों के बीच नौ मुकाबले हुए हैं। मोहन बागान सुपर जायंट ने चार मैच जीते हैं, जबकि चेन्नइयन एफसी ने दो बार जीती है। तीन मुकाबलों में ड्रा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

मैनचेस्टर सिटी ने उज्बेकिस्तान के डिफेंडर खुसानोव के साथ अनुबंध पूरा किया

लंदन। मैनचेस्टर सिटी ने सोमवार को फ्रांसीसी टीम लेंस से सेंट्रल डिफेंडर अब्दुकोदिर खुसानोव के साथ अनुबंध की पुष्टि की है। इसके साथ ही खुसानोव प्रीमियर लीग में खेलने वाले उज्बेकिस्तान के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। 20 वर्षीय खिलाड़ी ने जून 2029 तक साढ़े चार साल के अनुबंध पर सहमति जताई है, और इंग्लिश क्लब को इसके लिए 33.6 मिलियन पाउंड (41.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का भुगतान करना पड़ा है, क्योंकि वे अपनी पहली टीम के दल को फिर से जीवंत करना चाहते हैं। यह बिक्री लेंस के लिए बहुत बड़ा लाभ है, जिन्होंने 18 महीने पहले बेलारूसी क्लब एनर्जेटिक-बीजीयू से उज्बेकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी को लगभग 90,000 यूरो (94,000 अमेरिकी डॉलर) में साइन किया था। खुसानोव ने पेप गार्डियोला द्वारा प्रशिक्षित क्लब के लिए साइन करने पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की, क्लब की वेबसाइट के हवाले से उन्होंने कहा कि मैनचेस्टर सिटी की टीम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से भरी हुई है, और मैं उनसे मिलने और उनके साथ खेलने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, और निश्चित रूप से पेप गार्डियोला अब तक के सबसे महान कोचों में से एक हैं और मैं उनसे सीखने और अपने खेल को और भी बेहतर बनाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैनचेस्टर सिटी के फुटबॉल निदेशक त्सिकी बेगिरिस्टेन ने बताया कि खुसानोव, जिन्होंने अपने देश के लिए 18 बार खेला है, बहुत बुद्धिमान हैं, साथ ही मजबूत, आक्रामक और बेहद तेज हैं।

स्टेडियम में 10.50 करोड़ रुपये से बनेगा सिंथेटिक ट्रैक

महोबा। खेलों को बढ़ावा देने के लिए स्पोर्ट्स स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रैक के निर्माण का खाका तैयार किया गया ।शासन स्तर से सिंथेटिक ट्रैक के लिए 10.50 करोड रुपये का बजट का प्रस्ताव पास किया गया है। जिससे एथलेटिक्स खिलाड़ियों को आने वाले दिनों में ट्रैक का लाभ मिल सकेगा और सरकार की इस मुहिम से वीरभूमि के युवा खिलाड़ी भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर जनपद का नाम रोशन कर सकेंगे। जिला उपक्रीड़ाअधिकारी ने बताया कि जनपद मुख्यालय स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में 8 लाइन के 400 मीटर सिंथेटिक ट्रैक के निर्माण को शासन स्तर से मंजूरी मिल गई है। जिसके लिए 10.50 करोड रुपये के प्रस्ताव को हरी झंडी मिल गई है। बताया कि सभी प्रकार के मौसम में सिंथेटिक ट्रैक खिलाड़ियों के लिए उपयोगी साबित होता है। इस ट्रैक पर खिलाड़ियों को चोट आने का खतरा कम रहता है। खेल मंत्री के द्वारा जनपद वासियों को सिंथेटिक ट्रैक के रूप में एक बड़ी सौगात दी गई है।

अश्विन ने शुभमन को उपकप्तान बनाये जाने के फैसले को सही बताया

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने आईसीसी चैम्पियंस के लिए युवा बल्लेबाज शुभमन

गिल को उपकप्तान बनाये जाने के फैसले को सही बताया है। अश्विन ने कहा कि चयनकर्ताओं ने इससे संकेत दिये है कि भविष्य में शुभमन ही कप्तान बनेंगे। वहीं कुछ प्रशंसकों और विशेषज्ञों का मानना है कि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या बेहतर विकल्प हो सकते थे। अश्विन ने कहा, ये सोचिए कि हम मौजूदा टीम में से किसे उप-कप्तान नियुक्त कर सकते हैं। मैं यह नहीं कहूंगा कि शुभमन को नियुक्त करने का फैसला सही था या गलत पर जो मुद्दा उठाया गया वह सही था कि वह पिछली सीरीज में भी उप-कप्तान थे। मैं गलत हो सकता हूं पर मुझे लगता है कि उन्होंने टेस्ट में भी कुछ उप-कप्तानी की है। मुझे लगता है कि यह फैसला भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया है क्योंकि प्रबंधन इस बारे में सोच रहा होगा कि भविष्य में उनका कप्तान कौन हो सकता है। अश्विन ने साथ ही कहा कि शुभमन सही विकल्प थे क्योंकि उन्हें अंतिम 11 में नियमित माना जा सकता है जबकि ऋषभ पंत और अक्षर पटेल अभी तक इस प्रारुप में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। उन्होंने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए अक्षर को उप-कप्तान बनाया गया है। अक्षर और रविन्द्र जडेजा के बीच इस बात को लेकर कड़ी प्रतिस्पर्धा है कि दोनों में से कौन अंतिम 11 में खेलेगा।

खो-खो विश्व कप 2025

भारतीय संस्कृति और आतिथ्य ने अंतरराष्ट्रीय प्लेयर्स का जीता दिल

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत में पहली बार आयोजित किए गए खो खो विश्व कप का पहला संस्करण भारतीय पुरुष और महिला टीमों की जीत के साथ सफलतापूर्वक समाप्त हुआ।

इस ऐतिहासिक आयोजन ने न केवल भारतीय खेल प्रेमियों को रोमांचित किया, बल्कि दुनिया भर से आए खिलाड़ियों और दर्शकों पर भी गहरी छाप छोड़ी। इस आयोजन के दौरान भारतीय संस्कृति, परंपरा, और आतिथ्य का जो अद्वितीय अनुभव प्रस्तुत किया गया, उसकी प्रशंसा विश्व स्तर पर हुई।

भव्य उद्घाटन समारोह में भारतीय संस्कृति की झलक

खो खो विश्व कप की शुरुआत छह महाद्वीपों के 23 देशों के खिलाड़ियों और प्रतिनिधियों के स्वागत के साथ हुई। भारतीय परंपरा के अनुसार आयोजित इस भव्य उद्घाटन समारोह में सांस्कृतिक संगीत और नृत्य प्रदर्शन ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। भारतीय खो खो महासंघ (केकेएफआई) और अंतरराष्ट्रीय खो खो महासंघ (आईकेकेएफ) ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरी मेहनत की।

ईरान की टीम के खिलाड़ी आमिर घियासी ने भारत के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, हम पहली बार भारत आए और हमें यहां शानदार समय बिताने का मौका मिला। भारतीय आतिथ्य अद्भुत था। हमें यहां हर संभव सुविधा दी गई, चाहे वह भोजन हो या आवास। हमने भारतीय संस्कृति का आनंद लिया और यह हमारे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा।

केकेआर की ओर से रिटेन नहीं किये जाने से हैरान था : श्रेयस

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के लिए गत माह हुई मेगा नीलामी में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने श्रेयस अय्यर ने पहली बार कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा रिटेन न करने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। श्रेयस की कप्तानी में ही केकेआर ने 2024 में आईपीएल खिताब जीता था। ऐसे में सभी का मानना था कि इस बार भी उन्हें कप्तान बनाया जाएगा। श्रेयस ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा था कि उन्हें रिटेन कर लिया जाएगा। फ्रेंचाइजी ने सत्र समाप्त होने के ठीक बाद रिटेंशन की बात की थी पर उसके बाद केकेआर की ओर से कोई ऐसा प्रस्ताव नहीं किये जाने से वह हैरान हो गए। श्रेयस ने कहा, निश्चित रूप से केकेआर में चैंपियनशिप जीतने में मेरा समय शानदार रहा। वहां गुजारा हर पल मुझे पसंद आया तो जाहिर है, हमने आईपीएल चैंपियनशिप के बाद सीधे बातचीत की थी पर इसके बाद कुछ भी स्पष्ट नहीं हुआ। उनकी ओर से मुझसे संपर्क ही नहीं किया गया।

खिलाड़ियों के दिल में बसा भारतीय आतिथ्य

विदेशी खिलाड़ियों ने भारतीय आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि भारत ने उनके लिए विशेष भोजन और सुविधाओं की व्यवस्था की। खिलाड़ियों की सेहत और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डॉक्टर्स और फिजियोथेरेपिस्ट भी हर समय उपलब्ध रहे।

न्यूजीलैंड की महिला टीम का हिस्सा रहीं मूल भारतीय खिलाड़ी अमनदीप कौर ने कहा, भारतीय आतिथ्य और आयोजन के स्तर ने हमें चौंका दिया। टूर्नामेंट बेहद प्रतिस्पर्धी था, और अब हम भविष्य में और बेहतर तैयारी के लिए प्रेरित हैं।

भारतीय संस्कृति में रचा-बसा टूर्नामेंट

खिलाड़ियों को न केवल खेल में अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला, बल्कि भारतीय संस्कृति को करीब से जानने का भी अवसर मिला। ताजमहल की यात्रा से लेकर भारतीय स्ट्रीट फूड का आनंद उठाने तक, खिलाड़ियों ने हर अनुभव को भरपूर जिया।

पेरू पुरुष टीम की कोच सिल्वाना पेट्रीसिया ने कहा,आतिथ्य, भोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने हमें गहराई तक प्रभावित किया। भारतीय संगीत और नृत्य का आनंद लेना अद्भुत रहा। यहां हर चीज़ देखने लायक थी, और यह विश्व कप मेरे जीवन के सबसे अच्छे अनुभवों में से एक है।

ब्राजील की पुरुष टीम की कोच लॉरा डोअरिंग ने भी भारत की प्रशंसा करते हुए कहा,भारत की संस्कृति हमारी संस्कृति से पूरी तरह अलग है। यहां के लोग बेहद अच्छे हैं। मैंने यहां डांस मूव्स सीखे हैं और मैं उन्हें अपने साथ वापस ले जाना चाहती हूं।

आयोजन की सफलता पर आयोजकों की भूमिका

भारतीय खो खो महासंघ और अंतरराष्ट्रीय खो खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल और महासचिव रोहित हल्दानिया के नेतृत्व में यह सुनिश्चित किया गया कि विदेशी खिलाड़ियों को हर तरह की सुविधा मिले।

सोफी एक्लेस्टोन ने एशेज हार के बाद टीवी इंटरव्यू से किया इनकार : एलेक्स हार्टले

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

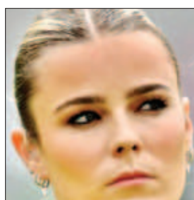

इंग्लैंड की पूर्व विश्व कप विजेता स्पिनर एलेक्स हार्टले ने दावा किया है कि उन्हें राष्ट्रीय टीम द्वारा अनदेखा किया जा रहा है। हार्टले का कहना है कि टीम की प्रमुख खिलाड़ी सोफी एक्लेस्टोन ने उनके साथ टीवी इंटरव्यू करने से इनकार कर दिया। यह विवाद हार्टले द्वारा इंग्लैंड की खिलाड़ियों की फिटनेस पर की गई आलोचना के बाद खड़ा हुआ है।

हार्टले, जो पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद एक सफल प्रसारक और विश्लेषक के रूप में सक्रिय हैं, ने हाल ही में कहा था कि इंग्लैंड की टीम ने अक्टूबर में टी20 विश्व कप के दौरान खराब फिटनेस के कारण निराशाजनक प्रदर्शन किया था। उन्होंने दुबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ हार को इंग्लैंड के कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस के लिए जिम्मेदार ठहराया था। हालांकि, इंग्लैंड के कप्तान हीथर नाइट और कोच जॉन लुईस ने इस आरोप को खारिज करते हुए इसे टीम के प्रदर्शन का कारण मानने से इनकार किया था।

हार्टले का खुलासा: टीम से बातचीत बंद

सिडनी में सोमवार को खेले गए पहले टी20 मैच में इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया से 57 रन से हार का सामना करना पड़ा, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज में 8-0 की बढ़त बना ली। इस हार के बाद हार्टले ने बीबीसी के टीएमएस पॉडकास्ट पर खुलासा किया कि इंग्लैंड की टीम अब उनसे कोई संवाद नहीं कर रही है।

हार्टले ने कहा, इंग्लैंड की टीम ने मुझे पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है। मैंने केवल यह कहा था कि उनकी फिटनेस ऑस्ट्रेलिया के स्तर की नहीं है। मेरा मकसद था कि वे बेहतर बनें और बड़ी ट्रॉफियां जीतें। लेकिन तब से टीम ने मुझसे दूरी बना ली है।

इंग्लैंड की फील्डिंग और फिटनेस पर सवाल

एशेज सीरीज के दौरान इंग्लैंड की फील्डिंग और एथलेटिक प्रदर्शन सवालों के घेरे में रहा है। हार्टले ने कहा कि इंग्लैंड ने पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की एथलेटिकिज्म का सामना करने में संघर्ष किया। उन्होंने इंग्लैंड के कोच जॉन लुईस के उस बयान को भी खारिज किया, जिसमें उन्होंने टीम में फिटनेस को कोई समस्या नहीं बताया था।

हार्टले ने कहा, जॉन लुईस का मानना है कि इंग्लैंड की फिटनेस में कोई समस्या नहीं है। लेकिन मुझे लगता है कि कुछ खिलाड़ियों की एथलेटिकिज्म में सुधार की जरूरत है। अगर मेरी राय टीम को गलत लगती है, तो यह उनका अधिकार है, लेकिन मेरे साथ किया गया व्यवहार पूरी तरह से अनुचित है।

आगे बढ़ने का सवाल

हार्टले ने साफ किया कि उनकी टिप्पणियों का मकसद टीम की आलोचना नहीं, बल्कि उसे बेहतर बनाने में मदद करना था। उन्होंने कहा, अगर इंग्लैंड और मेरे रिश्ते इसी तरह आगे बढ़ने वाले हैं, तो ऐसा ही सही।

रिचर्ड डॉसन बने ग्लैमरगन के अंतरिम मुख्य कोच

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

ग्लैमरगन क्रिकेट क्लब ने रिचर्ड डॉसन को अपना अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह कदम पिछले महीने पूर्व कोच ग्रांट ब्रैडबर्न के भेदभावपूर्ण व्यवहार के आरोपों के चलते इस्तीफा देने के बाद उठाया गया।

डॉसन का कोचिंग करियर बेहतरीन अनुभवों से भरा है। उन्होंने ग्लूस्टरशायर के मुख्य कोच के रूप में छह वर्षों तक काम किया, जिसमें टीम को 2019 में डिवीजन वन में प्रमोशन दिलाने और 2020 के टी20 फाइनल में पहुंचाने में मदद की। इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रदर्शन मार्ग में योगदान दिया और इंग्लैंड अंडर-19 टीम की देखरेख भी की।

डॉसन का बयान

नियुक्ति पर डॉसन ने कहा, मैं ग्लैमरगन के मुख्य कोच के रूप में नियुक्त होकर बेहद खुश हूं। वेल्श फायर के साथ मेरे अनुभव ने मुझे क्लब के कामकाज को करीब से समझने का मौका दिया। मैं खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर पिछले सत्र की सफलता को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हूं।

डॉसन ने अपने खेल करियर के दौरान यॉर्कशायर का लंबे समय तक प्रतिनिधित्व किया और सात टेस्ट मैच खेले। उन्होंने नॉर्थम्पटनशायर और ग्लूस्टरशायर में भी कुछ समय बिताया।

आगामी कार्य

डॉसन फिलहाल इंग्लैंड लायंस महिला टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं और महिला प्रीमियर लीग में काम करने के बाद मार्च से ग्लैमरगन की जिम्मेदारी संभालेंगे। वे हंड्रेड टूर्नामेंट के दौरान वेल्श फायर के सहायक कोच के रूप में भी काम करेंगे।

क्लब का बयान

ग्लैमरगन के क्रिकेट निदेशक मार्क वालेस ने डॉसन की नियुक्ति को क्लब के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा, हम रिचर्ड डॉसन जैसे अनुभवी और योग्य कोच को टीम के साथ जोड़ने में सफल हुए हैं। हम उनसे टीम को विकसित करने और इस सीजन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की उम्मीद करते हैं। ग्लैमरगन की नजर अब 2025 सीजन के लिए स्थायी कोच नियुक्त करने पर है, लेकिन फिलहाल डॉसन क्लब को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी संभालेंगे।

अक्षय पात्र के वार्षिक उत्सव अक्षय तरंग में क्रिकेट और वॉलीबॉल में गौतमबुद्धनगर टीम ने मारी बाजी

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

अक्षय पात्र फाउंडेशन का वार्षिक उत्सव अक्षय तरंग नई दिल्ली में सोमवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कर्मचारियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्रिकेट, वॉलीबॉल, रस्साकसी, लेमन रेस और थ्री-लेग रेस जैसी प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एशियन मैराथन चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता डॉ. सुनीता गोदारा थीं। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि फिटनेस और टीम वर्क किसी भी संगठन की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं। विशेष अतिथि के तौर पर अखिल भारतीय धर्म समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष शुभेष शर्मन भी उपस्थित थे।

खेल प्रतियोगिताओं में गौतमबुद्धनगर का दबदबा

क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में गौतमबुद्धनगर और डीएमसी यूनिट का मुकाबला हुआ। गौतमबुद्धनगर टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच में अरुण कसाना ने 15 गेंदों में 29 रन बनाए और एक विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच बने। डीएमसी के प्रीत को पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द सीरीज का खिताब दिया गया।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भी गौतमबुद्धनगर टीम ने जहांगीरपुरी टीम को हराकर खिताब पर कब्जा किया।

अन्य खेलों में भी दिखा जोश

रस्साकसी प्रतियोगिता के फाइनल में जहांगीरपुरी टीम ने डीएमसी यूनिट को हराकर खिताब जीता। लेमन रेस में डीएमसी यूनिट के दीपक मिश्रा विजेता बने, जबकि थ्री-लेग रेस में गौतमबुद्धनगर के मनोज और सुशील ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रेरणा और उत्साह का माहौल

डॉ. सुनीता गोदारा ने अपने संबोधन में कहा, फिट इंडिया की दिशा में यह आयोजन सराहनीय है। इस तरह के कार्यक्रम न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक विकास के लिए भी आवश्यक हैं। उन्होंने जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण, सतत् सीखने और टीम वर्क के महत्व पर जोर दिया।

एलएंडटी मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125 का चौथा संस्करण फरवरी में, एमएसएलटीए, सीसीआई करेंगे मेजबानी

मुंबई, 21 जनवरी (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन (एमएसएलटीए) और क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाला एलएंडटी मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125 के सीरीज का चौथा संस्करण फरवरी 2025 में शुरू होगा।

टूर्नामेंट 1 फरवरी से क्वालीफाइंग राउंड के साथ शुरू होगा, जबकि मुख्य ड्रॉ 3 फरवरी से होगा और फाइनल मुकाबला 9 फरवरी को सीसीआई के कोर्ट पर खेला जाएगा। इस इवेंट में दुनिया के शीर्ष और उभरते हुए खिलाड़ी भाग लेंगे।

आयोजन समिति के सदस्य, आईएएस अधिकारी संजय खंडारे और प्रवीण दराडे ने कहा, हम चौथी बार एलएंडटी मुंबई ओपन की मेजबानी करते हुए रोमांचित हैं। पिछले तीन संस्करणों की सफलता के बाद, हमें इस बार भी दिलचस्प मुकाबलों की उम्मीद है। मुंबई हमेशा खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए खास रही है, और हमें विश्वास है कि यह संस्करण भी यादगार होगा।

प्रतिभागी और प्रतियोगिता का स्तर

इस बार टूर्नामेंट में कई शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इनमें शामिल हैं-

तात्जाना मारिया (जर्मनी) : वर्तमान विश्व रैंकिंग 89। अपने करियर का चौथा एकल खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगी।

रेबेका मैरिनो (कनाडा) : विश्व रैंक 98। 2024 में डॉव टेनिस क्लासिक जीतने वाली मैरिनो अपने दूसरे डब्ल्यूटीए खिताब के लिए प्रयास करेंगी।

नूरिया पैरिज़ास-डियाज़ (स्पेन) : विश्व रैंक 104। तीन डब्ल्यूटीए चैलेंजर खिताब अपने नाम कर चुकीं नूरिया हाल ही में वर्कडे कैनबरा इंटरनेशनल के सेमीफाइनल में पहुंची थीं।

गत विजेता दार्जा सेमेनिस्टाजा (लातविया), जो विश्व रैंकिंग में 120वें स्थान पर हैं, अपने खिताब की रक्षा करेंगी। इसके अलावा, ग्रेट ब्रिटेन की हैरियट डार्ट (रैंक 113) और फिलीपींस की युवा खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा एला (रैंक 138) भी मुकाबले का हिस्सा होंगी।

पिछले संस्करण और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

2024 में मुंबई ओपन ने छह साल बाद वापसी की थी। पिछले एकल खिताब लातवियाई खिलाड़ी दार्जा सेमेनिस्टाजा ने जीता था, जबकि युगल में डेलिला जाकुपोविक और सबरीना सांतामारिया की जोड़ी विजेता रही थी।

इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के पूर्व चैंपियंस में 2017 की विजेता विश्व नंबर 2 आर्यना सबालेंका और 2018 की विजेता थाईलैंड की लुक्सिका कुमखुम शामिल हैं। एलएंडटी मुंबई ओपन 2025 से न केवल प्रतिभागियों, बल्कि मुंबई के टेनिस प्रशंसकों को भी जबरदस्त उम्मीदें हैं। आयोजकों का कहना है कि यह टूर्नामेंट खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए यादगार अनुभव साबित होगा।

यूनिलीवर दो विनिर्माण इकाइयां स्थापित करेगी

दावोस/हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रणी वैश्विक एफएमसीजी कंपनी यूनिलीवर ने तेलंगाना में दो विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने की योजना की घोषणा की है।

कंपनी कामारेड्डी जिले में पाम ऑयल निर्माण इकाई स्थापित करेगी, जो राज्य में एक महत्वपूर्ण निवेश होगा। इसके अलावा, यूनिलीवर तेलंगाना में बोतल कैप बनाने वाली इकाई भी स्थापित करेगी।

दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और यूनिलीवर के सीईओ हेन शूमाकर के बीच हुई बैठक के बाद यह समझौता हुआ।

इस बैठक के दौरान, सीएम रेड्डी ने कंपनी को तेलंगाना में ये दो प्लांट लगाने के लिए सफलतापूर्वक राजी कर लिया, जहाँ अब तक यूनिलीवर की मौजूदगी बहुत कम थी।भारत में हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के नाम से परिचालन करने वाली यूनिलीवर ने अपने विस्तार के लिए तेलंगाना के रणनीतिक लाभों को स्थान के रूप में पहचाना है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू के साथ मिलकर यूनिलीवर नेतृत्व को राज्य के लॉजिस्टिक्स लाभों और व्यापार करने में आसानी के बारे में बताया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दावोस में डब्ल्यूईएफ में भारतीय मंडप का उद्घाटन किया

दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में भारत मंडप का उद्घाटन केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान, केंद्रीय कौशल विकास राज्य मंत्री जयंत चौधरी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी , राज्य के आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू और केरल के उद्योग और कानून मंत्री पी. राजीव ने एक संयुक्त समारोह में किया।भारतीय मंडप के उद्घाटन के बाद, गणमान्य व्यक्तियों ने तेलंगाना मंडप का भी औपचारिक उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में उन परियोजनाओं पर चर्चा की गई, जिनमें तेलंगाना शेष भारत के लिए एक आदर्श बन सकता है।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, केंद्रीय मंत्रियों ने कौशल विकास और खाद्य प्रसंस्करण में राज्य की पहल के लिए अधिकतम समर्थन का वचन दिया।

तेलंगाना पैवेलियन में पहली बैठक में एजिलिटी के चेयरमैन तारेक सुल्तान ने आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू से मुलाकात की। मंत्री ने किसानों की आय को स्थायी रूप से बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

डब्ल्यूईएफ की 55वीं वार्षिक बैठक में तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कर रहे हैं। इस वर्ष की चर्चाएँ बुद्धिमान युग में उद्योग विषय पर हो रही हैं।

इस कार्यक्रम में गोलमेज बैठकें और सेमिनार शामिल होंगे जिनमें निम्नलिखित विषय शामिल होंगे:वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति के अनुरूप औद्योगिक रणनीति विकसित करना। बढ़ती वैश्विक ऊर्जा मांगों को संबोधित करना।

इस फोरम में विभिन्न देशों, राज्यों के प्रतिनिधियों, उद्योग विशेषज्ञों और उद्योगपतियों सहित 3,000 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

भारत और विदेश की अग्रणी कंपनियों ने तेलंगाना की स्वच्छ और हरित ऊर्जा नीति में गहरी रुचि व्यक्त की है, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा और पंप स्टोरेज बिजली उत्पादन के लिए प्रोत्साहन शामिल हैं।चर्चाएँ निम्नलिखित पर भी केन्द्रित हैं: हैदराबाद में चौथे शहर का विकास, एआई आधारित आईटी सेवाओं का विस्तार, अत्याधुनिक डेटा सेंटरों में निवेश मौजूद है।

राज्यपाल जिष्णु देव ने कार्टूनों की पुस्तक ऑबट्यूज एंगल का विमोचन किया

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने मंगलवार को राजभवन में आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी बीपी आचार्य की कार्टूनों की पुस्तक ऑबट्यूज एंगल का विमोचन किया।कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने बीपी आचार्य की चार दशकों से अधिक की रचनात्मक यात्रा की सराहना की और सिविल सेवा की जिम्मेदारियों के साथ कलात्मक गतिविधियों को संतुलित करने की उनकी क्षमता की प्रशंसा की।

राजभवन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि वर्मा ने आम लोगों के जीवन को दर्शाने वाले कार्टूनों की कालातीत प्रासंगिकता को भी स्वीकार किया और आचार्य के तीक्ष्ण अवलोकन कौशल और उनके काम में झलकने वाले व्यावहारिक हास्य की सराहना की।

मेडचल में गरीबों की जमीन पर अतिक्रमण करने के आरोप में रियल एस्टेट ब्रोकर को इटेला ने थप्पड़ मारा

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मलकाजगिरी से भाजपा सांसद इटेला राजेंद्र ने मंगलवार को मेडचल के पोचारम गांव में गरीबों की जमीन पर अतिक्रमण करने के आरोप में एक रियल एस्टेट ब्रोकर को थप्पड़ मारा।

जब राजेंद्र को पता चला कि रियल एस्टेट ब्रोकर गरीबों की जमीन पर अतिक्रमण करके उन्हें परेशान कर रहे हैं, तो वह पार्टी के कई नेताओं के साथ पोचारम गांव पहुंचे और मौके पर बैठे एक ब्रोकर को थप्पड़ मार दिया।

मौके पर पहुंचने के कुछ ही मिनटों बाद राजेंद्र ने ब्रोकर को थप्पड़ मार दिया और उसके बाद पार्टी समर्थकों ने उसे गरीबों के हित में परिसर से बाहर जाने को कहा। पार्टी नेताओं ने ब्रोकर से कहा कि वह अपनी आदत सुधार ले और दोबारा ऐसी गलती न करे, अन्यथा उसके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा।गरीब लोगों और पार्टी समर्थकों का गुस्सा इतना था कि राजेंद्र के थप्पड़ मारने के बाद सभी ने ब्रोकर की जमकर पिटाई कर दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ईटेला ने दलाल से इस बात को लेकर बहस की कि वह अवैध रूप से ज़मीन हड़पने की गतिविधियों में शामिल है। इस गरमागरम बहस के दौरान तनाव बढ़ गया, जिसके परिणामस्वरूप सांसद ने कथित तौर पर दलाल पर हमला कर दिया।इस टकराव ने लोगों का ध्यान खींचा है, दोनों पक्षों के समर्थक अलग-अलग बयान दे रहे हैं। कुछ स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि इलाके के दलाल कमज़ोर समुदायों का शोषण कर रहे थे, जिसके कारण इटेला को मामले को अपने हाथों में लेना पड़ा।अधिकारियों ने अभी तक इस घटना के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। हालांकि, विपक्ष ने सांसद के व्यवहार की आलोचना की है और मामले की गहन जांच की मांग की है।इस घटना से क्षेत्र में भूमि विवाद को लेकर तनाव बढ़ गया है। इस घटना के राजनीतिक नतीजे होने की संभावना है, क्योंकि आलोचक और समर्थक दोनों ही इस मामले पर अपनी राय व्यक्त कर रहे हैं।

काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पर लड़की ने आत्महत्या की

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंगलवार सुबह काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर एक दुखद घटना घटी, जब एक 17 वर्षीय लड़की रेलवे पटरियों पर मृत पाई गई। ऐसा संदेह है कि उसने आत्महत्या की है।मृतक नाबालिग सिद्दीपेट का रहने वाली थी और उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर में स्थित आंध्र महिला सभा छात्रावास में रहती थी। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना सुबह 7:30 से 7:45 बजे के बीच हुई। एक सतर्क यात्री ने पटरियों पर शव देखा और तुरंत सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) को सूचित किया।जीआरपी के इंस्पेक्टर येलप्पा ने घटना की पुष्टि की और बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया शवगृह भेज दिया गया है। अभी तक इसके पीछे की वजह अज्ञात बनी हुई है।बीएनएस की धारा 194 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इंस्पेक्टर येलप्पा ने यह भी बताया कि चल रही जांच के आधार पर धाराओं में बदलाव किया जा सकता है।इस दुखद घटना ने पूरे समुदाय को झकझोर कर रख दिया है। अधिकारी उन सभी लोगों से अपील कर रहे हैं जिन्हें इस घटना के कारणों के बारे में जानकारी है कि वे आगे आएं और जांच में सहायता करें।

यदि आप या आपका कोई परिचित मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहा है, तो किसी विश्वसनीय मित्र, परिवार के सदस्य या मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर से संपर्क करने में संकोच न करें।

तिरुपति में सड़क दुर्घटना में हैदराबाद की दम्पत्ति की मौत

हैदराबाद, 21 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दिल दहला देने वाली घटना में, तीर्थयात्रा से लौटते समय एक दंपत्ति की कार बस से टकरा गई, जिससे उनकी मौत हो गई। उनकी बड़ी बेटी गंभीर बताई जा रही है। यह घटना सोमवार, 20 जनवरी को तिरुपति जिले के रेनिगुंटा-कडप्पा राजमार्ग पर हुई, जब संदीप शाह (45) और अंजलि देवी (40) अपने तीन बच्चों के साथ तिरुपति, तिरुचनूर, अरुणाचलम और कनिपकम का दौरा करने के बाद तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के पाटनचेरू में अपने घर लौट रहे थे।जैसे ही उनकी कार कुक्कलदोड्डी पहुंची, एक निजी पर्यटक बस ने उनकी कार को टक्कर मार दी, जिससे संदीप और उनकी पत्नी अंजलि की मौत हो गई, और उनकी बड़ी बेटी चंचला शाह गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनकी छोटी बेटी सोनाली शाह और बेटा रुद्रप्रताप शाह मामूली रूप से घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि परिवार ने ड्राइवर नरेश कुमार को अपने साथ ले लिया था, लेकिन दुर्घटना तब हुई जब संदीप ने ड्राइवर को पीछे की सीट पर बैठने के लिए कहा और गाड़ी चला ली। संदीप के माता-पिता आजीविका की तलाश में बिहार से पाटनचेरु चले आए थे। संदीप पाटनचेरु के पास सीतारामपुरम कॉलोनी में किराए पर एक अपार्टमेंट लेकर व्यवसाय कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.